खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | सोमवार, 17 अगस्त, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-225

एनटीए फिर फेल

यूजीसी-नेट के 3 पेपर दुबारा

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)।

देशभर में प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) एक बार फिर सवालों और विवादों के घेरे में है। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर पहले से विवादों में रही एजेंसी अब यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा में सामने आई गंभीर त्रुटियों के कारण आलोचनाओं का सामना कर रही है। तीन विषयों के प्रश्नपत्रों में गंभीर गलतियां पाए जाने के बाद एनटीए ने संबंधित परीक्षाएं दोबारा कराने का फैसला किया है।

वहीं, महाराष्ट्र में बॉम्बे हाईकोर्ट की क्लर्क भर्ती के लिए आयोजित टाइपिंग परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी और सर्वर फेल होने के आरोपों को लेकर अभ्यर्थी सड़कों पर उतर आए हैं। दोनों मामलों में उम्मीदवारों का एक ही सवाल है कि परीक्षा एजेंसियों की खामियों की कीमत आखिर अभ्यर्थियों को क्यों चुकानी पड़े?

एनटीए ने अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषयों की यूजीसी-नेट परीक्षा दोबारा कराने की घोषणा की है। अंग्रेजी और वाणिज्य की परीक्षा 9 सितंबर, जबकि समाजशास्त्र की परीक्षा 10 सितंबर को आयोजित की जाएगी। दोबारा परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, अनुवाद और व्याकरण संबंधी त्रुटियां

एनटीए की विशेषज्ञ समिति ने जांच के दौरान प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, टाइपिंग, अनुवाद और व्याकरण से जुड़ी कई गंभीर त्रुटियां पाईं।

समिति ने माना कि केवल चुनौती प्रक्रिया के माध्यम से इन खामियों को दूर करना संभव नहीं है और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए दोबारा परीक्षा कराना आवश्यक है।

एनटीए ने 22 से 30 जून 2026 के बीच 87 विषयों के लिए परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा के बाद अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र के प्रश्नपत्रों में खामियों को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। इसके बाद मामले की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया।

जांच में सामने आया कि इन तीन विषयों के प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, टाइपिंग, अनुवाद और व्याकरण से जुड़ी कई गंभीर गलतियां थीं। प्रसिद्ध विद्वानों के नाम गलत लिखे गए थे, पुस्तकों के विषय स्पष्ट नहीं थे और कई पुराने प्रश्न भी दोहराए गए थे।

यह रहेगा परीक्षाओं का नया कार्यक्रम

परीक्षा शहर, केंद्र और प्रवेश पत्र से संबंधित जानकारी जल्द ही एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर साझा की जाएगी। एनटीए की अधिसूचना के अनुसार तीनों विषयों की परीक्षाओं की नई तिथियां इस प्रकार हैं

अंग्रेजी: 9 सितंबर 2026, पहली पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक।

वाणिज्य: 9 सितंबर 2026, दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक।

समाजशास्त्र: 10 सितंबर 2026, पहली पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक।

बाकी 84 विषयों के परिणामों पर नहीं पड़ेगा असर

एनटीए ने स्पष्ट किया है कि बाकी 84 विषयों के परिणाम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही घोषित किए जाएंगे। दोबारा परीक्षा के कारण जेआरएफ आवंटन, सहायक प्राध्यापक पात्रता और पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में कोई देरी नहीं होगी।

इसके अलावा, सहायक प्राध्यापक पात्रता के लिए अभ्यर्थियों की संख्या जून में आयोजित मूल परीक्षा अथवा दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के 6 प्रतिशत, जो भी अधिक होगा, के आधार पर निर्धारित की जाएगी। किसी भी स्थिति में पहले से आवंटित सीटों की संख्या कम नहीं की जाएगी।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने की आलोचना

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यूजीसी-नेट की दोबारा परीक्षा को लेकर सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे एक बार फिर जांच के दायरे में बताया और राजनीतिक जवाबदेही की मांग की।

वहीं, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी एनटीए और परीक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे सरकार की बड़ी नाकामी बताया और परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। ▶10 पर

... तो एक्ज़ाम करवाते ही क्यों हो! भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी पर भड़के दीपके

30 हजार डॉलर इनाम की घोषणा

यूएस सैनिकों को मारो!

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)।

ईरानी सेना के एक वरिष्ठ कमांडर ने अमेरिकी सैनिकों को पकड़ने या मारने वाले ईरानी लड़ाकों के लिए 30,000 डॉलर, यानी 28 लाख रुपये से अधिक के इनाम की घोषणा की है। तस्नीम समाचार एजेंसी के मुताबिक, ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी ने रविवार, 16 अगस्त को तेहरान में एक भाषण के दौरान यह घोषणा की। रिपोर्ट के अनुसार, अमीर हातमी ने कहा कि जो भी ईरानी किसी अमेरिकी सैनिक को पकड़ता है या मारता है, उसे ईरानी जनता की ओर से 30,000 डॉलर का इनाम दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हम उचित उपहार देंगे। उनके अनुसार, यह इनाम करीब 5 अरब तोमान के बराबर है।

शांति वार्ता में प्रगति नहीं, संघर्ष समाप्त होने के संकेत भी नहीं

हातमी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब शांति वार्ता की दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। इसके साथ ही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही भी रुकी हुई बताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध में शामिल पक्षों के बीच संघर्ष समाप्त करने की दिशा में भी कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिखाई दे रहा है।

मध्य पूर्व में ईरान युद्ध और गाजा संघर्ष के बीच कई बड़े घटनाक्रम

मध्य पूर्व में ईरान युद्ध और गाजा संघर्ष के बीच रविवार को कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने अपने 10 दिवसीय क्षेत्रीय दौरे के दौरान अरब सागर में तैनात अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस लिंकन का दौरा किया। वहीं, दक्षिणी लेबनान में इजरायली हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई। इजरायल ने दावा किया कि इन हमलों में हिजबुल्लाह के दो कमांडरों को निशाना बनाया गया। दूसरी ओर, गाजा युद्धविराम को लेकर हमास का एक प्रतिनिधिमंडल मिस्र की राजधानी काहिरा में बातचीत कर रहा है।

यूएसएस लिंकन जनवरी में मध्य पूर्व पहुंचा था और ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध अभियान में तैनात रहा है। इस दौरान उसने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी में भी भूमिका निभाई।

यह विमानवाहक पोत 240 दिनों से अधिक समय तक लगातार समुद्र में रहने का रिकॉर्ड बना चुका है। जहाज पर मानसिक स्वास्थ्य और आवश्यक सामानों से जुड़ी समस्याओं की खबरें भी सामने आई हैं। यूएसएस लिंकन पर 5,000 से अधिक नाविक और मरीन तैनात हो सकते हैं।

दक्षिणी लेबनान में शनिवार को इजरायल द्वारा किए गए दो हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह के वरिष्ठ कमांडर अबू हसन अला और अली समीर अल-हज हसन को निशाना बनाया। यह हमला जून में इजरायल और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम लागू होने के बाद हुए सबसे घातक हमलों में शामिल बताया जा रहा है। इस बीच, क्षेत्र में जारी तनाव, शांति वार्ता में ठहराव और सैन्य गतिविधियों में तेजी के कारण मध्य पूर्व की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है।

आशीष बनर्जी की लटकी मिली लाश

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)।

बीरभूम जिले के रामपुरहाट से लगातार पांच बार विधायक और ममता बनर्जी सरकार में पूर्व मंत्री तथा विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष रहे आशीष बनर्जी का शव रविवार सुबह उनके आवास के पास स्थित पार्टी कार्यालय में फंदे से लटका मिला। इस घटना से पश्चिम बंगाल के राजनीतिक गलियारों में शोक और सनसनी का माहौल है।

वर्ष 2001 से 2026 तक रामपुरहाट विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 वर्षीय बनर्जी हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा उम्मीदवार ध्रुव साहा से चुनाव हार गए थे।

पुलिस को शव के पास से एक पन्ने का सुसाइड नोट मिला है, जिसने राज्य के सियासी गलियारों में खलबली मचा दी है। अपने अंतिम संदेश में पूर्व डिप्टी स्पीकर ने लिखा है कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने लिखा कि आज उन्हें अहसास हो रहा है कि राजनीति में आना ही उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल थी।

पेशे से शिक्षक रहे आशीष बनर्जी ने नोट में अपने साफ-सुथरे करियर का हवाला देते हुए लिखा कि उन्होंने जीवन भर एक पैसा भी गलत तरीके से नहीं लिया और हमेशा बिना फीस के छात्रों को पढ़ाया। तारापीठ रामपुरहाट डेवलपमेंट अथॉरिटी (टीआरडीए) में खुद को दरकिनार किए जाने और अपनी छवि को धूमिल करने की कथित साजिशों का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा कि वे कभी किसी भ्रष्टाचार में शामिल नहीं रहे, फिर भी उन्हें अपमानित किया गया। दुख और हताशा व्यक्त करते हुए उन्होंने अपने परिवार की भावी पीढ़ियों को कभी भी राजनीति में कदम न रखने की सलाह दी है। हालिया सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल नेताओं पर कसते शिकंजे और राजनीतिक अलगाव के बीच इस घटना ने कई अनसुलझे सवाल खड़े कर दिए हैं। ▶10 पर

वंदेमातरम्

कांग्रेस ने किया अपमान, शाह बिफरे

चित्तौड़गढ़/अलवर, 16 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के निंबाहेड़ा में कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने 'वंदे मातरम्' को भुला दिया था। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से इस गीत को उसका सम्मान वापस दिलाने का काम किया है। शाह ने कहा, कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर 'वंदे मातरम्' का गान हो रहा था। बीच में ही कांग्रेस की नेत्री सोनिया जी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। यह गान फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, वह भी सोनिया जी को रास नहीं आता।

गृह मंत्री ने कहा कि सोनिया गांधी, देश की 140 करोड़ जनता आपको देख रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा किया गया यह कार्य देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। शाह ने कहा कि यदि कांग्रेस नेताओं में जरा भी शर्म बची है, तो उन्हें हाथ जोड़कर बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की अमर आत्मा और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। राजस्थान दौरे पर आए अमित शाह ने निंबाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। ▶10 पर

कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा विपक्षी पार्टी से 'वंदे मातरम्' के कथित अपमान पर माफी की मांग करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि शाह ऐसा इसलिए कर रहे हैं, ताकि 'अपनी और अपने साहब की भारी नाकामियों' से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके।रमेश ने अमित शाह की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने 17 दिसंबर, 2024 को राज्यसभा में डॉ. बी.आर. आंबेडकर का अपमान किया था। उन्होंने यह भी कहा कि शाह उस विचारधारा से जुड़े हैं, जिसने जनवरी 2002 तक अपने मुख्यालय पर तिरंगा फहराना तक जरूरी नहीं समझा।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह भी कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर दिल्ली पुलिस की कथित बर्बरता के लिए अमित शाह सीधे जिम्मेदार हैं। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि जब ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 24^0

हसीना लौटा दो!

बांग्लादेश प्रत्यर्पण पर अड़ा

ढाका, 16 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का भारत दौरा फिलहाल टल गया है। ढाका के विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि पहले भारत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस भेजे। इसके बाद ही प्रधानमंत्री रहमान के भारत दौरे की तैयारियां आगे बढ़ेंगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ए.के. शाहिदुल करीम ने कहा कि मौजूदा हालात में यात्रा के लिए सही माहौल नहीं है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री 21 अगस्त को दिल्ली आने वाले थे और इस दौरे को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी। शाहिदुल करीम ने कहा कि नई दिल्ली में 5 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भारत की धरती से राजनीतिक बयान दिए। उनके अनुसार, इससे प्रधानमंत्री तारिक रहमान की यात्रा के लिए बना माहौल प्रभावित हुआ। करीम ने कहा कि बांग्लादेश पहले भी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। उन्होंने कहा कि ढाका चाहता है कि प्रधानमंत्री तारिक की यात्रा से पहले दोनों देशों के बीच उपयुक्त और सकारात्मक माहौल बनाया जाए। तारिक रहमान के अगस्त के तीसरे सप्ताह में भारत आने की खबरें पहले सामने आई थीं।बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों के एक मामले में दोषी ठहराया है। तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर बांग्लादेश में राजनीतिक विरोध भी सामने आ रहा है। सत्तारूढ़ पार्टी बीएनपी के नेताओं ने भारत में शेख हसीना की राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल उठाए हैं। ▶10 पर

शाहरुख, अजय और टाइगर श्रॉफ को एफडीए का नोटिस

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एफडीए का आरोप है कि विमल इलायची के विज्ञापन के जरिए महाराष्ट्र में प्रतिबंधित विमल पान मसाला का परोक्ष रूप से प्रचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एफडीए ने 11 अगस्त को तीनों अभिनेताओं को नोटिस भेजकर विज्ञापन में उनकी भूमिका पर 15 दिन के भीतर जवाब और स्पष्टीकरण मांगा है। शाहरुख खान को बांद्रा स्थित उनके घर मन्नत, अजय देवगन को जुहू स्थित उनके आवास और टाइगर श्रॉफ को उनकी प्रोडक्शन कंपनी टाइगर श्रॉफ प्रोडक्शंस एलएलपी के पते पर नोटिस भेजा गया है। एफडीए का कहना है कि विज्ञापन में विमल नाम, उत्पाद और संवादों का इस प्रकार उपयोग किया गया है कि इससे विमल ब्रांड का प्रचार होता दिखाई देता है। चूंकि विमल ब्रांड पान मसाला से भी जुड़ा है, इसलिए एफडीए को संदेह है कि विज्ञापन के जरिए प्रतिबंधित पान मसाले का परोक्ष प्रचार किया जा रहा है। महाराष्ट्र में तंबाकू या निकोटिन युक्त गुटखा और पान मसाला पर वर्ष 2012 से प्रतिबंध है, जिसे समय-समय पर बढ़ाया जाता है। वर्तमान प्रतिबंध 13 जुलाई 2026 से एक वर्ष के लिए लागू है। ▶10 पर

मिधानि ने देशभक्ति के उल्लास के साथ मनाया 80वाँ स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के अधीन अग्रणी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने हैदराबाद स्थित कंचनबाग परिसर में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया।

समारोह का शुभारंभ 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन और भारत माता को नमन के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। इसके पश्चात मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर निदेशक (वित्त) के. माधुबाला, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) पी. बाबू, वरिष्ठ अधिकारी, मान्यता प्राप्त यूनियन के प्रतिनिधि, कर्मचारी, सीआई एसएफ कर्मी, अतिथि तथा मिधानि परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया।

समारोह के दौरान सीआइ 'एसएफ द्वारा भव्य परेड प्रस्तुत की गई, जिसमें अनुशासन, सतर्कता तथा राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति समर्पण की भावना प्रदर्शित हुई। इसके पश्चात सीएमडी डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

अपने संबोधन में सीएमडी ने सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने भारत की रक्षा तैयारियों, सामरिक क्षेत्रों तथा स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ करने में मिधानि के महत्व-पूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने विशेष इस्पात, सुपरएलॉय, टाइटेनियम तथा अन्य उन्नत सामग्रियों के क्षेत्र में मिधानि की विशेषज्ञता का उल्लेख करते हुए कहा कि ये क्षमताएँ देश की रणनीतिक आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प पर बल देते हुए डॉ. नारायण मूर्ति ने कहा कि विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता, तकनीकी उत्कृष्टता और निरंतर नवाचार आवश्यक हैं। उन्होंने मिधानि परिवार का आह्वान किया कि वे गुणवत्ता, उत्पादकता, नवाचार, स्वदेशीकरण और ग्राहक संतुष्टि पर निरंतर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्र की सामरिक आवश्यकताओं में अपना योगदान और मजबूत करें।

संगठन की हाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सीएमडी ने कहा कि मिधानि के हीट ट्रीटमेंट (एचटी) शॉप को प्राप्त नैडकैप प्रमाणन तथा जीई एयरोस्पेस से प्राप्त ड400 अनुमोदन ने मिधानि की क्षमताओं और वैश्विक विश्वसनीयता को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मिधानि की उपस्थिति बढ़ाने और निर्यात में वृद्धि के नए अवसर प्रदान करेंगी, जिससे देश के विदेशी मुद्रा अर्जन में योगदान के साथ-साथ वैश्विक एयरोस्पेस एवं रक्षा आपूर्ति शृंखला में भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

सीएमडी ने मिधानि के कर्मचारियों की निष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि मिधानि की सबसे बड़ी शक्ति उसके लोग हैं। उन्होंने प्रत्येक कर्मचारी से अपने दायित्वों के प्रति स्वामित्व की भावना के साथ कार्य करने तथा एक सशक्त, आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से उन्नत भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

समारोह में बीपीडीएवी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें सामूहिक गीत, लोक नृत्य और देशभक्ति नृत्य शामिल थे। इन प्रस्तुतियों में देशप्रेम, सांस्कृतिक विविधता और युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं की सुंदर अभिव्यक्ति देखने को मिली तथा समारोह का वातावरण उत्साह और उमंग से भर गया।

इस अवसर पर उत्कृष्टता एवं उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों से संबंधित कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न श्रेणियों में 'सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' पुरस्कार तथा मिधानि में 15 वर्ष की समर्पित सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

खेलों, जिसमें टीम स्पर्धाएँ एवं व्यक्तिगत स्पर्धाएँ शामिल हैं, में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों एवं प्रतिभाओं का सम्मान मिधानि में उत्कृष्टता, प्रतिभा और सराहना की संस्कृति को बढ़ावा देने की संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन मिधानि वेलफेयर कमेटी के नेतृत्व में, कर्मचारियों एवं विभिन्न विभागों के सक्रिय सहयोग और सहभागिता से किया गया।

समारोह का समापन देशभक्ति की भावना के साथ हुआ। इस अवसर पर मिधानि परिवार ने आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी रक्षा उत्पादन तथा 'विकसित भारत 2047' के संकल्प के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई और राष्ट्र निर्माण में और अधिक समर्पण, नवाचार एवं उत्कृष्टता के साथ योगदान देने का संकल्प लिया।

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चूड़ी बाजार एवं बेगम बाजार स्थित महाकाली मंदिर में स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि टीडीपी के वरिष्ठ नेता राम नारायण यादव एवं सीआई श्रवण कुमार ने ध्वजारोहण किया तथा उपस्थित लोगों को मिठाइयाँ वितरित कीं। कार्यक्रम का आयोजन टीडीपी के के.डी. दिनेश, प्रेम प्रकाश शर्मा एवं पुजारी रामचंदर के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर किशन यादव, टी. सुरेंदर, एस. सिम्हाद्रि, राजू, सुरेश, चिन्ना, गौतम सहित बड़ी संख्या में बस्तीवासियों ने भाग लिया।

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राम नगर स्थित अपने निवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में श्रीमती बंडारू विजयलक्ष्मी, भाजपा राज्य सचिव, श्री नेति राजेश्वर राव, श्री साईकृष्ण यादव, भाजपा अदिकमेट डिवीजन अध्यक्ष तथा अन्य वरिष्ठ नेता और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद एवं मुफिद उल आनम बालिका विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री, केंद्रीय सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य तथा हिंदी सेवासदन महाविद्यालय के संस्थापक प्रधान सचिव एस. गैबुवली के नेतृत्व में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रांगण एवं मुफिद उल आनम बालिका विद्यालय, याकतपुरा में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के विशेष अधिकारी एवं केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य श्रुतिकांत भारती उपस्थित रहे। वहीं, विशिष्ट अतिथियों के रूप में तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष के. रामचंदर एवं मंत्री ए.के. राजू शामिल हुए।

इस अवसर पर श्रुतिकांत भारती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अनेक महान विभूतियों द्वारा किए गए त्याग और बलिदान को स्मरण किया।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश को स्वतंत्र बनाने के लिए अनेक महापुरुषों ने त्याग और बलिदान दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से भविष्य में भारत देश को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं भी दी गईं।

समारोह के अवसर पर मुफिद उल आनम बालिका विद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर भाषण भी दिए, जिन्हें उपस्थितजनों ने सराहा।

कार्यक्रम में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कार्यकर्ता नामदेव वाघमोड, वेंकटेश्वर, शिवा, विनोद कुमार रेड्डी, भानुदास, माया पांडे, सरिता, श्रीकांत, अरुणा एवं प्रतिभा नरसिंग उपस्थित रहे।

इसके अलावा मुफिद उल आनम बालिका हाईस्कूल की प्रधानाध्यापिका माधुरी, प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अलका, अध्यापिका श्रद्धा नंदा, छात्र-छात्राओं तथा अन्य गणमान्यजनों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

बंडारू दत्तात्रेय ने अटल बिहारी वाजपेयी को दी पुष्पांजलि

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंदारू दत्तात्रेय ने 16 अगस्त 2026 को हैदराबाद के राम नगर में पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि श्री वाजपेयी जी का अनुकरणीय नेतृत्व, उनकी राजनेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति आजीवन समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के प्रति उनका दृष्टिकोण सदैव हमारे लिए मार्गदर्शक प्रकाश बना रहेगा।

भाजपा नेता श्री पशम साई कृष्ण यादव, श्री रागिति नरेश, श्री शक्ति सिंह, श्री कौंडिन्य प्रसाद, श्री ओम प्रकाश तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित रहे।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा दीप महोत्सव आज

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्रावण मास के तीसरे सोमवार, 17 अगस्त 2026 को श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा स्थित विजयशंकर शिवालय में महा रुद्राभिषेक एवं दीप महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसी संदर्भ में आज राम दरबार में एक बैठक आयोजित की गई।

श्रृंग वंदना के पश्चात महामंत्री मुरलीधर तिवाड़ी ने बताया कि पिछले कई वर्षों से राम दरबार में श्रावण महोत्सव का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक सोमवार को रुद्राभिषेक एवं विभिन्न श्रृंगारों से विजयशंकर जी को अलंकृत किया जाता है।

17 अगस्त 2026 को सायं 7.21 बजे से रुद्राभिषेक प्रारंभ होगा। इस अवसर पर स्वजातीय भजन गायकों द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी तथा दीप श्रृंगार किया जाएगा। रात्रि 12.11 बजे आरती के पश्चात फराली की व्यवस्था रहेगी।

आज आयोजित बैठक में रामदेव नागला, संदीप जायलवाल, लक्ष्मीनारायण व्यास, रामनिवास ओझा, बंकटलाल पांडिया, कन्हैयालाल उपाध्याय, दीपक उपाध्याय एवं मधु उपाध्याय उपस्थित थे।

सिखवाल प्रगति समाज तथा विप्र सेना तेलंगाना द्वारा श्रीमाली ब्राह्मण समाज के नेतृत्व में निकाली गई महाकाल की भव्य नगरयात्रा का स्वागत एवं सम्मान किया गया।
महाकाल नगरभ्रमण यात्रा के दौरान सिखवाल प्रगति समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, चंद्रभान व्यास, विप्र सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार व्यास ङ्गजानमफ, श्रीमाली ब्राह्मण समाज तेलंगाना के प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी सहित अन्य गणमान्य बंधुगण उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्रियों से मिला सीएटी बार एसोसिएशन प्रतिनिधिमंडल

ट्रिब्यूनल गतिरोध को लेकर नई दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठकें, प्रधान पीठ के रजिस्ट्रारों से भी चर्चा

नई दिल्ली / हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन (सीएटी) की एक आपात आम सभा बुलाई गई, जिसमें ट्रिब्यूनल बेंचों के कामकाज से जुड़े गंभीर विकासों की समीक्षा की गई।

स्थानीय प्रशासन से अंतरिम सुरक्षा उपायों के संबंध में किसी भी तरह की प्रतिक्रिया न मिलने के बाद एसोसिएशन ने मामले को नई दिल्ली में उच्च स्तरीय अधिकारियों के समक्ष उठाने के लिए एक अधिकृत 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का गठन किया।

विशेष प्रतिनिधिमंडल जिसमें श्रीमती अनीता स्वाइन (अध्यक्ष), श्रीमती रचना कुमारी (महासचिव), डॉ. रघु कुमार (पूर्व अध्यक्ष), श्रीमती बी. गायत्री वर्मा (वरिष्ठ केंद्रीय सरकार स्थायी अधिवक्ता) और श्रीमती मेघा रानी अग्रवाल (केंद्रीय सरकार वरिष्ठ पैनल अधिवक्ता) शामिल थीं ने 12 अगस्त 2026 को नई दिल्ली का दौरा किया।

दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने माननीय केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी और माननीय केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी जी से औपचारिक मुलाकात की। समिति ने चल रहे प्रशासनिक मुद्दों के कारण मुकदमेबाजों को हो रहे गंभीर नुकसान का विस्तार से उल्लेख किया और मामले के लंबित रहने के दौरान किसी भी प्रतिकूल आदेश पारित न किए जाने के लिए तत्काल, ठोस समाधान तथा बाध्यकारी निर्देशों की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने सीएटी प्रधान पीठ के रजिस्ट्रारों के साथ भी व्यापक चर्चा की और उन्हें जमीनी हकीकत से अवगत कराया।

गोशामहल में तेलुगु देशम पार्टी की जन चेतना यात्रा, गरीबों के लिए आवास की मांग

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु देशम पार्टी की जन चेतना यात्रा के तहत हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न डिवीजनों में जन चेतना कार्यक्रम आयोजित किया गया। जीएचएमसी के पूर्व फ्लोर लीडर राम नारायण यादव और के.डी. दिनेश के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में टीडीपी पोलित ब्यूरो सदस्य बक्कनी नरसिम्हुलु तथा हैदराबाद लोकसभा समन्वयक नागु नागेश मुख्य अतिथियों के रूप में शामिल हुए और पार्टी का झंडा फहराया। इसके बाद शंकर बस्ती, अंबेडकर नगर और चूड़ी बाजार क्षेत्रों में जन चेतना यात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर बक्कनी नरसिम्हुलु ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री एन.टी. रामाराव ने गुडुंबा पर प्रतिबंध लागू किया था। साथ ही, गुडुंबा निर्माण पर निर्भर लोगों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से होमगार्ड की नौकरियां प्रदान की गई थीं। उन्होंने कहा कि एनटीआर सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ गरीबों के कल्याण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी। बस्तियों में लगभग 500 घरों के लिए पट्टे वितरित करने का श्रेय भी एनटीआर सरकार को जाता है। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में हैदराबाद शहर के विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई। स्वच्छता, हरियाली और बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप हैदराबाद को ङ्गक्लीन एंड ग्रीनफ अवॉर्ड मिला। ङ्गजन्मभूमिफ कार्यक्रम के माध्यम से जनता की भागीदारी से अनेक विकास कार्य किए गए। साथ ही, पारंपरिक व्यवसायों को प्रोत्साहित करते हुए उन व्यवसायों पर निर्भर परिवारों को सहायता प्रदान की गई। बक्कनी नरसिम्हुलु ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने गरीबों को डबल बेडरूम मकान देने का वादा करके वर्षों तक उन्हें इंतजार कराया। वर्तमान कांग्रेस सरकार द्वारा घोषित इंदिरम्मा आवास योजना की वितरण सूची में गोशामहल विधानसभा क्षेत्र को स्थान नहीं दिए जाने पर उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि गोशामहल में भी हजारों पात्र गरीब परिवार अपने स्वयं के घर के लिए इंतजार कर रहे हैं। ये गरीब लोग ई-सेवा, मी-सेवा और एमआरओ कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं तथा बिचौलियों द्वारा ठगे जा रहे हैं। सरकार की लापरवाही के कारण गरीबों को परेशान नहीं होना चाहिए। सरकार को तत्काल पात्र गरीबों की पहचान कर उन्हें इंदिरम्मा आवास योजना के तहत मकान मंजूर करने चाहिए। टीडीपी नेताओं ने मांग की कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक पात्र गरीब परिवार के साथ न्याय सुनिश्चित करने के लिए सरकार तत्काल कार्रवाई करे। साथ ही, इंदिरम्मा आवास योजना की सूची में गोशामहल को शामिल कर पात्र परिवारों को मकान मंजूर किए जाएं।

इस कार्यक्रम में टीडीपी नेता एवं पूर्व पार्षद उर्मिला देवी, प्रेम प्रकाश शर्मा, यू. प्रेम, आनंद सिंह, सुरेंद्र सिंह, एस. सिम्हाद्रि, ए. शिवराज, किशन राव, अमरनाथ सिंह, बी.वाई. श्रीकांत, जोगिंदर सिंह, दामोदर शर्मा सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईसीआईएल में 80वें स्वतंत्रता दिवस का देशभक्तिपूर्ण उत्सव

सीएमडी डॉ. कोमल कपूर ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज, सीआईएसएफ गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक मिनिरत्न सीपीएसई ने 15 अगस्त 2026 को अपने फैक्ट्री परिसर में 80वें स्वतंत्रता दिवस का उत्साह, जोश और देशभक्ति की भावना के साथ भव्य आयोजन किया। डॉ. कोमल कपूर, सीएमडी, ईसीआईएल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सीआईएसएफ टुकड़ी द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. कोमल कपूर ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में ईसीआईएल कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों और बहुमूल्य योगदान की सराहना की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आगामी स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) न्यूक्लियर परियोजनाओं में ईसीआईएल को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की पर्याप्त क्षमता है और कर्मचारियों से कंपनी के लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा राष्ट्र के प्रति ईसीआईएल के योगदान को मजबूत बनाने में समर्पित, प्रतिबद्ध और पूरी तरह जुटे रहने का आह्वान किया।

श्री प्रोतीक कुमार चक्रबर्ती, निदेशक (वित्त एवं कार्मिक), ईसीआईएल ने कंपनी की वित्तीय स्थिरता और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता तथा निरंतर प्रयासों के महत्व पर बल दिया।

समारोह में एटॉमिक एनर्जी सेंट्रल स्कूल के छात्रों द्वारा रंगारंग और देशभक्ति से भरपूर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने अवसर में उत्साह और जीवंतता का संचार किया।कार्यक्रम में मुख्य सतर्कता अधिकारी, कार्यकारी निदेशक, महाप्रबंधक, विभाग प्रमुख, ईसीओए और ईसीएमएस के पदाधिकारी, ईसीआईएल कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का समापन ईसीआईएल परिवार द्वारा उत्कृष्टता, नवाचार, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्र के तकनीकी और रणनीतिक विकास में योगदान देने की नवीनीकृत प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

एसबीआई हैदराबाद सर्कल में 80वें स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लोकल हेड ऑफिस, हैदराबाद में 80वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और रचनात्मक तथा आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से हमारी साझा विरासत और मूल्यों का उत्सव मनाते हुए राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना था।

श्री नीलेश द्विवेदी, मुख्य महाप्रबंधक, हैदराबाद सर्कल ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लोकल हेड ऑफिस, कोटी, हैदराबाद में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रगान का गायन किया।

सीजीएम ने कहा–स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी आती है

समारोह को संबोधित करते हुए एसबीआई हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक ने सभी कर्मचारियों को गर्मजोशी से शुभकामनाएं दीं और तिरंगे के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तिरंगा भारत की समृद्ध विरासत, लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और एक अरब से अधिक भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्रता के साथ एक मजबूत जिम्मेदारी की भावना भी आती है और कहा कि एसबीआई की यात्रा राष्ट्र की वृद्धि और विकास के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। जैसे-जैसे भारत एक आत्मविश्वासी, महत्वाकांक्षी और आकांक्षी राष्ट्र के रूप में विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे एसबीआई भी अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वयं को रूपांतरित कर रहा है।

योनो और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डिजिटल और ग्राहक–केंद्रित बन रहा है बैंक

मुख्य महाप्रबंधक ने बैंक के डिजिटल और ग्राहक–केंद्रित संस्थान में निरंतर परिवर्तन पर प्रकाश डाला। उन्होंने योनो जैसी पहलों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अपनाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे ग्राहक अनुभव, परिचालन दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हो रही है।

उन्होंने एसबीआई कर्मचारियों से आत्ममंथन करने और संस्था को मजबूत बनाने में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एसबीआई ने पीढ़ियों से राष्ट्र के साथ यात्रा की है, इसलिए उसे कल के भारत के लिए प्रासंगिक बने रहना होगा और साथ ही वर्षों से अर्जित विश्वास को बनाए रखना होगा।

उन्होंने कर्मचारियों से एक छोटी लेकिन सार्थक प्रतिज्ञा लेने का आग्रह किया अपने-अपने कार्यों को अधिक प्रतिबद्धता के साथ निभाने और एसबीआई को और मजबूत, अधिक भरोसेमंद तथा राष्ट्र के लिए अधिक उपयोगी बनाने में योगदान देने की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कर्मचारियों और उनके परिवारों की सक्रिय भागीदारी

स्वतंत्रता दिवस समारोह में कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां भी हुईं। कर्मचारियों के बच्चों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों और उनके बच्चों को सम्मानित भी किया गया।कार्यक्रम में श्रीमती रश्मि द्विवेदी, अध्यक्ष, एसबीआई लेडीज क्लब, श्री सतीश कुमार (जनरल मैनेजर एनडब्ल्यू-2), श्री रणविजय प्रताप (जनरल मैनेजर एनडब्ल्यू-1), उप महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों और कर्मचारियों तथा उनके परिवारों ने भाग लिया।

शमशाबाद बडेर में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण समारोह सम्पन्न

तेलंगाना सीरवी महासभा के अध्यक्ष हरजीराम काग एवं बडेर अध्यक्ष आसाराम गेहलोत ने किया ध्वजारोहण

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शमशाबाद बडेर में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि तेलंगाना सीरवी महासभा के अध्यक्ष हरजीराम काग एवं बडेर अध्यक्ष आसाराम गेहलोत ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम समाजबंधुओं, माताओं एवं बहनों की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर सचिव भोलाराम पंवार, उपाध्यक्ष चेलाराम काग, शिक्षा समिति के अध्यक्ष केसाराम काग, सचिव भीकाराम काग, नवनिर्वाचित अध्यक्ष भुराराम परिहार, सचिव हरिराम परिहारिया, उपाध्यक्ष जगदीश काग, बगदाराम परिहार, धर्माराम काग, सहसचिव नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष राजुराम परिहार, शिक्षा समिति के नवनिर्वाचित सचिव सोहनलाल बर्फा, महिला मंडल अध्यक्षा पारी देवी काग एवं नवनिर्वाचित अध्यक्षा संतोष देवी परिहार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में महिला मंडल की सचिव कमला देवी पंवार, कमेटी सदस्य रतनलाल बर्फा, सोहनलाल मूलेवा, मल्लाराम पंवार, रमेश काग, रमेश हाम्बड़, रमेश चोयल, भगाराम मूलेवा, धर्माराम काग, जगदीश पंवार, धर्माराम पंवार, मोहनलाल, रतनलाल परिहार तथा बुजुर्ग माताजी फेफी देवी परिहार सहित अन्य समाजबंधु एवं माताएं-बहनें बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

समाज के सभी सदस्यों की उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय उपस्थिति में ध्वजारोहण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर उपस्थित समाजबंधुओं ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अत्तापुर स्थित ब्लूमिंग बड्स द स्कूल में 80वें स्वतंत्रता दिवस का उत्साह और देशभक्तिपूर्ण माहौल में आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री सरस्वती एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष ठाकुर राम सिंह तथा प्रधानाचार्य उमेश सिंह ने शिक्षकों और प्रभारियों के साथ तिरंगा ध्वज फहराया। राष्ट्रगान के साथ सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी गई। छात्रों ने देशभक्तों के वेश में देशभक्ति गीत गाए और नृत्य प्रस्तुत कर सभी को प्रभावित किया।

विनोद संचेती ने किया ध्वजारोहण देश के वीरों को किया नमन

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विनोद संचेती ने 15 अगस्त को वी होटल, चिराला में एमडी वी. सम्पत जी के साथ राष्ट्रीय तिरंगा ध्वज फहराया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

विनोद संचेती ने कहा कि राष्ट्रीय तिरंगा फहराना उनके लिए अत्यंत सम्मान, गर्व और सौभाग्य का क्षण रहा। उन्होंने इस अद्भुत और यादगार अवसर के लिए एमडी वी. संपथ गरु के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया तथा वी होटल, चिराला में आयोजित इस अवसर को अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताया।

अपने विचार व्यक्त करते हुए विनोद संचेती ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र भारत में सम्मान और गर्व के साथ जीवन व्यतीत कर रहे हैं, वह हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान का परिणाम है। उन्होंने कहा कि देश के इन वीर सपूतों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

विनोद संचेती ने देश के युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि भारत का भविष्य युवाशक्ति के हाथों में है। युवाओं को अपनी ऊर्जा, प्रतिभा, ज्ञान और परिश्रम का भरपूर उपयोग करते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा को अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी और पूरी क्षमता के साथ प्रयास करना चाहिए, ताकि भारत विश्व के अग्रणी और सशक्त राष्ट्र के रूप में निरंतर आगे बढ़ सके।

विनोद संचेती ने पूरे राष्ट्र भारत के लिए शांति, प्रगति और एकता की कामना की। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर उन्होंने समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

जीडीमेटला स्थित आईमाताजी मंदिर (बडेर) में आजादी के 80वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर तिरंगा फहराते हुए संरक्षक चेनाराम चोयल, संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, सलाहकार संतोष चोयल, शंकरलाल बर्फा, अर्जुनलाल बर्फा, भीमाराम काग, जीवाराम हाम्बड़, मुलाराम पंवार, सोहनलाल हाम्बड़, भुण्डाराम, लुंबाराम मुलेवा, मोहनलाल काग, उदाराम काग, अन्नाराम काग, शेषाराम पंवार, मांगीलाल सोलंकी, रतनाराम भायल, चन्दणाराम चोयल, देवाराम बर्फा, मोहनलाल काग, राजुराम लचेटा, शेषाराम परीहारिया सहित नन्हे-मुन्ने बच्चों की महती उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस का ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

डेक्कन डेमोक्रेटिक क्लब के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री हबीब मोहसिन के बरकास स्थित निवास पर 80वें स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन किया गया।समारोह में समुदाय के नेता, प्रमुख व्यक्तित्व, टॉलीवुड और बॉलीवुड के सेलिब्रिटी, स्थानीय व राष्ट्रीय राजनीतिक नेता तथा शुभचिंतक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। यह समारोह भारत की एकता, विविधता और जीवंत भावना का प्रतीक रहा।

बालाजी नगर स्थित श्री आई माताजी मंदिर, बडेर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष जयराम पंवार एवं सचिव हीरालाल चोयल ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में सह-सचिव डूंगाराम सोलंकी, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी, सह-कोषाध्यक्ष सोहनलाल पंवार, वेनाराम चोयल, घेवरचन्द्र चोयल, मोहनलाल, अचलाराम, हेमाराम, राजुराम, हीरालाल काग, अशोक, समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण, महिला मंडल अध्यक्ष रुपादेवी पंवार, हन्जा देवी, जर्मनी देवी, पुष्पा, कमला चोयल, उर्मिला पंवार, कमला पंवार, समस्त महिला मंडल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

छतरीनाका स्थित मित्र यूथ एसोसिएशन ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एमवाईए भवन में समारोह का आयोजन किया। एमवाईए महासचिव एसपी क्रांति ने राष्ट्रीय तिरंगा ध्वज फहराया। समारोह में एमवाईए सदस्य बी. नितिन कुमार, मुकेश, बी. वेंकटेश चार्य, सर्वेज्ञ, मोक्षित तथा स्थानीय बच्चों ने भाग लिया।

फक्षलवाल स्थित जन सेवा संघ, अलवाल एवं राजस्थानी समाज, मलकाजगिरी की कार्यकारिणी की ओर से आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर बाबा रामदेव मित्र मंडल, अलवाल के अध्यक्ष महेंद्रसिंह सीरवी, सचिव सुनील कुमार सीरवी, वरिष्ठ सदस्य नेमीचंद गोयल, पारसनाथ शेखावास, अनिल कुमार प्रजापत, दिनेश कुमार कुमावत, धर्माराम सीरवी, नथमल माली एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शापुर नगर स्थित गाजुला रामाराम में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में देशभक्ति और उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर बंशीलाल प्रजापत, हरीसिंह उदावत, अशोक हाम्बड़, जोराराम सोलंकी, रमेश, नरेश, सुरेश, मुलेवा एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मल्लापुर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष बीजाराम सैणचा, सचिव ओकाराम पंवार, कोषाध्यक्ष नेमाराम हाम्बड़, राजुराम बर्फा, ओमप्रकाश पंवार, दुर्गा प्रसाद हाम्बड़, दुर्गाराम परिहारिया, डुगाराम राठौड़, जगदीश पंवार, वेनाराम काग, मांगीलाल बर्फा, कानाराम मुलेवा, भुरराम परिहारिया, मांगीलाल बर्फा, कैलाश सोलंकी, बाबूलाल मुलेवा, प्रकाश हाम्बड़, महिला मंडल अध्यक्ष पार्वती देवी पंवार, उपाध्यक्ष लीला देवी पंवार, सह-सचिव ललिता भायल, मिश्री देवी काग, कमला देवी हाम्बड़, राजी देवी गेहलोत, भंवरी देवी लचेटा सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रजा एकता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में बच्चों–प्रधान साहस, कीर्तिन कसुवा, लड्डू गोपाल व्यास, रिशवी गौड़, जसवंत राजपुरोहित के साथ अन्य पार्टी नेता और सफाई कर्मचारी शामिल हुए। पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनला श्रीनिवास ने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं।

नाग पंचमी पर विशेष

श्रद्धा, आस्था और प्रकृति के प्रति सम्मान का पर्व

जानिए नाग पंचमी की संपूर्ण वैदिक एवं पारंपरिक पूजा-विधि

नाग पंचमी भारतीय सनातन परंपरा का एक अत्यंत पावन पर्व है। इस दिन नागदेवता की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति, आरोग्य, समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की जाती है। नागों को भगवान शिव के आभूषण तथा भगवान विष्णु के शेषनाग स्वरूप से भी जोड़ा जाता है। इसलिए इस पर्व पर भगवान शिव के साथ-साथ नागदेवताओं की पूजा का विशेष धार्मिक महत्त्व माना गया है। नाग पंचमी के अवसर पर श्रद्धालु विधि-विधान से नागदेवता का पूजन, अभिषेक, मंत्र जाप, पुष्पांजलि और आरती करते हैं। प्रस्तुत है नाग पंचमी की संपूर्ण वैदिक एवं पारंपरिक पूजा-विधि, जिसमें पूजा सामग्री से लेकर संकल्प, षोडशोपचार पूजन, प्रमुख मंत्र, कथा, आरती और क्षमा प्रार्थना तक सभी आवश्यक विधियां सम्मिलित हैं।

पूजा के लिए आवश्यक सामग्री

जल अथवा गंगाजल, कलश, नारियल, आम के पत्ते, अक्षत, रोली, कुमकुम, हल्दी, चंदन, पुष्प, बिल्वपत्र, धूप, दीप, कपूर, पंचामृत, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, फल, मिठाई, नैवेद्य, वस्त्र, यज्ञोपवीत, दक्षिणा और नागदेवता की प्रतिमा अथवा चित्र रखें।

कलश स्थापना से करें पूजा का शुभारंभ

कलश में जल, अक्षत, पुष्प और थोड़ा सा सिक्का डालें। कलश के ऊपर आम के पत्ते और नारियल रखें।

मंत्र

ॐ कलशस्य मुखे विष्णुः कण्ठे रुद्रः समाश्रितः।
मूले तत्र स्थितो ब्रह्मा मध्ये मातृगणाः स्मृताः।।

फिर निम्न मंत्र का उच्चारण करें:

ॐ गङ्गे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।
नर्मदे सिन्धु कावेरी जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।।

आचमन एवं गणेश पूजन

पूजा प्रारंभ करने से पूर्व आचमन करें:
ॐ केशवाय नमः।
ॐ नारायणाय नमः।
ॐ माधवाय नमः।
इसके पश्चात भगवान गणेश का पूजन करें।
मंत्र : ॐ गं गणपतये नमः।

इस मंत्र का 21 बार जाप करें और भगवान गणेश को पुष्प एवं अक्षत अर्पित करें।

संकल्प के साथ करें नागदेवता का पूजन

दाहिने हाथ में जल, अक्षत और पुष्प लेकर निम्न संकल्प करें:
ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः।

अद्य शुभदिने श्रावणमासे शुक्लपक्षे नागपञ्चम्यां शुभतिथौ, मम सकुटुम्बस्य सपरिवारस्य क्षेम-स्थैर्य-आरोग्य-ऐश्वर्य-सुख-शान्ति-सर्वाभीष्टसिद्ध्यर्थं, नागदेवताप्रीत्यर्थं, सर्पभयनिवारणार्थं, श्री नागराजस्य षोडशोपचारपूजनं करिष्ये।

इसके बाद अपना नाम, गोत्र और स्थान बोलें।

यह संकल्प पारंपरिक नाग पंचमी पूजा-पद्धति में प्रयुक्त संकल्प के अनुरूप है।

भगवान शिव का अभिषेक

सबसे पहले भगवान शिव का जल से अभिषेक करें। इसके पश्चात पंचामृत से अभिषेक करते हुए निम्न मंत्र का जाप करें- ॐ नमः शिवाय।

अभिषेक के बाद पुनः गंगाजल अथवा शुद्ध जल अर्पित करें। इसके पश्चात शिवलिंग पर चंदन और बिल्वपत्र अर्पित करें।

ॐ नमः शिवाय का 108 बार जाप करना विशेष फलदायी माना जाता है।

नागदेवता का आवाहन और ध्यान

नागदेवता की प्रतिमा अथवा चित्र के सामने पुष्प लेकर कहें - अस्मिन् नागप्रतिमे नागराजान् आवाहयामि, स्थापयामि, पूजयामि।

इसके पश्चात ध्यान करें:

अनन्तं वासुकिं शेषं पद्मकम्बलकौ तथा।
तथा कार्कोटकं नागं भुजङ्गाश्वतरौ तथा।।
धृतराष्ट्रं शङ्खपालं कालीयं तक्षकं तथा।
पिङ्गलं च महानागं सपत्नीकान् प्रपूजयेत्।।
ॐ नागराजेभ्यो नमः। ध्यानं समर्पयामि।

यह ध्यान मंत्र पारंपरिक नाग पंचमी पूजा-पद्धति में मिलता है।

बारह नागदेवताओं का विधिवत पूजन

प्रत्येक नाम के उच्चारण के साथ पुष्प अथवा अक्षत अर्पित करें: ॐ अनन्ताय नमः, ॐ वासुकये नमः, ॐ शेषाय नमः ॐ पद्माय नमः, ॐ कम्बलाय नमः, ॐ कर्कोटकाय नमः, ॐ अश्वतराय नमः, ॐ धृतराष्ट्राय नम, ॐ शङ्खपालाय नमः, ॐ कालियाय नमः, ॐ तक्षकाय नमः, ॐ पिङ्गलाय नमः।

इन 12 नागों का स्मरण नाग पंचमी पूजा में पारंपरिक रूप से किया जाता है।

षोडशोपचार से करें नागदेवता की पूजा

अब नागदेवता को क्रमशः षोडशोपचार अर्पित करें:
आसनम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः आसनं समर्पयामि।
पाद्यम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः पाद्यं समर्पयामि।
अर्घ्यम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः अर्घ्यं समर्पयामि।
आचमनम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः आचमनं समर्पयामि।
मधुपर्कम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः मधुपर्कं समर्पयामि।
पञ्चामृत स्नानम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि।
शुद्धोदक स्नानम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः स्नानं समर्पयामि।
वस्त्रम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः वस्त्रं समर्पयामि।
यज्ञोपवीतम्- ॐ नागराजेभ्यो नमः यज्ञोपवीतं समर्पयामि।
गन्धम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः गन्धं समर्पयामि।
अक्षतम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः अक्षतान् समर्पयामि।
पुष्पम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः पुष्पाणि समर्पयामि।
धूपम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः धूपमाघ्रापयामि।
दीपम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः दीपं दर्शयामि।
नैवेद्यम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः नैवेद्यं निवेदयामि।
ताम्बूलम् - ॐ नागराजेभ्यो नमः ताम्बूलं समर्पयामि।

यह क्रम पारंपरिक षोडशोपचार नाग पूजा में दिया गया है। प्रमुख नाग पंचमी मंत्र और नाग-स्मरण

मंत्र 1

सर्वे नागाः प्रीयन्तां मे ये केचित् पृथ्वीतले।
ये च हेलिमरीचिस्था येऽन्तरे दिवि संस्थिताः।।
ये नदीषु महानागा ये सरस्वतिगामिनः।
ये च वापीतडागेषु तेषु सर्वेषु वै नमः।।

इसका भाव है कि पृथ्वी, आकाश, जलाशयों, नदियों, कुओं और तालाबों आदि में स्थित सभी नागदेवताओं को हमारा नमस्कार और वंदन है।

मंत्र 2 : नव नाग स्मरण

अनन्तं वासुकिं शेषं पद्मनाभं च कम्बलम्।
शङ्खपालं धृतराष्ट्रं तक्षकं कालियं तथा।।
एतानि नव नामानि नागानां च महात्मनाम्।
सायङ्काले पठेन्नित्यं प्रातःकाले विशेषतः।। यह नाग पंचमी के प्रमुख नाग-स्मरण मंत्रों में से एक है।

नाग स्तोत्र का पाठ

ब्रह्म लोके च ये सर्पाः शेषनागाः पुरोगमाः।
नमोऽस्तु तेभ्यः सुप्रीताः प्रसन्नाः सन्तु मे सदा।।
नागेन्द्राय नमस्तुभ्यं सहस्रफणधारिणे।
अनन्ताय नमस्तुभ्यं वासुकये नमो नमः।।
इसके बाद: ॐ नागराजेभ्यो नमः।
इस मंत्र का 11 अथवा 108 बार जाप करें।

धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करने की विधि

धूप दिखाते हुए मंत्र बोलें:-
ॐ नागराजेभ्यो नमः धूपमाघ्रापयामि।

दीप दिखाते हुए कहें:

ॐ नागराजेभ्यो नमः दीपं दर्शयामि।

पारंपरिक नाग पूजा-पद्धति में धूप और दीप के लिए इसी प्रकार के मंत्रों का प्रयोग किया जाता है।

इसके बाद फल, मिठाई, खीर, गुड़, तिल आदि का नैवेद्य अर्पित किया जा सकता है।

मंत्र: ॐ नागराजेभ्यो नमः नैवेद्यं निवेदयामि।
इसके पश्चात जल अर्पित करें।

मंत्र पुष्पांजलि

दोनों हाथों में पुष्प लेकर निम्न मंत्र का उच्चारण करें:
नानाकुसुमसम्युक्तं पुष्पाञ्जलिमिमं प्रभो।
कश्यपानन्दजनक सर्पराज गृहाण मे।।
ॐ नागराजेभ्यो नमः मन्त्रपुष्पाञ्जलिं समर्पयामि।

प्रदक्षिणा और नमस्कार

नागदेवता की 3 अथवा 7 बार प्रदक्षिणा करें।
यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।
तानि तानि विनश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे।।

इसके पश्चात प्रणाम करें:

नमस्ते सर्वलोकेश नमस्ते लोकवन्दित।
नमस्तेऽस्तु सदा नाग त्राहि मां दुःखसागरात्।।

क्षमा प्रार्थना से करें पूजा का समापन

पूजा के दौरान जाने-अनजाने हुई किसी भी त्रुटि के लिए नागदेवता से क्षमा प्रार्थना करें:
अज्ञानात् ज्ञानतो वापि यन्मया पूजनं कृतम्।
न्यूनातिरिक्तं तत्सर्वं भो नागाः क्षन्तुमर्हथ।।
युष्मत्प्रसादात् सफला मम सन्तु मनोरथाः।
सर्वदा मत्कृते मास्तु भयं सर्पविषोद्भवम्।।
फिर कहें: ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

यह क्षमा-प्रार्थना पारंपरिक नाग पंचमी पूजा-पद्धति में दी गई है।

सोमवार होने पर करें विशेष शिव उपाय

यदि नाग पंचमी सोमवार को हो, तो नाग पूजा के पश्चात शिवलिंग पर 11 अथवा 21 बिल्वपत्र अर्पित करते हुए: ॐ नमः शिवाय
मंत्र का जाप करें।

इसके बाद नागदेवता को प्रणाम कर प्रार्थना करें:

हे भगवान शिव और नागदेवता! मेरे परिवार पर अपनी कृपा बनाए रखें। घर में सुख-शांति, आरोग्य, समृद्धि और मंगल प्रदान करें तथा सभी प्रकार के भय और संकट से रक्षा करें।

नाग पंचमी कथा का श्रवण भी है पुण्यदायी

पूजन के अंत में राजा जनमेजय, राजा परीक्षित, तक्षक नाग और आस्तीक मुनि की नाग पंचमी कथा पढ़ें अथवा किसी विद्वान पंडित से सुनें। नाग पंचमी की प्रचलित कथा में आस्तीक मुनि द्वारा नागों को जनमेजय के सर्पसत्र यज्ञ से बचाने का प्रसंग आता है।

कथा समाप्ति पर श्रद्धापूर्वक जयकारे लगाएं:

नागदेवता भगवान की जय।
आस्तीक मुनि महाराज की जय।
भगवान शिव शंकर की जय।

आरती के बाद करें पूर्ण समर्पण

कपूर अथवा दीप से नागदेवता की आरती करें और अंत में भगवान शिव की आरती करें।

नागदेवता की आरती:

ॐ जय नागदेवा, जय नागदेवा।
अनंत वासुकी प्रभु, जय नागदेवा।।

इसके पश्चात शिव आरती करें:

ॐ जय शिव ओंकारा, स्वामी जय शिव ओंकारा।
अंतिम संकल्प एवं समर्पण

पूजा के अंत में श्रद्धापूर्वक कहें:

अनया मया कृतया नागराजस्य षोडशोपचारपूजया नागराजाः सुप्रीताः सुप्रसन्नाः वरदाः भवन्तु।

फिर तीन बार उच्चारण करें:

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

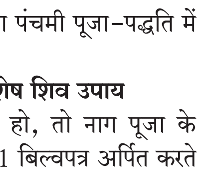

-पंडित गणेश जोशी जी महाराज, हैदराबाद
संपर्क सूत्र : 8465902900

गरुड पुराण के अनुसार बुरे कर्म करने वालों को नर्क में ये मिलती है सजा

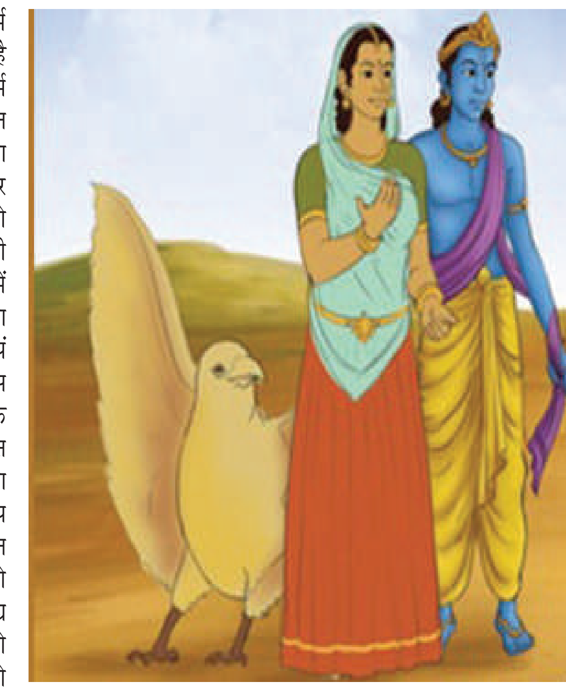

कहतें हैं आदमी जैसा कर्म करता है वैसा ही फल भोगता है इसलिए हर आदमी को अच्छे कर्म करने चाहिए क्योंकि जिस तरह जीवन सच है उसी तरह मौत का भी अपना सच है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार जीवन-मरण एक ऐसा चक्र है जो अनवरत चलता हैं द्य परिवार में किसी भी सदस्य की मृत्यु के बाद घर में गरुड पुराण सुनना अनिवार्य है द्य माना गया है इस पुराण की रचना स्वयं ब्रहमा जी ने की हैं। यह सुनना इस लिए अनिवार्य है क्योंकि ये मृत व्यक्ति की आत्मा को शांति और मोक्ष प्राप्ति का रास्ता हैं द्य ये मनुष्य के उचित या अनुचित कर्मों का ज्ञान कराकर मनुष्य को धर्म और नीति के अनुसार जीवन जीना सीखाता है। सभी जानते है जो जैसा करता है वो वैसा भरता है द्य चलिए जानते है किस बुरे काम को करने से मिलती है कौन सी सजा जो व्यक्ति दूसरों के धन,स्त्री या पुत्र का अपहरण करता है उसे तमिस्त्र नामक नरक में यातना भोगनी पडती है द्य माना गया है कि यमदूत उसे अनेक प्रकार के दंड देते हैं ।'गडा' घोडों को चलाये जाने वाले हथियार से कुचला जाता है द्य जो पुरष किसी के साथ विश्वासघात करता है उसे अन्धतामिसरा नामक नरक में यातना भोगनी पडती है द्य उसे नेत्र हीन कर दिया जाता है। अगर कोई व्यक्ति शादी के बाद अपने साथी को धोखा देता है उसे अचेत हालत में नरक कुंडल में डाल दिया जाता है। दूसरों की सम्पति हडपने वालों को जंगली जानवरों से प्रताडित किया जाता है। अपने स्वाद के लिए मासूम जीवों को खाने वाले मनुष्य को इस नरक में गर्म तेल की कढाई में डाला जाता है।

वेदों के बताएं मार्ग का साथ छोडकर पाखंड का साथ देने वाले लोगों को उल्टा लटका के कोडा से मारा जाता है और फिर तेज तलवार से उनके शरीर को छेदा जाता है द्य धर्म के अनुसार न चलने वाले व्यक्ति या फिर किसी व्यक्ति को हानि पहुँचाने वाले व्यक्ति को ईख के सामन कोल्हू की तरह पीसा जाता है द्य दूसरों को जानबुझ के दुःख पहुचाने वाले व्यक्ति को इस नरक में सर्प और अन्य विषेलें जानवरों द्वारा खून चूसवाया जाता है। जो व्यक्ति जबरन किसी महिला के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाता है उसे कोडे से पीट कर गर्म लोहे के खम्बों से आलिंगन कराया जाता है द्य धर्म का पालन ना करने वाले व्यक्ति को मांस, हड्डी, रक्त, चर्बी आदि अपवित्र वस्तुओं से भरी नदी में फेक दिया जाता है द्य मूक जीवों का शिकार करने वाले व्यक्तियों को तीखें बाणों से छेदा जाता है द्य जो व्यक्ति यज्ञ में जानवरों की बलि देता है उसे इस नरक में कोढ से पीटा जाता हैं द्य झूठी गवाही देने वाले व्यक्ति को पर्वत से पथरीली भूमि से फेका जाता है और फिर पत्थरों से झेदा जाता है द्य शराब पीने वाले व्यक्ति को गर्म लोहे की सलाखों से मुहँ को छेदा जाता है। जो व्यक्ति मासूम लोगों को सजा देते है उन्हें सूअर जैसे दाँतों वाले जानवर के मुहँ में डाल दिया जाता है द्य जीवों को पीडा पंहुचाकर आनंद लेने वाले व्यक्ति को शूल चुभाएं जाते है द्य माता-पिता को पीडा पहुचाने वाले व्यक्ति को गर्म तेल में तला जाता है।

शिव प्रतिमा होती है आठ तरह की

हिन्दू धर्म में मान्यता है की भगवान शिव इस संसार में आठ रूपों में समाए है जो है शर्व, भव, रुद्र, उग्र, भीम, पशुपति, ईशान और महादेव। इसी आधार पर धर्मग्रंथों में शिव जी की मूर्तियों को भी आठ प्रकार का बताया गया है । आईए भगवान शिव के इन आठ मूर्ति स्वरुप के बारे में थोडा विस्तार से जानते है।

1. शर्व :- पूरे जगत को धारण करने वाली पृथ्वीमयी मूर्ति के स्वामी शर्व है, इसलिए इसे शिव की शार्वी प्रतिमा भी कहते हैं। सांसारिक नजरिए से शर्व नाम का अर्थ और शुभ प्रभाव भक्तों के हर को कष्टों को हरने वाला बताया गया है।

2. भीम : - शिव की आकाशरूपी मूर्ति है, जो बुरे और तामसी गुणों का नाश कर जगत को राहत देने वाली मानी जाती है। इसके स्वामी भीम है। यह भैमी नाम से प्रसिद्ध है। भीम नाम का अर्थ भयंकर रूप वाले भी हैं, जो उनके भस्म से लिपटी देह, जटाजूटधारी, नागों के हार पहनने से लेकर बाघ की खाल धारण करने या आसन पर बैठने सहित कई तरह से उजागर होता है।

3. उग्र : - वायु रूप में शिव जगत को गति देते हैं और पालन-पोषण भी करते हैं। इसके स्वामी उग्र है, इसलिए यह मूर्ति औग्री के नाम से भी प्रसिद्ध है। उग्र नाम का मतलब बहुत ज्यादा उग्र रूप वाले होना बताया गया है। शिव के तांडव नृत्य में भी यह शक्ति स्वरूप उजागर होता है।

4. भव : - शिव की जल से युक्त मूर्ति पूरे जगत को प्राणशक्ति और जीवन देने वाली है। इसके स्वामी भव है, इसलिए इसे भावी भी कहते हैं। शास्त्रों में भी भव नाम का मतलब पूरे संसार के रूप में ही प्रकट होने वाले देवता बताया गया है।

5. पशुपति : - यह सभी आंखों में बसी होकर सभी आत्माओं की नियंत्रक है। यह पशु यानी दुर्जन

वृत्तियों का नाश और उनसे मुक्त करने वाली होती है। इसलिए इसे पशुपति भी कहा जाता है। पशुपति नाम का मतलब पशुओं के स्वामी बताया गया है, जो जगत के जीवों की रक्षा व पालन करते हैं।

6. रुद्र :- यह शिव की अत्यंत ओजस्वी मूर्ति है, जो पूरे जगत के अंदर-बाहर फैली समस्त ऊर्जा व गतिविधियों में स्थित है। इसके स्वामी रूद्र है। इसलिए यह रौद्री नाम से भी जानी जाती है। रुद्र नाम का अर्थ भयानक भी बताया गया है, जिसके जरिए शिव तामसी व दुष्ट प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखते हैं।

7. ईशान : - यह सूर्य रूप में आकाश में चलते हुए जगत को प्रकाशित करती है। शिव की यह दिव्य मूर्ति ईशान कहलाती है। ईशान रूप में शिव ज्ञान व विवेक देने वाले बताए गए हैं।

8. महादेव : - चन्द्र रूप में शिव की यह साक्षात मूर्ति मानी गई है। चन्द्र किरणों को अमृत के समान माना गया है। चन्द्र रूप में शिव की यह मूर्ति महादेव के रूप में प्रसिद्ध है। इस मूर्ति का रूप अन्य से व्यापक है। महादेव नाम का अर्थ देवों के देव होता है। यानी सारे देवताओं में सबसे विलक्षण स्वरूप व शक्तियों के स्वामी शिव ही हैं।

ताली कब और क्यों बजाते हैं

आमतौर पर भगवान की स्तुति करने वक्त ताली बजाने का प्रचलन है। सामान्यत: हम किसी भी मंदिर में आरती के समय सभी को ताली बजाते देखते हैं और हम खुद भी ताली बजाना शुरू कर देते हैं। ऐसे कई मौके होते हैं जहां ताली बजाई जाती है। किसी समारोह में, स्कूल में, घर में आदि स्थानों पर जब भी कोई खुशी और उत्साह वाली बात होती है हम उसका ताली बजाकर अभिवादन करते हैं लेकिन ताली बजाते क्यों हैं।

काफी पुराने समय से ही ताली बजाने का प्रचलन है। भगवान की स्तुति, भक्ति, आरती आदि धर्म-कर्म के समय ताली बजाई जाती है। ताली बजाना एक व्यायाम ही है, ताली बजाने से हमारे पूरे शरीर में खिंचाव होता है, शरीर की मांसपेशियां एक्टिव हो जाती है। जोर-जोर से ताली बजाने से कुछ ही देर में पसीना आना शुरू हो जाता है और पूरे शरीर में एक उत्तेजना पैदा हो जाती है। हमारी हथेलियों में शरीर के अन्य अंगों की नसों के बिंदू होते हैं, जिन्हें एक्यूप्रेशर पाइंट कहते हैं।

ताली बजाने से इन बिंदुओं पर दबाव पडता है और संबंधित अंगों में रक्त संचार बढता है। जिससे वे बेहतर काम करने लगते हैं। एक्यूप्रेशर पद्धति में ताली बजाना बहुत अधिक लाभदायक माना गया है। इन्हीं कारणों से ताली बजाना हमारे स्वास्थ्य के बहुत लाभदायक है। हिंदू धर्म में आरती के दौरान ताली बजाना(कर्तल ध्वनि) एक स्वाभाविक क्रिया मानी जाती है। मंदिर हो या कोई अन्य पूजा स्थल, जहां भी आरती संपन्न हो रही होती है वहां पर श्रद्धालु आदतन ताली अवश्य बजाते हैं। प्राय: किसी उत्सव, जन्मदिन या संत समागम के दौरान भी हर्षोल्लास के साथ कर्तल ध्वनि पैदा की जाती है। आमजन किसी के उत्साहवर्धन के लिए भी ताली का प्रयोग करते हैं।

केवल आरती के दौरान ही बजानी चाहिए ताली सनातन धर्म की मान्यता के अनुसार केवल आरती के मध्य ही कर्तल ध्वनि उत्पन्न करना उपयुक्त पद्धति है। ऐसे श्रद्धालु जो अभी ध्यान की आरंभिक अवस्था में हैं, वह ताली को एक निश्चित क्रम में सहज भाव से बजाएं ताकि कर्ण प्रिय ध्वनि उत्पन्न हो तथा आरती के साथ उसका बेहतर संयोजन हो सके। किंतु ध्यान की उच्चतर अवस्था में अवस्थित श्रद्धालु ताली के स्थान पर सामने की ओर देखते हुए नेत्रों की अर्धनिमीलित स्थिति में आत्मनिमग्न हों तो ज्यादा अच्छा माना जाता है।

यह व्रत कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा एकादशी कहते हैं। कामदा एकादशी भगवान श्री विष्णु का उत्तम व्रत कहा गया है। धर्म ग्रंथों के अनुसार कामदा एकादशी व्रत के पुण्य से जीवात्मा को पाप से मुक्ति मिलती है। यह एकादशी कष्टों का निवारण करने वाली और मनोवांछित फल देने वाली होने के कारण फलदा और कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है।

इस एकादशी की कथा व महत्व भगवान श्रीकृष्ण ने पाण्डु पुत्र धर्मराज युधिष्ठिर को बताया था। इससे पूर्व राजा दिलीप को यह महत्व वशिष्ठ मुनि ने बताया था। कामदा एकादशी का व्रत इस प्रकार करना चाहिए-

व्रत विधि: कामदा एकादशी के दिन स्नान आादि से पवित्र होने के पश्चात संकल्प करके भगवान श्री विष्णु के विग्रह का पूजन करें। भगवान विष्णु को फूल, फल, तिल, दूध, पंचामृत आदि पदार्थ अर्पित करें। आठों प्रहर निर्जल (बिना पानी पिए) रहकर विष्णु जी के नाम का स्मरण एवं कीर्तन करें। एकादशी व्रत में ब्राहमण भोजन एवं दक्षिणा का बडा ही महत्व है अत: द्वादशी के दिन ब्राहमण को भोजन करवाकर दक्षिणा सहित विदा करने के पश्चात ही भोजन ग्रहण करें। इस प्रकार जो चैत्र शुक्ल पक्ष में कामदा एकादशी का व्रत रखता है उसकी सभी मनोकामना पूर्ण होती है।

सिगरेट से हुक्का ज्यादा खतरनाक...

इन दिनों हर छोटे बड़े शहरों और मॉल्स में हुक्का बार या शीशा लाउंज पॉपुलर होते नजर आ रहे हैं। युवा हुक्के का एक कश नहीं बल्कि हजार कश लेते हुए दिखते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि हुक्का पीना सिगरेट पीने के मुकाबले बिल्कुल भी हानिकारक नहीं होता।

लेकिन हुक्के से खींचा गया तंबाकू का धुआं पानी से होता हुआ एक लंबे होज पाइप के जरिए फेफड़ों तक पहुंचता है। पानी के बरतन से होते हुए आने के कारण ही यह एक आम भ्रांति है कि हुक्के का धुआं हानिकारक नहीं होता। सच यह है कि हुक्के से निकलने वाला धुआं सिगरेट या बीड़ी के धुएं से अधिक घातक होता है। हुक्का पीना सिगरेट की ही तरह हानिकारक है क्योंकि दोनों उत्पाद के अंत में कार्सिनोजन लगा रहता है जो कि एक कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है।

हुक्के का स्वाद बदलने के लिए केवल उसमें फ्रूट सीरप मिलाया जाता है जिससे उसके फ्लेवर में बदलाव आ जाता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हुक्के में किसी भी प्रकार का फल मिलाया गया हो। इसलिए यह आशा न करें कि हुक्के को पी कर आपको विटामिन मिलेगा।

शिशु को कैसे दिलवाएं डकार

शिशु के जब बोतल से दूध पीता है तो उस दौरान हवा भी अन्दर पेट में चली जाती है। दूध की बोतल से शिशु के पेट में गई ये हवा उसे गैसी और चिड़चिड़ा बना देती है। उसके शरीर में अत्याधिक गैस और असुविधा से राहत देने के लिए डकार दिलवाने के लिए उनको आपकी सहायता की आवश्यकता है। डकार दिलवाने का सही तरीका क्या है और, ऐसा कब होता है जब शिशु को दूध पीने के बाद भी डकार नहीं आती।

उच्च रक्तचाप वाले डाइट में करें ये परिवर्तन

रक्तचाप की समस्या सबसे बेकार बीमारी है। स्वास्थ्य एक्सपर्ट का कहना है कि दुर्भाग्यवश ऐसे लोगों की संख्या देश विदेश में बढ़ रही है जिन्हें उच्च रक्तचाप है। और इसे नियंत्रण में लाने का सबसे आसान तरीका है नियमित खान पान जो कारगर हो। उच्च रक्तचाप में दिल जिस वेग से खून छोड़ता है वह बड़ जाता है। अगर समय पर इसका उपाय न किया गया तो इससे कई और बीमारियां जैसे किडनी की समस्या, धमनी की समस्या और दिल का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों के लिए यह जेनेटिक हो सकता है। पर ज्यादातर समय यह अधिक बैठे रहने वाली जीवन शैली, तनाव और एक्सरसाइज की कमी से शुरू होती है। आपको अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से कई सुझाव मिल जाएंगे कि उच्च रक्तचाप के लिए क्या अच्छा होता है और क्या बुरा। इससे आप और कंफ्यूज हो सकते हैं और कई बार आप गलत खाना खाकर रह जाते हैं। तो उच्च रक्तचाप के लिए सही डाइट क्या होनी चाहिए? अपनी जीवन शैली में बदलाव लाने और डाइट में बदलाव कर आप उच्च रक्तचाप से निजात पा सकते हैं। यहां पर आठ डाइट प्लान बताए गए हैं।

1. **खाने में नमक की मात्रा कम कर दें-** उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक नुकसान कर सकता है। ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी रहता है जिससे उच्च रक्तचाप हो जाता है। इसलिए ज्यादा नमक वाला खाना जैसे केचप और डिब्बाबंद पेय पदार्थ और खाने से बचना चाहिए।
2. **प्रोसेस्ड फूड न लें-** प्रोसेस्ड फूड जैसे ब्रेड, प्रोसेस्ड मीट और पैक किए हुए खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह ब्लड प्रेशर के स्तर को बढ़ाता है।
3. **तेल कम खाएं-** जितना हो सके कम तेल का इस्तेमाल करें। तेल में फैट ज्यादा होते हैं जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है जिससे ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है।
4. **अल्कोहल से बचें-** शराब में खाली कैलोरीज होते हैं। ज्यादा पीने से ना सिर्फ वजन पर ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है। इससे रक्त धमनियां संकुचित भी हो जाती हैं।
5. **कॉफी कम पीएं-** कॉफी में कैफीन होता है जो ब्लड प्रेशर के स्तर को तुरंत बढ़ा देता है। इसलिए रोज कॉफी नहीं पीनी चाहिए। हालांकि, कभी कभार आप कॉफी पी सकते हैं।

6. **धूम्रपान न करें-** सिगरेट में निकोटीन होता है जो बुरा होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और धमनियां संकुचित होती हैं। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए धूम्रपान से बचना जरूरी है।
7. **पशु उत्पाद लेना बंद कर दें-** पशु उत्पाद जैसे मीट, प्रोसेस्ड मीट, अंडा और बटर में फैट होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल तो बढ़ता ही है, साथ ही साथ रक्तचाप भी बढ़ जाता है।
8. **खाने में साबुत ग्रेन को शामिल करें-** साबुत ग्रेन में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल और फैट पिघल जाता है और धमनियों में जमा नहीं होता। इससे खून आराम से धमनियों में बहता है और रक्तचाप भी काबू में रहता है।

सिर्फ पुरुष ही क्यों होते हैं

गंजेपन के शिकार

आए दिन मेट्रो, बस और अपने ऑफिस में आपको कोई ना कोई पचास साल से ऊपर गंजा इंसान दिख ही जाता होगा। क्या आपने कभी नोटिस किया है कि केवल आपको गंजे पुरुष ही दिखने को मिलते हैं। गंजी महिलाएं आपने शायद ही देखी हो, और जो देखी भी होगी वे किसी न किसी बीमारी के कारण हुई होंगी।

क्या आपने कभी सोचा है कि केवल पुरुष ही क्यों गंजेपन का शिकार होते हैं? तो इसका जवाब इस लेख में जानिए। पुरुषों की तरह महिलाओं के भी बाल झड़ते हैं। जबकि महिलाएं शायद ही कभी गंजेपन की शिकार होती हैं। दुनिया में केवल इंसान ही जिनके बाल आते हैं और केवल इंसान ही है जो गंजेपन का शिकार होता है। इंसानों में भी केवल पुरुष ही है जो गंजा होता है। कई बार माना जाता है कि बाल तनाव के कारण झड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या महिलाओं में तनाव नहीं होता?

वहीं कई बार पोषण की कमी भी बालों का झड़ना माना जाता है। अगर ऐसा है तो महिलाएं ज्यादा कुपोषित होती है और अच्छी से अच्छी खाते-पीती घर की महिलाओं में हीग्लोबिन की कमी होती है। ऐसे में तो फिर महिलाओं के बाल ज्यादा झड़ने चाहिए। लेकिन नहीं, बाल केवल पुरुषों के झड़ते हैं और वे ही गंजे होते हैं।

टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन जिम्मेदार

शरीर पर बाल हार्मोनल बदलावों के कारण उगते हैं और वे झड़ते भी हार्मोंस में बदलाव के कारण ही हैं। ऐसे में बालों का आना और जाना मनोविज्ञान या रसायनविज्ञान की जगह जीवविज्ञान का विषय है। गंजेपन पर रिसर्च कर रहे नॉर्वे की बर्गेन यूनिवर्सिटी के जीव वैज्ञानिकों ने इसके लिए टेस्टोस्टेरॉन नाम के यौन हॉर्मोन को जिम्मेदार ठहराया है। यह पुरुषों में स्रावित होने वाले एंड्रोजन समूह का स्टेरॉयड हार्मोन है जिसके कारण पुरुषों में बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। दरअसल इंसान के शरीर में कुछ एंजाइम ऐसे होते हैं जो टेस्टोस्टेरॉन को डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरॉन में बदल देते हैं। यही डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरॉन के कारण बाल पतले और कमजोर हो जाते हैं। सामान्यतौर पर हार्मोंस में यह बदलाव करने वाले एंजाइम एक इंसान में उसे उसके जींस से प्राप्त हुए होते हैं। इसी कारण गंजेपन को आनुवांशिक भी माना जाता है।

फिर महिलाएं क्यों नहीं होती गंजी

ऐसे में सवाल वही रह जाता है कि महिलाएं क्यों नहीं पूरी तरह से गंजी होतीं? इसका जवाब टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन में ही छुपा है। दरअसल ये एक मेल हार्मोन है जो पुरुषों में ही पाया जाता है। ये पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नाम मात्र के लिए स्रावित होता है। और जब ये महिलाओं में अधिक स्रावित होता है तो महिलाओं में अनचाहे बालों की अधिक मात्रा में आने की समस्या पैदा होती है। इसलिए महिलाओं में टेस्टोस्टेरॉन नाममात्र के लिए स्रावित होते हैं और इसके साथ एस्ट्रोजन नाम के हार्मोन का भी स्राव होता है। जिस कारण महिलाओं के शरीर में टेस्टोस्टेरॉन के डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन बदलने की प्रक्रिया कम होती है। जिस कारण महिलाओं में बाल कम झड़ते हैं। और जब यही प्रक्रिया कभी गर्भावस्था या मेनोपॉज़ में बढ़ जाती है तो बाल झड़ने की समस्या उत्पन्न होती है। इसलिए अक्सर महिलाओं को गर्भावस्था और मेनोपॉज में बाल झड़ने की समस्या होती है।

प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का इस्तेमाल बेहतर

अक्सर लोग प्रदूषण और डस्ट से बचने के लिए मुंह पर स्कार्फ या रूमाल बांधते हैं। इसके पीछे हमारा उद्देश्य धुएं, धूल मिट्टी आदि को अंदर जाने से रोकना होता है। इस सब के बाद हम यह मान बैठते हैं कि प्रदूषण हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता लेकिन यह हमारी गलतफहमी होती है। वैज्ञानिकों के अध्ययन मुताबिक इस तरह के कपड़े कुछ हद तक ही प्रदूषण से बचाव करते हैं, जबकि इनकी तुलना में बाजार में मिलने वाले मास्क कहीं बेहतर होते हैं। शोधकर्ता रिचर्ड पेल्टियर के अनुसार प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क पहनने वाले लोग अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन चिंता इस बात की है कि यदि वे किसी डीजल ट्रक के सामने खड़े हो जाएं तो क्या वे सुरक्षित हैं।

शोधकर्ताओं के दल ने नेपाल में चार प्रकार के मास्क का परीक्षण किया जिनमें कपड़े से निर्मित मास्क का प्रदर्शन बेहतर रहा और यह 80-90 फीसदी कृत्रिम कणों तथा डीजल गाड़ियों से निकलने वाले लगभग 57 फीसदी हानिकारक कणों को दूर रखने में सक्षम रहा। वहीं, मास्क के रूप में इस्तेमाल में लाया गया रुमाल या स्कार्फ 2.5 माइक्रो मीटर से कम आकार के कणों से बचाने में बेहद सीमित तौर पर लाभकारी साबित हुआ, जो बड़े कणों की तुलना में अधिक हानिकारक है, क्योंकि वे फेफड़े की गहराई तक पहुंच जाते हैं। अध्ययन यह दर्शाता है कि लोगों को यह पता होना चाहिए कि रुमाल या स्कार्फ बेहद सीमित रूप से उनका बचाव करते हैं। लेकिन बात तो यही है कि कुछ नहीं से अच्छा कुछ तो है।

भूल कर भी न मारें बच्चों के सिर पर थप्पड़

बच्चों के शरारत करने पर अक्सर माता पिता सिर पर थप्पड़ मार देते हैं। लेकिन क्या आपने सोचा है कि वह थप्पड़ आपके बच्चे पर कितना भारी पड़ सकता है। जानिए कैसे एक थप्पड़ आपके बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर माता-पिता गुस्से में बच्चे सिर पर थप्पड़ लगा देते हैं। लेकिन एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि वह एक थप्पड़ आपके बच्चे के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। बच्चों के सिर के पीछे थप्पड़ मारने से उनमें मानसिक समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। यही नहीं संज्ञानात्मक क्षमताओं (कॉग्नेटिव एबिलिटी) भी कम होती है। 50 साल के लंबे शोध से पता चला है कि बच्चे के सिर पर थप्पड़ मारने से उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। इस दौरान उन्होंने करीब 1,60,000 बच्चों के जीवन का आंकलन किया। माता-पिता अक्सर ये सोचते हैं कि थप्पड़ मारने से उनके बच्चे सुधर जाएंगे, ये धारणा बिल्कुल गलत है क्योंकि इस तरह का व्यवहार बच्चों को लंबे समय तक नहीं सुधार सकता है।

जिन्हें अपनों ने ठुकराया, रवि बापटले ने उन्हें दिया 'हैप्पी इंडियन व्हिलेज' का सम्मान

एचआईवी से प्रभावित लोगों के लिए लातूर के पास बसाया सम्मान और उम्मीद का अनूठा संसार

महाराष्ट्र के लातूर के पास एक बहुत ही खूबसूरत गांव हैहैप्पी इंडियन व्हिलेज। यह देश के दूसरे गांवों की तरह कोई आम गांव नहीं है, बल्कि एक ऐसा स्थान है, जहां सिर्फ और सिर्फ एचआईवी संक्रमित और प्रभावित लोग रहते हैं। ये वे लोग हैं, जिन्हें कई बार उनके अपने लोगों ने ही दुत्कार दिया, लेकिन रवि बापटले जी के लिए यही लोग आज उनकी पूरी दुनिया बन चुके हैं।

जहां एचआईवी से प्रभावित लोगों को समाज के कुछ लोग आज भी अछूतों की तरह देखते हैं, वहीं रवि बापटले ने उन्हें सम्मानजनक जीवन देने के उद्देश्य से इस स्थान को 'हैप्पी इंडियन व्हिलेज' का नाम दिया है। यहां रहने वाले लोगों को केवल आश्रय ही नहीं, बल्कि प्यार, सम्मान, शिक्षा और एक बेहतर भविष्य की उम्मीद भी मिलती है।

एक बच्चे की पीड़ा ने बदल दी जीवन की दिशा

लातूर के पास उदगीर तालुका के धोंडिहिप्परगा गांव में जन्मे रवि बापटले की यह यात्रा भी उतनी ही चुनौतीपूर्ण रही है, जितना किसी एचआईवी पीड़ित व्यक्ति का जीवन। वर्ष 2006 में उन्होंने अपने ही गांव में एक एचआईवी पीड़ित बच्चे को अंतिम समय में उचित संस्कार भी न मिलते हुए देखा। उस घटना ने उनके मन को झकझोर दिया और तभी उन्होंने समाज से दुत्कारे गए इन लोगों के लिए कुछ करने की ठान ली।

उस समय पेशे से एक मराठी अखबार के पत्रकार और प्रोफेसर रहे रवि ने इस कार्य के लिए न केवल अपनी नौकरी छोड़ी, बल्कि अपने माता-पिता को यह भी बता दिया कि वह शादी नहीं करेंगे, ताकि अपना पूरा जीवन इन पीड़ितों की सेवा के लिए समर्पित कर सकें। उनके कार्य के बारे में जानकर उनके एक मित्र के रिश्तेदार ने उन्हें लातूर से लगभग 15 किलोमीटर दूर छह एकड़ जमीन दान में दी।

झोपड़ियां तोड़ी गईं, बिजली-पानी देने से भी किया गया इनकार

लेकिन चुनौतियां अभी शुरू ही हुई थीं। गांव वालों ने रवि बापटले को समाज से बहिष्कृत कर दिया। दूसरी ओर उनके पास पर्याप्त धन भी नहीं था, इसलिए उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में जाकर लोगों से आर्थिक सहयोग मांगना शुरू किया।

वर्ष 2007 में जब उन्होंने दान में प्राप्त जमीन पर झोपड़ियां बनाने का कार्य शुरू किया, तो कुछ लोगों ने उनकी झोपड़ियां तोड़ दीं। गांव के सरपंच ने बिजली और पानी का कनेक्शन देने से भी मना कर दिया। लोगों को उनके इस कार्य से इस हद तक आपत्ति थी कि कुछ लोगों ने उनके विरोध में आंदोलन तक किया।

एक के बाद एक बाधाओं के बावजूद रवि बापटले ने हार नहीं मानी और अपने मिशन को लगातार जारी रखा। शुरुआत में उनके पास चार-पांच बच्चे थे, जिन्हें सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाने में उन्हें बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। आखिरकार रवि ने कहा कि यदि उनके बच्चों की वजह से स्कूल के किसी बच्चे को कुछ भी होता है, तो उन्हें सरेआम फांसी पर लटका दिया जाए। ऐसे विकट समय में उनके बड़े भाई और कुछ मित्रों ने उन्हें विशेष सहयोग दिया।

संघर्ष से सफलता तक, बच्चों को मिला शिक्षा और सम्मान का अधिकार

आखिरकार उनके प्रयासों को बल मिला और आज सभी बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इनमें से कुछ बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर अच्छी नौकरियां भी करने लगे हैं।

आज इस सेवालय हैप्पी इंडियन व्हिलेज में लगभग 110 लोग रह रहे हैं और अब तक लगभग 300 लोग यहां से निकलकर अपना जीवन आगे बढ़ा चुके हैं। इनमें 35 लड़कियों की शादी भी रवि बापटले ने कराई है।

रवि बताते हैं कि जिन लड़कियों की शादियां हुई हैं, उन्हें गर्भावस्था के दौरान उचित उपचार दिए जाने के कारण उनके बच्चे एचआईवी से मुक्त हैं और संक्रमण का कोई खतरा नहीं है। इतना ही नहीं, यहां से विवाह के बाद गई कई महिलाएं प्रसव के लिए अपने एकमात्र हैप्पी इंडियन व्हिलेज में ही आना पसंद करती हैं।

सेवा कार्यों की गूंज पहुंची देशभर तक

आज इस सेवालय के सेवा कार्यों की गूंज हर जगह सुनाई देती है। मराठी कौन बनेगा करोड़पति से लेकर हिंदी कौन बनेगा करोड़पति तक रवि बापटले को आमंत्रित किया गया है और उन्हें सहायता राशि भी प्रदान की गई है।

भजन गायिका एवं पद्मश्री सम्मान से सम्मानित अनुराधा पौडवाल ने भी यहां दस कमरे बनवाए हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल रह चुके भगतसिंह कोश्यारी जी ने इन बच्चों की सहायता के लिए दस लाख रुपये की सहायता राशि दी है।

बस एक ही कोशिशइन बच्चों को भी मिले प्यार और सम्मान

रवि बापटले की कोशिश केवल इतनी है कि आज के इस आधुनिक युग में इन बच्चों को भी वही प्यार, सम्मान और अपनापन मिले, जिसके वे हकदार हैं, क्योंकि इसमें इन बच्चों का कोई दोष नहीं है।हालांकि रवि बापटले सेना में जाकर देश सेवा तो नहीं कर सके, लेकिन समाज में अवांछित मान लिए गए इस वर्ग को अपनाने और उन्हें सम्मानजनक जीवन देने के लिए वे पूरी तरह समर्पित हैं। उनका जीवन संदेश देता है कि सच्ची सेवा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि उन लोगों का हाथ थामने से होती है, जिन्हें दुनिया ने अकेला छोड़ दिया हो।

-स्वाती जैन, हैदराबाद

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

संपादकीय

लालच का जानलेवा खेल

पंजाब स्थित नवांशहर के एक गांव में ऑनलाइन गेमिंग में बड़ी रकम हारने के सदमे में एक युवक व दो किशोरों का जहर खा लेना विचलित करने वाली घटना है। बाद में युवक व एक किशोर की मौत हो गई। निस्संदेह, ऑनलाइन गेम के लालच में किशोर-युवा विवेक खो देते हैं। लत लगाने वाले ये जहरीले खेल सुनहरे सपने तो दिखाते हैं, लेकिन हकीकत बेहद खुरदरी है। कहना कठिन है कि ऑनलाइन खेलों को कितने पारदर्शी तरीके व ईमानदारी के साथ संचालित किया जाता है। बहुत संभव है कि ये गेम भी ऑनलाइन फ्रॉड संस्कृति का ही हिस्सा हों, जो संचालकों के मुनाफे के लिये ही संचालित होते हों। बहरहाल, किशोर व युवक द्वारा मोटी रकम हारने के बाद खुदकशी करना परिवार, समाज व देश की बड़ी क्षति है। आखिर 21 साल व पंद्रह साल की उम्र कितनी होती है? पूरा जीवन सामने होता है। जीवन चंद रुपये हारने से ज्यादा कीमती होता है। छोटी हार के बाद बड़ी जीत की संभावनाएं बनी रहती हैं। विडंबना ही है कि हम हादसों में मरने वालों की संख्या को महज एक आंकड़े की तरह देखते हैं। लेकिन इस आत्मघात से इन परिवारों जो चोट पहुंची होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। एक बच्चे को जन्म देने से लेकर पालने-पोसने तक माता-पिता पूरा जीवन लगा देते हैं। उनसे बड़ी उम्मीदें होती हैं। मगर जब बच्चे आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं तो परिवार पूरी तरह टूट जाता है। बच्चा तो आत्महत्या कर लेता है, लेकिन परिवार को रोज तिल-तिल कर मरने को छोड़ देता है। दरअसल, आज मोबाइल दुधारी तलवार जैसे हो गए हैं। सूचना-संवाद तो देते हैं, साथ ही तमाम आघातों की आशंकाएं भी रहती हैं। जो मोबाइल बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई और संवाद के लिये दिये जाते हैं, उसका दुरुपयोग बच्चे ऑनलाइन गेमिंग व वर्जित सामग्री देखने के लिये करने लगे हैं। पुरानी पीढ़ी बेबस है कि वे बच्चों की निगरानी कैसे करें? वे पढ़ रहे हैं या गेम खेल रहे हैं? दरअसल, देश-दुनिया में नई पीढ़ी के जीवन में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। नित नई तकनीक हमारे दरवाजों पर दस्तक दे रही है, लेकिन हम उसके नकारात्मक दुष्प्रभावों से बच नहीं पा रहे हैं। उपभोक्तावादी संस्कृति समाज में इतनी गहरे तक घर कर गई है कि हर कोई रातों-रात अमीर बनने के सपने देखने लगा है। सोच है कि जैसे-तैसे पैसा कमाकर अमीर बन जाए। नवांशहर की घटना में पंद्रह साल के किशोर को आखिर क्यों ऑनलाइन गेमिंग में कमाई करने की ललक पैदा हुई? गेम खेलना बुरी बात नहीं है लेकिन उसका लत बनना घातक है। ये किशोर के खेलने-खाने की उम्र थी, लेकिन मैदान के खेल। लेकिन लालच के गेम में उलझकर आखिर वह क्या पाना चाह रहा था? जाहिर है पंद्रह साल के बच्चे की पढ़ाई-लिखाई से लेकर अन्य खर्चे तक मां-बाप ही उठाते हैं। आशंका हो सकती है कि किशोर परिवार के किसी व्यक्ति के खाते से रकम निकालकर ऑनलाइन गेमिंग में हार गए हों। फिर परिवार की सख्त प्रतिक्रिया के भय से ही उन्होंने आत्महत्या करने का दुखद फैसला लिया हो। बहरहाल, तकनीक के जरिये तेजी से बदलती दुनिया में बच्चों का सामंजस्य स्थापित करना अभिभावकों के लिये बड़ी चुनौती बनी हुई है। पुरानी पीढ़ी के मां-बाप बच्चों की खुशी के लिये उन्हें मोबाइल व इंटरनेट की सुविधा तो उपलब्ध करा देते हैं, मगर इसके घातक प्रभावों की वे भी कल्पना नहीं कर पाते। कोई मां-बाप नहीं चाहता कि उनका बच्चा बुरी आदत का शिकार बने, लेकिन यार-दोस्तों की संगत में रहकर वे अकसर भटक जाते हैं। इस घटना में 21 साल के युवक के साथ पंद्रह साला दो बच्चों का भी जहर खाना कई सवालों को जन्म दे जाता है। आखिर क्या युवक के साथ किशोर भी ऑनलाइन गेमिंग की लत के शिकार थे? क्या उन्होंने अपने घर से पैसे लाकर युवक को ऑनलाइन गेमिंग में बाजी लगाने को दिए? फिर गेम हारने पर पैसा गंवाने के भय से उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया? बहरहाल, केंद्र व राज्य सरकारों को पैसे वाली ऑनलाइन गेमिंग के नियमन के लिये गंभीर पहल करनी चाहिए। ताकि फिर किसी परिवार के फूल न मुर्झाएं।

ऑनलाइन गेमिंग में बड़ी रकम हारने के सदमे में एक युवक व दो किशोरों का जहर खा लेना विचलित करने वाली घटना है। बाद में युवक व एक किशोर की मौत हो गई। निस्संदेह, ऑनलाइन गेम के लालच में किशोर-युवा विवेक खो देते हैं। लत लगाने वाले ये जहरीले खेल सुनहरे सपने तो दिखाते हैं, लेकिन हकीकत बेहद खुरदरी है। कहना कठिन है कि ऑनलाइन खेलों को कितने पारदर्शी तरीके व ईमानदारी के साथ संचालित किया जाता है। बहुत संभव है कि ये गेम भी ऑनलाइन फ्रॉड संस्कृति का ही हिस्सा हों, जो संचालकों के मुनाफे के लिये ही संचालित होते हों। बहरहाल, किशोर व युवक द्वारा मोटी रकम हारने के बाद खुदकशी करना परिवार, समाज व देश की बड़ी क्षति है। आखिर 21 साल व पंद्रह साल की उम्र कितनी होती है? पूरा जीवन सामने होता है। जीवन चंद रुपये हारने से ज्यादा कीमती होता है। छोटी हार के बाद बड़ी जीत की संभावनाएं बनी रहती हैं। विडंबना ही है कि हम हादसों में मरने वालों की संख्या को महज एक आंकड़े की तरह देखते हैं। लेकिन इस आत्मघात से इन परिवारों जो चोट पहुंची होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है।

गुजरात के मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की वजह से छात्र ने की आत्महत्या

शिक्षा संस्थानों में नूतन छात्रों का उत्पीड़न

गुजरात में सूरज के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय में नवागंतुक छात्र का वरिश्ठ छात्रों द्वारा किया उत्पीड़न इतना भयावह साबित हुआ कि पहले वर्श के हर्श पांड्या नामक छात्र ने मौत को गले लगा लिया। हर्श के साथ चार वरिश्ठों द्वारा इतनी बेलगाम और बेरहम रैगिंग की गई वह इसे बर्दास्त नहीं कर पाया। मामले के तूल पकड़ने के बाद कॉलेज प्रषासन ने आरोपी रेजिडेंट डॉक्टरों को छह माह के लिए निलंबित करने के साथ छात्रावास खाली करने का आदेष भी दे दिया। इनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के बाद प्राध्यापकों को भी समय रहते कदम नहीं उठाने के लिए नोटिस जारी किए गए है। साफ है कि जिम्मेबार घटना को टालते रहे, नतीजतन पीड़ति छात्र की वेदना इतनी बढ़ गई कि उसे आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा। यदि पीड़ा के दौरान समय पर प्रषासन संवेदना जताता तो यह घटना षायद टल जाती ? रैगिंग को लेकर शिक्षा संस्थानों में संवैधानिक प्रावधानों की कोई कमी नहीं है, लेकिन न तो उनका समय पर असरकारी पालन होता है और न ही जवाबदेहों के विरुद्ध कोई कठोर कार्यवाही ? इसी का नतीजा है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग का त्रासद चलन प्रतिबंध के बावजूद व्यापक रूप में उपस्थित है। शीर्ष न्यायालय के कठोर दिषा-निर्देषों के बावजूद इस दिशा में ऐसी कानूनी पहल नहीं हुई कि इस अव्याहारिक क्रूरता पर पूर्ण विराम लग जाए। संस्थानों में आज तक ऐसा प्रबंधन देखने में नहीं आ रहा है कि छात्र और छात्राएं निर्भय और निसंकोच संस्थान की देहरी पर कदम रख पाएं ? उन्हें पहले पाठ के रूप में वरिष्ठ छात्र अपने श्रेष्ठता बोध को थोपते हुए अपमान बोध कराने से नहीं चूकते हैं ? यहां तक कि यदि छात्र आरक्षित कोटे से कम अंक पाकर चयनित हुआ है तो उसे जातीय और आरक्षण की मिली वैधानिक सुविधा के बहाने भी प्रताड़ना का दंष झेलना पड़ता है। बढ़ती षिकायतें और छात्र आत्महात्याओं से भी यह सत्यापित होता है कि अधिकारी षिकायत मिलने पर पहले तो मामले को दबाने की कोषिष करते हैं और मामला तूल पकड़ता है तो एंटी रैगिंग समिति से अपने फेबर में लिखित प्रमाण ले लिए जाते हैं। पीड़ति को हेल्पलाइन से दी जाने वाली सलाहें भी बेनतीजा साबित हो रही हैं। गोया, जो चिकित्सा छात्र भविश्य में दूसरों का जीवन बचाने की शिक्षा ले रहें होते हैं, वे खुद रैगिंग का षिकार होकर अपना दम तोड़ रहे हैं, तो कई छात्र बीच में पढ़ाई भी छोड़ जाते हैं। संसद में पूछे गए एक प्रष्न के उत्तर में तब के केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाश सरकार ने लिखित उत्तर में कहा था कि 2019 से लेकर 2023 तक 32,000 छात्र उच्च षिक्षण संस्थानों में ड्रोप आउट हुए हैं। वहीं इन्हीं पांच वर्शों में इन संस्थानों में पढ़ने वाले 98 छात्रों ने आत्महत्याएं की हैं। इनमें देषभर के केंद्रीय विष्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान और राश्ट्रीय प्रौद्योगिकी जैसे उच्च कोटि के शिक्षा संस्थान षामिल हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए इन खौफनाक

चिकित्सा महाविद्यालय में नवागंतुक छात्र का वरिश्ठ छात्रों द्वारा किया उत्पीड़न इतना भयावह साबित हुआ कि पहले वर्श के हर्श पांड्या नामक छात्र ने मौत को गले लगा लिया। हर्श के साथ चार वरिश्ठों द्वारा इतनी बेलगाम और बेरहम रैगिंग की गई वह इसे बर्दास्त नहीं कर पाया। मामले के तूल पकड़ने के बाद कॉलेज प्रषासन ने आरोपी रेजिडेंट डॉक्टरों को छह माह के लिए निलंबित करने के साथ छात्रावास खाली करने का आदेष भी दे दिया। इनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के बाद प्राध्यापकों को भी समय रहते कदम नहीं उठाने के लिए नोटिस जारी किए गए है। साफ है कि जिम्मेबार घटना को टालते रहे, नतीजतन पीड़ति छात्र की वेदना इतनी बढ़ गई कि उसे आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा।

आंकड़ों से पता चलता है कि शिक्षा संस्थान विद्यार्थियों में उम्मीदों की उड़ान पैदा करने की बजाय निराषा और अवसाद का भी माहौल रच रहे हैं। नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उत्साहजनक असर इन संस्थानों में पड़ा हो, ऐसा एकाएक कहना मुष्किल है ? कुछ साल पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद के छात्र रोहित वेमुला और फिर तमिलनाडु के प्राकृतिक शिक्षा एवं योग महाविद्यालय की तीन छात्राओं द्वारा एक साथ आत्महत्या किए जाने के मामले सामने आए थे। कोटा और इंदौर से कोचिंग ले रहे छात्रों की खुदकुषी के मामले तो निरंतर सामने आते ही रहते हैं। देष के युवाओं की ये मौतें, संभावनाओं की मौतें हैं। ऐसे में यदि छात्र एवं छात्राओं की मौतों का यही सिलसिला बना रहता है तो देश के बेहतर भविष्य की संभावना क्षीण हो जाएगी ? ये मौतें अध्ययन-अध्यापन से उपजी परेशानियों के चलते सामने आ रही हैं। बावजूद देखने में आ रहा है कि राजनीतिक दलों के रहनुमा मौतों को केवल राजनीतिक चश्मे से देख रहे हैं, लिहाजा समस्या के समाधान की दिशा में ठोस पहल होती नहीं दिख रही है। यदि आने वाले समय में छात्र आत्महत्याओं को शिक्षा के व्यापक परिदृश्य में नहीं देखा गया तो आगे इन मौतों पर विराम लग जाएगा यह कहना मुश्किल है ? कोटा के कोचिंग संस्थानों में निरतंत छात्रों द्वारा की जा रही खुदकुषियों की पड़ताल करने से पता चलता है कि छात्रों को अभिभावक अपनी इच्छा के अनुसार महान बनाने की होड़ में लगे हैं। केरल के रहने वाले छात्र अनिल कुमार ने आत्महत्या पूर्व लिखे पत्र में लिखा था, 'सॉरी मम्मी-पापा, आपने मुझे जीवन दिया, लेकिन मैनें इसकी कद्र नहीं की।' यह पीड़ादायी कथन उस किषोर का था, जो आईआईटी की तैयारी में जुटा था। ये संस्थान में प्रतिभाओं को निखारने का दावा अपने विज्ञापनों में खूब करते हैं। लेकिन युवाओं को महान और बड़ा बनाने का सपना दिखाने का इस उद्योग का दावा कितना खोखला है, यह पता यहां बढ़ती जा रही आत्महत्याओं से चलता है। शिक्षा के इस उद्योग का गोरखधंधा देषव्यापी है। यहां करीब एक लाख बच्चे हर साल कोचिंग लेने के अलावा 10वीं, 11वीं और 12वीं में नियमित छात्र के रूप में पढ़ने आते हैं। यहां विरोधाभास यह भी है कि नियमित छात्र के रूप में करीब 15 हजार छात्रों को ही प्रवेष मिल पाता है, बांकी के छात्र जिन षहरों से आते हैं, नियमित छात्र, उन्हीं षहरों के निजी विद्यालयों के होते हैं, लेकिन नीट व आईआईटी की कोचिंग कोटा में लेते हैं। ऐसे में गौरतलब है कि ये छात्र एक साथ अलग-अलग शहरों की दो-दो संस्थाओं में अध्ययन कैसे कर पा रहे हैं ? स्कूलों में 75 प्रतिशत हाजिरी की जो अनिवार्य शर्त है, उसकी पूर्ति कैसे हो रही है ? साफ है, परिजन शुल्क चुकाने की दोहरी मार झेल रहे हैं। कोचिंग संस्थानों को अपनी जगह फीस दे रहे हैं और जिन स्कूलों में छात्र का नाम नियमित विद्यार्थी के रूप में दर्ज है, वहां हाजिरी की खानापूर्ति के लिए अलग से धनराषि चुका रहे हैं। इस गोरखधंधे में देष के बड़े पब्लिक स्कूल षामिल है। इस विसंगति पर पर्दा इसलिए पड़ा हुआ है, क्योंकि कोचिंग संस्थान हर साल अपनी उपलब्धियों का डंका पीटने के लिए एक अरब से भी ज्यादा की धनराषि के विज्ञापन मीडिया को देते हैं। यही नहीं नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा के पेपर आउट कराने में भी इनकी भूमिका रहती है। साफ है, शिक्षा के निजीकरण का यह खेल कई स्तर पर मुनाफे की बंदरबांट का मजबूत आधार बना हुआ है। इन मौतों और शिक्षा संस्थानों से पलायन की जानकारी मिलती रहने के बाद होना तो यह चाहिए था कि शिक्षा में जातिगत और पूंजीगत विसंगतियों को दूर करने के संयुक्त राजनीतिक उपाय सामने आते? किंतु यूजीसी कानून में अनुसूचित जाति, जनजाति के साथ पिछड़ा वर्ग को जोड़कर समरसता खत्म करने का विश-बीज बो दिया गया। यहां यह भी सोचने की बात है कि जो छात्र ड्रोप आउट हो रहे हैं या आत्महत्या कर रहे हैं, उनमें बड़ा प्रतिषत अनुसूचित जाति और जनजाति छात्रों का हैं। क्योंकि ये शिक्षा में आरक्षण और छात्रवृत्ति के उपायों के चलते संस्थानों में प्रवेष तो पा जाते हैं, लेकिन अंग्रेजी की कमजोरी के चलते जहां षिक्षकों की प्रताड़ना के पात्र बनते हैं, वहीं सहपाठियों के लिए उपहास का कारण भी बन जाते है। अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते उनकी स्वाभाविक योग्यता बौनी साबित होने लगती है। ऐसे में जन्मजात संस्कारों में षामिल जाति, धर्म और लैंगिक भेदों से जुड़े पूर्वग्रह परेषानी, अवसाद और उत्पीड़न का सबब बन जाते हैं। यह स्थिति तब और कठिन होती है, जब यह किसी को पता नहीं होता कि संस्थानों में कौन पढ़ा रहा है और क्या पढ़ाया जा रहा है ? शिक्षकों की यही पर्दादारी स्वस्थ विचार देने की बजाय, अपवाद स्वरूप कुत्सित विचार भी परोसने लगती है, जो संस्थानों में अराजक हिंसा का कारण भी बनते दिखाई दे जाते हैं। जबकि अमेरिका व अन्य यूरोपीय देशों में पाठ्यक्रम के रूप में साहित्य, विशमता, गरीबी, जाति, धर्म, लैंगिक असमानता और मानवाधिकार विषय शामिल हैं। किंतु हमारे यहां मेडिकल, इंजीनियरिंग, कंप्यूटर और तकनीकी शिक्षा से ये सभी मानविकी विषय लगभग नदारद हैं। अब तो हमने केवल और केवल व्यावसायिक शिक्षा को ही जीवन की सफलता की कुंजी या मंत्र मान लिया है।

देश दुनिया से

विकास और पर्यावरण में संतुलन की जरूरत

पिछले कुछ वर्षों से कश्मीर घाटी और उससे जुड़े पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम का मिजाज अत्यंत आक्रामक हो गया है। आज वह प्रकृति के रौद्र रूप और भयंकर तबाही का केंद्र बन चुका है। गत पांच वर्षों के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि यहां बादल फटने की घटनाओं और उनके परिणामस्वरूप आने वाली अचानक बाढ़ में बेतहाशा और खतरनाक वृद्धि हुई है। किश्तवाड़ से लेकर अमरनाथ गुफा, कुपवाड़ा, डोडा और शोपियां तक, हर वर्ष बारिश के मौसम में आने वाला सैलाब हजारों जिंदगियों को लील रहा है और करोड़ों रुपये की संपत्ति को मलबे में तब्दील कर रहा है। यह महज एक मौसमी बदलाव या संयोग नहीं है, बल्कि यह उस गंभीर और गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। एक अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2010 से 2022 के बीच पूरे जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में चरम मौसमी घटनाओं की लगभग 2,863 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 552 से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इसके बाद के पांच वर्षों यानी 2022 से 2026 के बीच स्थिति और भी अधिक चिंताजनक हो गई है। वर्ष 2022 के दौरान लगभग 6 से 8 गंभीर और बड़ी घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 8 जुलाई, 2022 को अमरनाथ गुफा के पास हुआ अत्यंत भीषण बादल फटना शामिल था, जिसमें 16 से अधिक श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी और कई लंगर शिविर मलबे में बह गए थे। इसके बाद वर्ष 2023 में भी रामबन, उधमपुर और अमरनाथ यात्रा मार्ग के आसपास करीब 7 से 9 स्थानों पर बादल फटने से भारी तबाही मची और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। वर्ष 2024 में किश्तवाड़ के पर्वतीय इलाकों में लगभग 8 से 10 स्थानों पर बादल फटने और नाले उफनाने की पुष्टि हुई, जिससे छोटे जलविद्युत प्रोजेक्ट और कृषि भूमि तबाह हो गए। वर्ष 2025 इस दशक का सबसे काला और त्रासद वर्ष साबित हुआ, जब 14 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के चिशोती यानी मचैल माता यात्रा मार्ग पर अत्यंत भीषण बादल फटने से एक ही झटके में लगभग 68 लोगों की मृत्यु हो गई और 300 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वर्ष 2026 की बात करें, तो मानसून सीजन के शुरुआती हफ्तों में ही विभिन्न पर्वतीय और ऊंचे

इलाकों में 35 से अधिक बार बादल फटने की छोटी-बड़ी घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें अब तक 31 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। कश्मीर जैसे संवेदनशील और नाजुक हिमालयी क्षेत्र में इन घटनाओं का बार-बार और लगातार होना वैश्विक तापन (ग्लोबल वार्मिंग) और क्षेत्रीय तापमान में हो रही तेज वृद्धि से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। वैश्विक तापमान लगातार बढ़ने के कारण वायुमंडल की नमी धारण करने की क्षमता में भारी बढ़ोतरी हुई है। जब बंगाल की खाड़ी या अरब सागर से उठकर आने वाली मानसूनी हवाएं ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों से टकराती हैं, तो उन्हें अत्यधिक ऊर्जा और संघनन के लिए अनुकूल गर्म स्थितियां मिलती हैं। इसके परिणामस्वरूप, बादल अत्यधिक कम समय में बिना सामान्य रूप से आगे बढ़े एक ही स्थान पर अत्यधिक संघनित होकर अचानक फट जाते हैं। प्रकृति के इस विध्वंस के पीछे केवल जलवायु परिवर्तन का हाथ नहीं है, बल्कि पहाड़ों की संवेदनशील प्राकृतिक संरचना के साथ किया गया अनियोजित और अंधाधुंध मानवीय खिलवाड़ मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ दशकों में कश्मीर और संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र में जिस प्रकार की बेलगाम विकास गतिविधियां, पर्यटन का दबाव और निर्माण कार्य चलाए गए हैं, उन्होंने इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया है। अंधाधुंध वनों की कटाई के कारण पहाड़ों की ऊपरी सतह को पकड़कर रखने वाली जड़ें कमजोर हो गई हैं। इसके अलावा, पहाड़ों की खड़ी ढलानों को काटकर चौड़ी सड़कें बनाना, नदियों के प्राचीन और प्राकृतिक प्रवाह के ठीक समीप भारी-भरकम कंक्रीट के बहुमंजिला ढांचे खड़े करना, और जलविद्युत परियोजनाओं तथा सुरंगों के नाम पर पहाड़ों के सीने में डायनामाइट लगाकर सुरंगों का अंतहीन जाल बिछाना पर्वतीय क्षेत्रों के प्राकृतिक संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ रहा है। जंगलों के तेजी से नष्ट होने और आधुनिक वाहनों के धुएं तथा अंधाधुंध कार्बन उत्सर्जन से पर्वतीय क्षेत्रों का स्थानीय तापमान मैदानी इलाकों की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ रहा है, जिससे वहां का सूक्ष्म जलवायु चक्र पूरी तरह असंतुलित हो गया है। बादल फटने के बाद पहाड़ों की गोद से उतरने वाली अचानक बाढ़ केवल पानी का तीव्र सैलाब नहीं होती, बल्कि यह अपने साथ पहाड़ों के बड़े-बड़े बोल्डर, विशाल चट्टानें, उखड़े हुए पेड़ और टनों के हिसाब से गाद व मलबा बहाकर लाती है। यह भारी मात्रा में बहकर आने वाला मलबा नदियों और नालों के प्राकृतिक मार्गों को पूरी तरह अवरुद्ध कर देता है, जिससे जल निकासी की पारंपरिक व्यवस्था कुछ ही मिनटों में पूरी तरह ध्वस्त हो जाती है। पारंपरिक रूप से कश्मीर की छोटी नदियां और नाले धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से पानी को निचली घाटियों तक पहुंचाते थे। किंतु नदी तटों पर कंक्रीट के अवैध अतिक्रमण और पहाड़ों पर जंगलों के पूरी तरह सफाए के कारण अब वर्षा के पानी को सोखने वाली अवशोषित भूमि बची ही नहीं है। आज जरूरत इस बात की है कि विकास और पर्यावरण के बीच एक स्थायी संतुलन स्थापित किया जाए। हिमालयी राज्यों के लिए विशेष और मजबूत पारिस्थितिक नीति बनाई जानी चाहिए, जिसमें पर्वतीय ढलानों पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ को प्रतिबंधित करने, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को पूरी तरह अबाधित रखने और बड़े पैमाने पर स्थानीय वनीकरण को कानूनी रूप से अनिवार्य किया जाए।

आप का नज़रिया

गांव नहीं गांव जैसे

शहर जैसे गांव' से पहले 'गांव को गांव जैसे' बने रहने की संगत, सद्भावना, शिष्टाचार, आर्थिकी व सामुदायिक भावना का संरक्षण करना चाहिए। पर्वतीय राज्य की आचार संहिता से बाहर शहर अगर चार कदम चल रहे हैं, तो गांव चालीस चल रहे हैं। ऐसे में शहर जैसे गांव की परिभाषा में कई शर्तें, सुविधाएं, व्यवस्था, नियोजन, आर्थिकी, अधोसंरचना और विश्वास की कसौटियां शिरकत कर सकती हैं। मुख्यमंत्री ने नेरवा में अग्निशमन चौकी का लोकार्पण पर जो कहा, कमोबेश वही सब इलेक्ट्रिक बसों के रूटों के आबंटन में सामने आ रहा है। प्रदेश के कई वक्तव्य गांव में सिद्ध होते हैं, लेकिन कृषि व बागबानी के सबूत पूरे हिमाचल की देखरेख नहीं करते। जब पालमपुर में कृषि और सोलन में बागबानी विश्वविद्यालय बसे थे, तो आशाएं गांव की दोपहर को जगाती थीं। सेब से लदी टहनियां आत्मसम्मान के गीत गाती थीं। उधर बिलासपुर-ऊना की मक्की अपनी मूंछों को ताब देती थी, तो कांगड़ा का धान महक घोलता था। कभी उत्पादन की चर्चा में हर हिमाचली चूल्हा आत्मनिर्भर होने का दंभ भरता था, लेकिन क्या आज गांव का खेत और खड्ड का घराट बचा। गांव तक खुल गए रिटेल स्टोर और गांव का घर खरीदने लगा पैकेट का दूध। भैंस या गाय को दूर आवारा छोड़ आए गांव के हाथ अब कहां गोबर से खराब होते हैं। वहां तो नया घर बनाने की होड़ ने खेत समेट लिया है, क्योंकि फोरलेन में आने वाली जमीन ने इतने पैसे तो दे दिए कि नए घर में एक बड़ी सी गाड़ी खड़ी हो जाए। हिमाचल में 25 लाख पंजीकृत वाहन और इतने ही बाहर से आ रहे, तो गांव ने भी अपनी गलियों को वाहनों से सजा दिया। कितना सिकुड़ गया गांव का बाजार और सडक़ के छोर पर ईंट-पत्थरों की दीवारों ने रोक दीं घाटियां और पहाड़ की दृश्यावलियां। गांव के चौक में फंस जाती है एचआरटीसी और ट्रैफिक जाम में पीला पड़ जाता है ग्रामीण चेहरा। गांव के लुहार की भट्ठी कब उजड़ गई, पता नहीं। तरख्वान, कुम्हार और बढ़ई सारे चले गए सरकारी नौकरी में और वहां आ गए बाहरी प्रदेशों के कारीगर। अब दादी-नानी रजाई में टांके नहीं मारती, बल्कि यूपी के लोग कमा रहे हैं। अब मस्तो, देवीलाल या कांशी राम के बेटे दिहाड़ी नहीं लगाते, कितने ही अभिभावकों के बच्चे अब चिट्टा खा गए या शराब के नशे में नाटी की अदा, मैदान में वालीबाल का मजा या रामलीला में हनुमान की गदा उठाने भूल गए। नहीं है अब हिमाचल पहले जैसा ग्रामीण और न लोग अब पूरे ग्रामीण। आश्चर्य तो यह कि अब कबाइली इलाके भी कबाइली नहीं रहे। पूरा किन्नौर नीचे उतर कर सोलन में बसने लगा। लाहौल-स्पीति नीचे उतर कर मनाली तो पांगी कुल्लू हो गया। होली-भरमौर देखना है तो कांगड़ा में बस गए चंबा को देखें। ऐसे में ग्रामीण अंचल को बचाने की जरूरत में नीतियों-कार्यक्रमों और ऐसी परियोजनाओं की जरूरत है, जो गांव में बिजली, पानी और सफाई का प्रबंध करे। सरकार ने अभी हाल ही में कुछ सफाई वाहन देकर गांव की आत्मा को स्वच्छ रखने का उदाहरण पेश किया है। गांव में सडक़, ग्राउंड, गली, नदी, नाली-नाला, खेती-बागबानी बचाने के लिए नए प्रयोग और युवा ओरिएंटेशन की जरूरत है। गांव की जमीनों की पूलिंग, वन संपदा में हिस्सेदारी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार व हाट बाजार विकसित करने पड़ेंगे। गांवों में बस स्टॉप कम बाजार परिसर, चौक-चौराहों का विकास तथा जल निकास का इंतजाम करना पड़ेगा। ग्रामीण विकास के साथ शहरीकरण के आगमन को व्यवस्थित करने के लिए विभागीय सोच बदलना पड़ेगा और पूरे प्रदेश को आठ-दस क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण के तहत समन्वय स्थापित करना होगा। पूरे प्रदेश को शहरी-नियोजन के तहत लाते हुए, पूरी व्यवस्था को सशक्त करना होगा। अब वक्त आ गया है कि प्रदेश में पुलिस के आयुक्तालय अगर बड़े शहरों में खोले जाएं तो जिलों में ग्रामीण पलिस व्यवस्था का ढांचा भी सशक्त किया जाए।

मुख्यमंत्री ने नेरवा में अग्निशमन चौकी का लोकार्पण पर जो कहा, कमोबेश वही सब इलेक्ट्रिक बसों के रूटों के आबंटन में सामने आ रहा है। प्रदेश के कई वक्तव्य गांव में सिद्ध होते हैं, लेकिन कृषि व बागबानी के सबूत पूरे हिमाचल की देखरेख नहीं करते। जब पालमपुर में कृषि और सोलन में बागबानी विश्वविद्यालय बसे थे, तो आशाएं गांव की दोपहर को जगाती थीं। सेब से लदी टहनियां आत्मसम्मान के गीत गाती थीं। उधर बिलासपुर-ऊना की मक्की अपनी मूंछों को ताब देती थी, तो कांगड़ा का धान महक घोलता था। कभी उत्पादन की चर्चा में हर हिमाचली चूल्हा आत्मनिर्भर होने का दंभ भरता था, लेकिन क्या आज गांव का खेत और खड्ड का घराट बचा। गांव तक खुल गए रिटेल स्टोर और गांव का घर खरीदने लगा पैकेट का दूध। भैंस या गाय को दूर आवारा छोड़ आए गांव के हाथ अब कहां गोबर से खराब होते हैं। वहां तो नया घर बनाने की होड़ ने खेत समेट लिया है, क्योंकि फोरलेन में आने वाली जमीन ने इतने पैसे तो दे दिए कि नए घर में एक बड़ी सी गाड़ी खड़ी हो जाए। हिमाचल में 25 लाख पंजीकृत वाहन और इतने ही बाहर से आ रहे, तो गांव ने भी अपनी गलियों को वाहनों से सजा दिया। कितना सिकुड़ गया गांव का बाजार और सडक़ के छोर पर ईंट-पत्थरों की दीवारों ने रोक दीं घाटियां और पहाड़ की दृश्यावलियां।

कुछ अलग

सच्ची सेवा भावना

एक दिन शिक्षक ने अपने विद्यालय में एक वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया।जिसका विषय था - ₹जीवों पर दया एवं प्राणिमात्र की सेवा।₹ प्रमुख उद्देश्य था ऐसे संस्कारी युवक-युवतियों का निर्माण जो समाज के विकास में सहभागी बन सकें। निर्धारित तिथि पर विद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रतियोगिता आरंभ हुई। किसी छात्र ने सेवाके लिए संसाधनों की महत्वता पर बल देते हुए कहा कि हम दूसरों की तभी सेवा कर सकते हैं जब हमारे पास उसके लिए पर्याप्त संसाधन हों।वहीं कुछ छात्रों की यह भी राय थी कि सेवा के लिए संसाधन नहीं, भावना का होना जरूरी है। इस तरह तमाम प्रतिभागियों ने सेवा के विषय में शानदार भाषण दिए। आखिर में जब पुरस्कार देने का समय आया तो पुरस्कार के लिए एक ऐसे विद्यार्थी को चुना, जो मंच पर बोलने के लिए ही नहीं आया था। यह देखकर अन्य विद्यार्थियों और कुछ शैक्षिक सदस्यों में रोष के स्वर उठने लगे। तब शिक्षक सबको शांत कराते हुए बोले, 'प्यारे विद्यार्थियो, आप सबको शिकायत है कि मैंने ऐसे विद्यार्थी को क्यों चुना, जो प्रतियोगिता में सम्मिलित ही नहीं हुआ था। दरअसल, मैं जानना चाहता था कि हमारे विद्यार्थियों में कौन सेवाभाव को सबसे बेहतर ढंग से समझता है।इसीलिए मैंने प्रतियोगिता स्थल के द्वार पर एक घायल बिल्ली को रख दिया था। आप सब उसी द्वार से अंदर आए, पर किसी ने भी उस बिल्ली की ओर आंख उठाकर नहीं देखा। यह अकेला प्रतिभागी था, जिसने वहां रुक कर उसका उपचार किया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ आया। सेवा-सहायता डिबेट का विषय नहीं, जीवन जीने की कला है।

दृष्टि कोण

देश के नाम पर संसद में बर्बाद किए अरबों

जिस देश में करोड़ों लोगों को साफ पीने का पानी, पर्याप्त बिजली, राशन, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सडक़ जैसी बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं हैं, वहां सिर्फ आम लोगों की भलाई के नाम पर संसद में हंगामा करके अरबों रुपए स्वाह कर दिए जाते हैं। संसद में अब तक मानसून सत्र के दौरान हंगामे और व्यवधान के कारण लोकसभा में 7023 मिनट का समय बर्बाद हुआ। अर्थात प्रति मिनट करीब 2.5 लाख रुपए खर्च का अनुमान हुआ। यह आंकड़ा करीब 175 करोड़ रुपए बैठता है। देश के लोकतंत्र का मंदिर है संसद, जहां पर जनता की, उनके अधिकारों, मुद्दों की आवाज गूंजनी चाहिए। लेकिन वहां अभी तक के मानसून सत्र में सिर्फ शोर सुनाई दिया। विपक्ष का हंगामा कान के पर्दों को फाड़ रहा है। सवाल ये है कि इस शोर का बिल कौन भर रहा है? तो जवाब है- देश की जनता। क्योंकि संसद में हर मिनट हंगामा होता है तो सिर्फ बहस नहीं रुकती, बल्कि करीब ढाई लाख रुपए भी पानी की तरह बहते रहते हैं। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया, जिससे संसद की कार्यवाही बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सका। संसद की कार्यवाही कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपए का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है। संसद की कार्यवाही एक दिन के लिए अगर स्थगित होती है, तो इसके पीछे 9 करोड़ रुपए का घाटा होता है। इस रकम को प्रति घंटे और प्रति मिनट के आधार पर यह प्रति घंटे एक करोड़ पचास लाख यानी डेढ़ करोड़ होती है। यह आंकड़ा इस साल के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में पीठासीन स्पीकर जगदंबिका पाल ने दिया था। साल 2014 से लेकर 2024 के

आंकड़ों पर गौर करें तो बार-बार सदन के स्थगित होने की वजह से सरकारी तिजोरी का करीब 3300 करोड़ रुपया पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। संसद के इस तरह से बार-बार ठप होने पर न सिर्फ जरूरी काम रुकते हैं, बल्कि लोगों के पैसे पर भी असर पडता है। इसी तरह संसद के साल 2025 के मॉनसून सत्र के दौरान सांसदों ने देशहित की बजाय अपनी राजनीति में अधिक समय गंवा दिया। लोकसभा में सांसदों को 120 घंटे देश के मुद्दों पर चर्चा करनी थी, लेकिन वास्तव में सिर्फ 37 घंटे ही काम हआ। अर्थात 83 घंटे बेकार गए। केवल 31 फीसदी काम हुआ और बाकी 69 फीसदी समय सांसदों की आपसी राजनीति और हंगामे में बर्बाद हो गया। राज्यसभा का भी यही हाल था। यहां भी 120 घंटे काम होना चाहिए था, लेकिन सिर्फ 47 घंटे ही काम किया गया। मतलब 73 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा में भी सांसदों ने सिर्फ 38 फीसदी काम किया। लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ, जिससे लगभग 124 करोड़ 50 लाख रुपए जनता के पैसे बर्बाद हो गए। वहीं राज्यसभा में 73 घंटे की बर्बादी से करीब 80 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। पिछले मानसून सत्र में दोनों सदनों में मिलाकर कुल 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद हो गए। यह पैसा जनता के काम पर खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे और राजनीति की वजह से व्यर्थ चला गया। संसद के चलने में करोड़ों के इस खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा अर्थात करीब 35 से 40 प्रतिशत खर्च इन्हीं सांसदों के वेतन, भत्तों और सुविधाओं पर होता है, जो संसद में खड़े होकर चीखते हैं, हंगामा बरपाते हैं, बिलों को पेश तक नहीं होने दे रहे।

स्पेन सबसे अधिक मैच जीतने वाली टीम बनी, आस्ट्रेलिया का रिकार्ड टूटा

मैड्रिड

क्रिकेट जगह में स्पेन की टीम अभी नई है पर इसके बाद भी उसने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। स्पेन की टीम ने लगातार 22 टी20 मैच जीतकर सबसे अधिक जीत दर्ज करने का आस्ट्रेलिया का रिकार्ड तोड़ दिया है। स्पेनिश टीम की इस उपलब्धि पर सभी हैरान हैं। अब वह लगातार सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने वाली टीम बन गई है, इस प्रकार उसने विश्व विजेत रहीआस्ट्रेलियाई टीम के कई साला वर्षों पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया है। यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है क्योंकि स्पेन की टीम ने जिस प्रकर की निरंतरत दिखायी है। वह अन्य टीमों में देखने में नहीं मिली है। इससे पहले आस्ट्रेलियाई टीम ने साल 2003 में लगातार 20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीते थे। वहीं अब स्पेन की टीम ने लगातार 22 मैचों में जीत दर्ज कर आस्ट्रेलिया का रिकार्ड तोड़ा है। स्पेनिश टीम पिछले तीन साल में किसी भी अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में नहीं हारी है। उसकी जीत का सिलसिला साल 2023 से शुरू हुआ था और 2026 में भी जारी रहा।

यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष हो जाती है क्योंकि स्पेन की टीम को अभी केवल टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने की अनुमति मिली है। उन्हें एकदिवसीय या टेस्ट क्रिकेट खेलने का दर्जा नहीं मिला है। स्पेनिश टीम को अंतिम बार नवंबर 2022 में किसी अंतरराष्ट्रीय मुकाबल में हार का सामना करना पड़ा था।

स्पेन ने हाल ही में जारी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप सब-रीजनल यूरोप क्वालीफायर सी 2026 में मुकाबलों के दौरान ही अपना 22 वां मैच जीता। टूर्नामेंट के अपने पहले ही मुकाबले में स्पेन ने फिनलैंड को 8 विकेट के बड़े अंतर से हराकर आस्ट्रेलिया के रिकार्ड को तोड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में अब स्पेन नंबर एक है। उन्हें अब तक 22 जीत मिली हैं। वहीं दूसरे स्थान पर आस्ट्रेलियाई टीम ने साल 2003 में लगातार 20 मुकाबले जीते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मोड्रिक अब 2027 तक एसी मिलान के साथ रहेंगे

रोम। क्रोएशियाई फुटबालर लुका मोड्रिक अब साल 2027 तक इटली के क्लब एसी मिलान के साथ ही रहेंगे। मोड्रिक ने क्लब के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इसी के साथ ही अब मोड्रिक जून 2027 तक मिलान की ओर से खेलेंगे। सितंबर में 41 साल के होने जा रहे इस क्रोएशियाई खिलाड़ी का यह फैसला उनके असाधारण खेल भावना और मैदान पर बने रहने की उनकी अटूट इच्छा को दर्शाता है। गौरतलब है कि पिछले साल, मोड्रिक ने स्पेनिश टीम रियल मैड्रिड के साथ अपने 13 साल के करार को तोड़कर मिलान से करार किया था। वहीं रियल के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद उन्होंने नए अध्याय की शुरुआत की थी। एसी मिलान के लिए अपने पहले सत्र में उन्होंने कुल 37 मुकाबले खेले और दो अहम गोल किये। हालांकि, टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, और वह सेरी ए में पांचवें स्थान पर रही जबकि कोपा इटालिया में अंतिम-16 दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बावजूद, मोड्रिक का अनुभव और मैदान पर उनकी उपस्थिति टीम के लिए काफी लाभदायकर रही। मोड्रिक ने पहले फीफा विश्व कप 2026 के बाद संन्यास की बात कही थी पर अब उन्होंने क्लब फुटबाल के साथ ही बने रहना तय किया है। मिलान ने अपने बयान में मोड्रिक के करार बढ़ाने की पुष्टि करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। क्लब ने कहा कि मिडफील्ड में आने के बाद से, मोड्रिक ने अपने अपार अनुभव, अथक मेहनत और अद्वितीय खेल कौशल से टीम को लगातार मजबूती दी है। वे आने वाले सत्र में भी टीम के लिए एक अहम भूमिका निभाएंगे और नंबर-14 की अपनी जर्सी में नजर आयेंगे।

ब्राजील से मुकाबले के कारण फीफा आसियान कप में नहीं खेलेगी भारतीय फुटबाल टीम : कल्याण चौबे

नई दिल्ली। भारतीय फुटबाल संघ ने कहा है कि ब्राजील के खिलाफ 3 अक्टूबर को होने वाले मैत्री मैच को देखते वह आगामी फीफा आसियान कप में अपनी टीम नहीं उतारेगा। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने भी इस फैसले की पुष्टि की है। उसका कहना है कि पांच बार की विजेता ब्राजी के खिलाफ खेलने का अवसर कभी-कभी मिलता है जिसे छोड़ा नहीं जा सकता है। इसी को लेकर एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा है कि भारतीय टीम सितंबर में होने वाले आसियान कप में हिस्सा नहीं लेगी और उन्होंने फीफा के साथ-साथ आयोजकों को भी अपने इस फैसले की जानकारी दे दी है। चौबे ने जोर देकर कहा कि महासंघ यह प्रयास कर रहा है कि भारतीय खिलाड़ियों को अधिका से अधिक खेलने का अवसर मिलता रहे। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, वे ब्राजील के खिलाफ बड़े मुकाबले के अतिरिक्त दो अन्य मजबूत टीमों के साथ मैत्री मैच आयोजित करने की भी कोशिश कर रहे हैं। चौबे ने कहा, हाँ, हम आसियान कप में नहीं खेलेंगे। हमने फीफा और आयोजकों को इसकी जानकारी दे दी है। हम ब्राजील के साथ होने वाले मैच के लिए पूरी तैयारी करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, हम यह पक्का करेंगे कि आसियान कप से हटने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को खेलने का समय मिले।

पांड्या को आदर्श मानने है डिब्रूगढ़ वारियर्स के आलराउंडर दोइखो दास

गुवाहाटी। डिब्रूगढ़ वारियर्स के उभरते हुए आलराउंडर दोइखो दास का कहना है कि वह भारतीय क्रिकेट टीम के आलराउंडर हार्दिक पांड्या को अपना आदर्श मानते हैं और उन्हीं की तरह से आक्रामक अंदाज में खेलना चाहते हैं। असम प्रीमियर लीग (एपीएल) में अब तक दोइखो ने अपने आक्रामक अंदाज से सभी को प्रभावित किया है। वह इस सीजन में वारियर्स के लिए सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, जिसकी बदौलत उनकी टीम छह मैचों में पांच जीत और 10 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। इस तेज गेंदबाज ने टूर्नामेंट में अपनी शानदार गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया है, छह मैचों में 7.80 की प्रभावशाली इकानमी रेट से 13 विकेट लिए हैं। उनके बेहतरीन प्रदर्शन में चाराइदेव सनराइजर्स के खिलाफ 33 रन देकर 4 विकेट लेना भी शामिल है। दोइखो के अनुसार उनकी गेंदबाजी शैली पर पांड्या से प्रभावित है। दास ने कहा, पांड्या मेरे आदर्श हैं। मुझे उनका क्रिकेट खेलने का तरीका पसंद है और मैं उनके स्टाइल से सीखने की कोशिश करता हूं। मैं जोरदार तरीके से गेंद पटकने और आक्रामक गेंदबाजी करने पर ध्यान देता हूं, खासकर शार्ट बाल के मामले में। उन्होंने आगे बताया, शार्ट बाल मेरी मुख्य गेंदबाजी शैली है। इससे मुझे लगातार सफलता मिली है और पिच से मिल रही मदद को देखते हुए मैं अपनी इसी ताकत का इस्तेमाल कर रहा हूं।हालांकि, दास ने अब तक मुख्य रूप से अपनी गेंदबाजी से ही प्रभावित किया है, लेकिन वह खुद को एक पूर्ण आलराउंडर मानते हैं और बल्ले से भी टीम के लिए योगदान देने के अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बारिश ने भी नहीं बचाया श्रीलंका, दूसरे दिन भी टीम इंडिया का रहा दबदबा

भारत की मजबूत स्थिति, देवदत्त पडिक्कल के 167 रन; जुरेल का अर्धशतक, स्कोर 460/9

गाले। गाले में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन बारिश ने खेल में जमकर खलल डाला, लेकिन भारतीय टीम के दबदबे को कम नहीं कर सकी। बारिश के कारण दिन के शुरुआती करीब डेढ़ सत्र का खेल बुरी तरह प्रभावित रहा। इसके बावजूद दूसरे दिन केवल 43 ओवरों के खेल में भारतीय बल्लेबाजों ने तेज गति से रन बनाते हुए टीम के स्कोर को मजबूत स्थिति तक पहुंचा दिया।

श्रीलंका के गेंदबाजों ने नमी का फायदा उठाते हुए अपनी गेंदबाजी की लाइन और लेंथ में सुधार किया। डेब्यूटेंट गेंदबाज केशाना नुवंथा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऋषभ पंत और क्रैम्प्स के बाद मैदान पर लौटे केएल राहुल को पवेलियन भेजकर भारत को दो बड़े झटके दिए। दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने 116 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 460 रन बना लिए थे। निचले क्रम में कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए दिन की अंतिम 17 गेंदों का सफलतापूर्वक सामना किया और भारत को कोई और झटका नहीं लगने दिया।

देवदत्त पडिक्कल की 167 रनों की यादगार पारी का अंत

पहले दिन के स्टार बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने दूसरे दिन भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और सहजता से 150 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। पडिक्कल ने 230 गेंदों में 15 चौकों और 1 छक्के की मदद से 167 रनों की शानदार पारी खेली।हालांकि, वह अपने दोहरे शतक की ओर बढ़ते हुए प्रभात जयसूर्या की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। उनकी इस शानदार पारी ने भारतीय टीम को पहली पारी में मजबूत आधार प्रदान किया।

चाय के विश्राम के तुरंत बाद केशाना नुवंथा ने रवींद्र जडेजा को आउट कर मैच में अपना तीसरा विकेट हासिल किया।

जुरेल का अर्धशतक, निचले क्रम ने भी निभाई जिम्मेदारी

377 रन पर भारत के 6 विकेट गिर जाने के बाद ध्रुव जुरेल और मानव सुथार ने भारतीय पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाई। दोनों बल्लेबाजों

के बीच सातवें विकेट के लिए 55 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, जिससे भारत का स्कोर 400 रन के पार पहुंच गया।ध्रुव जुरेल को 29 रन के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और 51 रनों की उपयोगी अर्धशतकीय पारी खेली। निचले क्रम के बल्लेबाजों के योगदान ने भारतीय टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंत में मोहम्मद सिराज असिथा फर्नांडो का शिकार बने, जबकि मानव सुथार को प्रभात जयसूर्या ने पवेलियन भेजा।

पडिक्कल ने रचा इतिहास, द्रविड़ और पुजारा के विशेष क्लब में शामिल

श्रीलंका के खिलाफ गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में देवदत्त पडिक्कल ने अपनी 167 रनों की पारी से इतिहास रच दिया। 230 गेंदों में 15 चौकों और 1 छक्के की मदद से खेली गई इस पारी के दम पर पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट मैच में 150 से अधिक रन बनाने वाले भारत के महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं।

इससे पहले यह उपलब्धि केवल राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा के नाम थी। राहुल द्रविड़ ने वर्ष 2009 में 177 रन बनाए थे, जबकि चेतेश्वर पुजारा ने वर्ष 2017 में 153 रनों की पारी खेली थी।पडिक्कल ने अब इस विशिष्ट सूची में अपना नाम दर्ज कराते हुए भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है।

स्पिनरों के खिलाफ दिखाया शानदार तकनीक और संतुलन

देवदत्त पडिक्कल की 167 रनों की पारी में स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ उनकी बेहतरीन तकनीक और संतुलन भी देखने को मिला। उन्होंने स्पिनरों की गेंदों का सामना करते हुए 47.42 प्रतिशत गेंदें फ्रंट फुट पर और 49.14 प्रतिशत गेंदें बैक फुट पर खेलीं।

वर्ष 2007 के बाद टेस्ट क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजों की कम से कम 100 गेंदों का सामना करने वाले भारतीय बल्लेबाजों में पडिक्कल से अधिक बैक फुट का इस्तेमाल केवल अजिंक्य रहाणे और शुभमन गिल ने किया है। अजिंक्य रहाणे ने वर्ष 2016 में 50.4 प्रतिशत और शुभमन गिल ने वर्ष 2024 में 50.3 प्रतिशत गेंदें बैक फुट पर खेली थीं।यह आंकड़ा पडिक्कल की तकनीकी परिपक्वता और स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनकी मजबूत तैयारी को दर्शाता है।

जयसूर्या और नुवंथा ने झटके विकेट, फिर भी भारत का पलड़ा भारी

श्रीलंका की ओर से स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने सबसे अधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि डेब्यूटेंट केशाना नुवंथा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए। दोनों गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजी क्रम को कुछ झटके जरूर दिए, लेकिन भारतीय टीम पहले ही एक मजबूत स्कोर खड़ा कर चुकी थी। पहली पारी में 460/9 के स्कोर के साथ भारतीय टीम इस टेस्ट मैच में बेहद मजबूत और निर्णायक स्थिति में पहुंच गई है। अब सभी की निगाहें भारतीय पारी के अंतिम स्कोर और उसके बाद श्रीलंका की पहली पारी पर रहेंगी। भारत की कोशिश होगी कि विशाल स्कोर के दबाव में श्रीलंकाई बल्लेबाजी क्रम को जल्द से जल्द झटके दिए जाएं और मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत की जाए।

जूलियन वेबर ने 90.40 मीटर भाला फेंक कर तोड़ा यूरोपीय चैंपियनशिप रिकार्ड

बर्मिंघम

जर्मनी के भाला फेंक खिलाड़ी जूलियन वेबर ने यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 90.40 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीत लिया। वेबर ने यह थ्रो अपने अंतिम प्रयास में किया और इसके साथ ही चैंपियनशिप रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया।

31 वर्षीय वेबर ने ब्रिटेन के स्टीव बैकली का 89.72 मीटर का पिछला चैंपियनशिप रिकार्ड तोड़ा। वेबर अंतिम प्रयास से पहले दूसरे स्थान पर थे और उनके हमवतन निक थुम उनसे आगे चल रहे थे। लेकिन आखिरी थ्रो में वेबर ने 90.40 मीटर की दूरी तय कर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया।

इस प्रदर्शन के साथ वेबर इस सत्र में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे भाला फेंक खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले श्रीलंका के राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन रुमेश पथिरागे ने रोम डायमंड लीग में 92.67 मीटर का थ्रो किया था।

वेबर का 90 मीटर से अधिक का यह तीसरा थ्रो है और 90.40 मीटर उनका करियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 91.51 मीटर है, जो उन्होंने 2025 में ज्यूरिख डायमंड लीग में हासिल किया था। इसके अलावा उन्होंने पिछले साल दोहा में 91.06 मीटर का थ्रो किया था।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद वेबर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं यह आखिरी थ्रो में कर पाया। आखिरी प्रयास बिल्कुल सही था। यह शानदार एहसास था। उस थ्रो ने मुझे खुद भी हैरान कर दिया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था। मुझे पता था कि मैं इतनी दूर तक भाला फेंक सकता हूं। मुझे पता था कि अगर मैंने पूरी ताकत लगाई तो मैं ऐसा कर सकता हूं। मैं बहुत आभारी और खुश हूं कि यह सफल हुआ।

अश्विन ने की रोहित और कोहली को लेकर भविष्यवाणी

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने दिग्गज बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर भविष्यवाणी की है। अश्विन के अनुसार जहां रोहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास के बाद मुम्बई इंडियंस में कोच बनेंगे। वहीं विराट अपनी टीम रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में कोच नहीं बनेंगे। रोहित और कोहली अपने शानदार क्रिकेट के अंतिम चरण में हैं जिसके कारण प्रशंसक संन्यास के बाद जानना चाहते थे कि ये दोनो क्या करेंगे। अश्विन ने इसी को लेकर कहा कि जहाँ रोहित कोचिंग की भूमिका के लिए तैयार हो सकते हैं, वहीं कोहली संभवतः खेल से कुछ समय के लिए दूरी बना सकते हैं। अश्विन ने एक कार्यक्रम में कहा उन्हें नहीं लगता कि विराट एकदम से कोचिंग की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार होंगे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि विराट तुरंत कोच बनने के लिए तैयार होंगे। वह शायद खेल से ब्रेक लेना चाहेंगे। अश्विन ने कहा कि कोहली अपने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्वभाव और खेल के प्रति गहन जुनून के बाद शायद कुछ समय के लिए शांति और आराम करना पसंद करेंगे।

विश्वकप में चीन के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय महिला हाकी टीम

एम्सटेलवीन

भारतीय महिला हाकी टीम विश्वकप में अपना पहला मुकाबला चीन से खेलेगी। पूल डी के इस मुकाबले को जीतकर भारतीय टीम अपने अभियास की शुरुआत करना चाहेगी। भारतीय टीम को पूल में चीन के अलावा दक्षिण अफीका और इंग्लैंड से खेलना है।

भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में नौवें जबकि चीन चौथे स्थान पर है। दोनो की टीमों आंकड़ों पर नजर डालें तो चीन का पलड़ा हमेशा भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला 2025 एशिया कप फाइनल में हुआ था। इसमें चीन ने भारतीय टीम को 4-1 से हराकर खिताब जीत था। इसके बाद पेरिस ओलंपिक में भी चीनी टीम ने रजत पदक जीता था। ऐसे में भारतीय टीम के यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है।

भारतीय टीम को अपनी अनुभवी गोलकीपर और कप्तान सविता पुनिया से काफी उम्मीदें हैं। 313 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी सविता का यह तीसरा हाकी वर्ल्ड कप है। दो ओलंपिक और तीन एशियन गेम्स में हिस्सा ले चुकी सविता दबाव भरे क्षणों में टीम को संभालने और रक्षापंक्ति को मजबूत रखने की जिम्मेदारी निभाएंगी। उनके अलावा, ड्रैग फ्लिकर दीपिका

और फारवर्ड नवनीत कौर शानदार फार्म में हैं। दीपिका ने 2026 नेशंस कप में 6 गोल दागकर भारत को खिताब जिताया था, वहीं नवनीत कौर ने भी एशिया कप और वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स में अहम गोल किए थे।

सलीमा टेटे की कप्तानी और डच कोच शोर्ड मारिने के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट से पहले मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ एक अभ्यास मैच भी खेला था, जिससे खिलाड़ियों को हालातों से तालमेल बिठाने में मदद मिली।

दोनों ही टीमें इस प्रकार है :

भारत: सलीमा टेटे (कप्तान), सविता, बिचू देवी खरीबाम, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरंबम, लालथंतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास, निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा, दीपिका सोरेंग, लालरेम्सियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, आस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराकर पहली बार आस्ट्रेलियाई धरती पर जीता टेस्ट

डार्विन

बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। मेहदी हसन मिराज और हसन महमूद की शानदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाजों के संयमित प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश ने डार्विन टेस्ट में आस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराकर उसकी धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की। यह आस्ट्रेलिया में बांग्लादेश की तीसरी कोशिश थी और 23 साल बाद देश में खेला गया उसका पहला टेस्ट था।

आस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 284 रन पर समेटने के बाद बांग्लादेश को जीत के लिए केवल 57 रन का लक्ष्य मिला। मेहदी हसन मिराज ने आस्ट्रेलियाई पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाते हुए पांच विकेट लिए, जबकि हसन महमूद ने तीन विकेट झटके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने एक विकेट गंवाकर 57 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। मोमिनुल हक ने विजयी रन बनाकर ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगाई। मोमिनुल 30 और शादमान इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। आस्ट्रेलिया की ओर से जोश हैजलवुड ने एक विकेट लिया।

तंजिद के शतक ने रखी जीत की नींव – बांग्लादेश ने पहली पारी में 426 रन बनाए थे। तंजिद हसन तमीम ने 101 रन की शानदार पारी खेलकर अपना पहला टेस्ट शतक लगाया। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 84 और मेहदी हसन मिराज ने 65 रन बनाए। आस्ट्रेलिया के जोश हैजलवुड ने छह विकेट लिए, लेकिन बांग्लादेश की मजबूत बल्लेबाजी ने मेजबान टीम पर दबाव बना दिया। इसके जवाब में आस्ट्रेलिया की पहली पारी सिर्फ 198 रन पर सिमट गई। हसन महमूद ने कहर बरपाते हुए छह विकेट चटकाए, जबकि इबादत हुसैन ने दो विकेट लिए।

आस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए।

ग्रीन के शतक के बावजूद नहीं बचा आस्ट्रेलिया – 228 रन से पिछड़ने के बाद आस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने संघर्षपूर्ण 104 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 44 रन का योगदान दिया, लेकिन बांग्लादेश के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। मेहदी हसन मिराज ने 5/56 और हसन महमूद ने 3/66 की शानदार गेंदबाजी कर आस्ट्रेलिया की पारी 284 रन पर समेट दी। इसके बाद बांग्लादेश के सामने सिर्फ 57 रन का लक्ष्य था, जिसे उसने आसानी से हासिल कर लिया।

आस्ट्रेलिया पर बांग्लादेश की दूसरी बड़ी जीत – बांग्लादेश ने इससे पहले नौ साल पहले घरेलू मैदान पर भी आस्ट्रेलिया को टेस्ट में हराया था, लेकिन आस्ट्रेलिया की धरती पर मिली यह जीत कहीं अधिक ऐतिहासिक है। खास बात यह है कि बांग्लादेश ने दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम मानी जाने वाली आस्ट्रेलिया को पूरे मैच में पूरी तरह दबाव में रखा।

यह बांग्लादेश की इस साल की शानदार वापसी का भी प्रतीक है। राजनीतिक कारणों से टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेने वाली बांग्लादेशी टीम ने मार्च के बाद से लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है और अब आस्ट्रेलिया की धरती पर ऐतिहासिक टेस्ट जीत दर्ज कर अपनी क्रिकेट यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। डार्विन के लगभग खाली मरारा ओवल में मौजूद बांग्लादेशी प्रशंसकों ने जीत के बाद जमकर जश्न मनाया। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए यह पूरा दिन जश्न में बदल गया।

संक्षिप्त स्कोर

बांग्लादेश: 426 और 57/1

तंजिद हसन तमीम 101, नजमुल हुसैन शांतो 84, मेहदी हसन मिराज 65; हैजलवुड 6/89।

मोमिनुल हक 30*, शादमान इस्लाम 25*; हैजलवुड 1/5।

आस्ट्रेलिया: 198 और 284

कैमरन ग्रीन 104, स्टीव स्मिथ 71 और 44;

मेहदी हसन मिराज 5/56, हसन महमूद 6/55 व 3/66।

नतीजा: बांग्लादेश ने आस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 अगस्त 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 05:02 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 04:59 तक
योग : शुभ रात्रि 03:29 तक
करण : बालव सायं 05:02 तक
चन्द्रराशि : कन्या सायं 04:20 तक
सूर्योदय : 05:59 ,सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय :05:37, सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कल्की जयंती , वर्ण षष्ठी चातुर्मास , लड्डू दल आवाज

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कल्याण संस्था और नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से मनाया राष्ट्रीय गौरव का उत्सव

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। वयोवृद्ध संगठन कल्याण संस्था और इसकी नई सिस्टर कंसर्न नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन ने आज संयुक्त रूप से एक भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन एकता और देशभक्ति का जीवंत प्रदर्शन था। कार्यक्रम का नेतृत्व आरोही रावत (संस्थापक एवं अध्यक्ष) ने सचिव गोमती कोल्हापुरी और कोषाध्यक्ष आदित्य रावत के साथ किया।

समारोह में सम्मानित अतिथियों डॉ. संतोष गुरु, सी. संतोष यादव तथा सुब्रमण्य स्वामी मंदिर के पूर्व अध्यक्ष (मरेडपल्ली)ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समर्पित सदस्य ज्योति शर्मा, गीता बिष्ट, पुष्पा धामी, मीना बिष्ट और जानवी वोहरा के साथ अन्य एनजीओ सदस्य तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्ति भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित रहे।

उत्सव की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान गाने के साथ हुई, जिससे गर्व की गहन भावना जागृत हुई। समारोह के बाद मिठाई वितरण से सभी उपस्थित लोगों के चेहरे पर मुस्कान आई और सामुदायिक बंधन की भावना को बल मिला।

सभा के दौरान नेतृत्व ने अपने सहयोगात्मक भविष्य की योजनाओं, मिशन और विजन को साझा किया। कल्याण संस्था की समृद्ध विरासत पर आधारित नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन की शुरुआत वंचित समुदायों को सशक्त बनाने, शैक्षिक पहलों को आगे बढ़ाने और सतत सामाजिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में नई ऊर्जा लेकर आई है। गणमान्य व्यक्तियों ने दोनों संगठनों की निरंतर समर्पण की सराहना की और युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम प्रेरणादायक नोट पर समाप्त हुआ, जिसमें उज्जवल भविष्य के प्रति साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत किया गया। इस अवसर पर संस्थापक एवं अध्यक्ष आरोही रावत, सदस्य ज्योति शर्मा, गीता बिष्ट, पुष्पा धामी, मीना बिष्ट, जानवी वोहरा, सचिव गोमती कोल्हापुरी, कोषाध्यक्ष आदित्य रावत तथा सम्मानित अतिथि डॉ. संतोष गुरु उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। 15 अगस्त को मार्गदर्शिनी कॉलोनी, रसूलपुरा, सिकंदराबाद में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह में केशव रेड्डी गारु, सोसायटी अध्यक्ष अविनाश भंडारी, मुकेश कटारिया, प्रकाशमल भंडारी, रमेश पी. तातेड, मनोज भोडतरिया, अजित दोशी, देवेंद्र, प्रितेश मेहता, रितेश तातेड, तपन, हिया, जिन्नय तातेड एवं जैना जैन सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम में ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के बाद भारत माता की पूजा की गई तथा उपस्थितजनों में लड्डुओं का वितरण किया गया। समारोह में सभी ने देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। रमेश पी. तातेड, सिरोही ने बताया कि आजाद मैदान, 1939, जैन मंदिर गली, सिरोही में नाकोड़ा भैरव मंडल द्वारा ध्वजारोहण किया गया, जिसमें नितेश सिंघवी (लाला), आशुतोषजी पटनी, धानेटियाजी सहित अन्य श्रावक–श्राविकाएं उपस्थित रहे।

इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों स्वर्गीय श्री गोकुल भाई दौलतरामजी भट्ट, स्वर्गीय श्री पुखरजजी जुहारमालजी सिंघी, स्वर्गीय श्री धर्मचंदजी प्रतापचंदजी सुराणा, स्वर्गीय श्री धनराजजी झालमचंदजी तातेड, स्वर्गीय श्री ताराचंदजी तिलोकचंदजी दोशी, स्वर्गीय श्री बाबूमलजी भबुतमलजी शाहजी एवं स्वर्गीय श्री खुशालचंदजी शाह सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। संपूर्ण चातुर्मास के लाभार्थी श्रीमती टीपूबाई अभयचंद भानाजी परिवार, जयंतीलाल जैन एवं महेंद्र जैन परिवार, सिरोही–नारादरा–चेन्नई द्वारा विभिन्न स्थानों पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लड्डू, फल, बिस्किट एवं जूस का वितरण किया गया। इस अवसर पर जय विक्रम हरण, अरविंद भाई, दिनेश शाह एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सिरोही एवं सिरोही जिले के जैन अर्धशत्रुंजय तीर्थों तथा सनातन तीर्थों का कई साधु–संत अपने प्रवचनों में उल्लेख करते हैं, जो सिरोही की पावन भूमि के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

पॉवरग्रिड ने मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पॉवरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली–1 (दक्षिणी क्षेत्र–1) ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में फैले अपने सभी प्रतिष्ठानों में 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया। दक्षिणी क्षेत्र–1 के क्षेत्रीय मुख्यालय, सिकंदराबाद में आयोजित मुख्य समारोह में कार्यपालक निदेशक डोमन यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए डोमन यादव ने कहा, स्वतंत्रता दिवस केवल हमारे गौरवशाली अतीत का उत्सव नहीं है, बल्कि यह भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराता है।

उन्होंने कहा कि भारत ने प्रौद्योगिकी, आधारभूत संरचना, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसके बावजूद गरीबी, बेरोजगारी, असमानता और पर्यावरणीय क्षरण जैसी चुनौतियां अभी भी विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए, संविधान का सम्मान करना चाहिए, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि एक समृद्ध, समावेशी, आत्मनिर्भर और एकजुट भारत का निर्माण हो सके।

डोमन यादव ने कहा कि आइए, राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराएं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए मिलकर कार्य करें।

इस अवसर पर टी.वी.एस. प्रवीण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (एएम); अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन); बी.बी. रथ, मुख्य महाप्रबंधक (पीईएसएम); टी.एस.सी. राव, मुख्य महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग) सहित पावरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी, कर्मचारीगण, उनके परिवार के सदस्य एवं बच्चे उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतर्गत पावरग्रिड कर्मचारी कल्याण संघ (पीईडब्ल्यूए) एवं दीपशिखा महिला समिति (डीएसएमएस) द्वारा विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। समारोह देशभक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

तेजस्वी नगर, अत्तापुर में संजय महाराज, लड्डूभाई, रविकिरण और राजूभाई द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालूराम काग, उपाध्यक्ष वक्ताराम पंवार, सचिव डायाराम लचेटा, सह–सचिव राजाराम गेहलोत, सलाहकार पुनाराम हाम्बड़, ओगड़राम सैणचा, तेजाराम काग, रताराम सोलंकी, जरूपराम, अर्जुन सिंह राठौड़, खीवाराम गेहलोत, पुनाराम पंवार, ताराराम भायल, देवाराम परिहारिया, पाबूराम परिहारिया, मुलाराम, कंचन देवी काग, राधा राठौड़, सुनीता काग एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, सिकंदराबाद द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

बालाजीनगर स्थित श्री आईजी गौशाला में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सह–सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, भंवरलाल मुलेवा, भगाराम मुलेवा, मांगीलाल परिहारिया, किशनलाल पंवार, ओमप्रकाश काग, बगदाराम काग, मोहनलाल भायल, अचलाराम हाम्बड़, महेंद्र काग, अन्नाराम राठौड़, मुकेश हाम्बड़, किरण परिहार, हरिकेश यादव, विजय यादव, महिला मंडल से प्रेमादेवी सानपुरा, उर्मिला पंवार, पूजा पंवार एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एचपीएस बेगमपेट में नया भारत के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। द हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट में 80वें स्वतंत्रता दिवस को देशभक्ति और नवाचार की भावना के साथ मनाया गया। मुख्य आकर्षण रहा नाट्य प्रस्तुति ङ्गनया भारतफ़, जिसमें नाटक, संगीत, नृत्य और टेब्लो के जरिए विकसित भारत 2047 की यात्रा को जीवंत रूप में दिखाया गया।

चार छात्रों के जादुई संग्रहालय रोमांच वाली इस प्रस्तुति में ऐतिहासिक और समकालीन व्यक्तित्वों से मुलाकात कराई गई। इसका समापन दर्शकों से पूछे गए प्रश्न आप अगला अध्याय कैसे लिखेंगे? के साथ हुआ।प्रधानाचार्य डॉ. स्कंद बाली ने छात्रों से वैयक्तिकता बनाए रखते हुए तकनीकी प्रगति अपनाने और नागरिक जिम्मेदारी निभाने की अपील की। उप–प्रधानाचार्य सुश्री अमृता चंद्रा राजू ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों को अतीत से सीखकर भविष्य गढ़ने की प्रेरणा देता है। समारोह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

सिखवाल प्रगति समाज के ऋषि श्रृंग भवन में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल प्रगति समाज के ऋष्य श्रृंग भवन, फीलखाना में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति एवं समाजबंधुओं ने उपस्थित होकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्री श्रीरंग ओझा के करकमलों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने राष्ट्रध्वज को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में सिखवाल प्रगति समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, सोहनलाल जोशी, विष्णुगोपाल तिवारी, चंद्रभान व्यास, अनिल जायलवाल, शेषमल कायत, अनिल तड़बा तिवारी, चंपालाल ओझा, संदीप जायलवाल, रामदेव व्यास (डॉन), महावीर व्यास, चेतन तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, अमरचंद जायलवाल, विजय शर्मा पांडेय, शीला शर्मा सिखवाल, प्रमिला नागला सहित अनेक समाजबंधु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को याद करने का भी पर्व है। समाज की प्रगति, सामाजिक एकता, संस्कारों के संरक्षण तथा राष्ट्रहित में सकारात्मक योगदान देने का संकल्प ही स्वतंत्रता दिवस की वास्तविक भावना है।

कार्यक्रम के अंत में विजय कुमार उपाध्याय ने सभी उपस्थित समाजबंधुओं एवं गणमान्यजनों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी के साथ कार्यक्रम का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

बेगम बाजार स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में राजस्थान के पूनरासर धाम के पुजारी मोतीलाल जी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर चेतन आकाशी गिरी के साथ उपस्थित जेठमल सोनी, सुरेश कुमार सोनी एवं अभिषेक सोनी ।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 17 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल द्वारा

मल्लापुर में 171वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां, नाचराम-मल्लापुर शाखा के सहयोग से 171वां निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर मल्लापुर मुख्य सड़क स्थित श्री वागदेवी टेक्नो स्कूल में आयोजित किया गया।

यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट के हृदय रोग एवं हड्डी रोग विशेषज्ञों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी एवं आरबीएस जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान डॉ. लक्ष्मी, डॉ. चंटी, नर्सिंग स्टाफ निकिता, अनुषा, रानी एवं मल्लेश्वरी ने सेवाएं प्रदान कीं। 2डी इको तकनीशियन भानुश्री, बीएमडी तकनीशियन डेविड एवं मोहन तथा विपणन विभाग से उदय ने सहयोग दिया।

इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुड़ा द्वारा 160 लोगों के नेत्रों की जांच की गई। इनमें 48 लोगों को चश्मे वितरित किए गए, जबकि 8 लोगों के निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य में अजीत कश्यप, राजू के., भास्कर, साई एवं हरिदिया ने सेवाएं प्रदान कीं।

शिविर में डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा दी गई।

दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा की गई। इस मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का कुल 231 लोगों ने लाभ उठाया।

शिविर को सफल बनाने में अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार एवं पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी. पित्ती, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, अजीत गुप्ता, विनय सी. अग्रवाल, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल तथा अग्रवाल समाज, तेलंगाना के संयुक्त सचिव प्रतीक नारसरिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्थानीय भागीदार अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां, नाचराम-मल्लापुर शाखा, तेलंगाना की ओर से सुनैना नरसरिया, निशा गुप्ता एवं माया नरसरिया ने सहयोग प्रदान किया।

शिविर आयोजन में श्री वागदेवी टेक्नो स्कूल के ए. श्रीनिवास राव, श्रीमती मलाती, मधु कुमार, सरल, रोजा, लक्ष्मी, किरण कुमार एवं सभी सहयोगी स्टाफ ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्वयंसेवकों में मधु अग्रवाल, अनीका अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, चंद्रकांत नारसरिया, सुरेश जगानी एवं राम अग्रवाल ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अलावा समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव एवं पित्ती लेमिनेशन के सदस्यों ने भी शिविर को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना हमारा दायित्व : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष सेवा एवं राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित सदस्यों ने राष्ट्रगान के साथ देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना दिखाई दी।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उन वीर महापुरुषों के त्याग, तपस्या और बलिदान को स्मरण करने का पावन दिन है, जिन्होंने भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश की आजादी अनगिनत वीर सपूतों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। लाखों लोगों ने अपना घर-परिवार, सुख-सुविधाएं और यहां तक कि अपने प्राण तक देश के लिए समर्पित कर दिए, तब जाकर हमें स्वतंत्र भारत में सांस लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र वातावरण में अपने जीवन को आगे बढ़ा रहे हैं, उसके पीछे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का महान त्याग छिपा हुआ है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश के अमर वीरों के बलिदान को कभी न भूले और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का वास्तविक सम्मान तभी होगा, जब हम अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें और राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने में अपना योगदान दें।उन्होंने कहा कि समाज में सेवा और संस्कार की भावना को मजबूत करना भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, महेश गोयल, लता गोयल, मीना अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, परी अग्रवाल एवं नीलम विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

एनआईपीएचएम में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत स्वायत्त संस्थान, राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद में 15 अगस्त 2026 को 80वां स्वतंत्रता दिवस गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान की महानिदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती, एनआईपीएचएम के कर्मचारी एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतर्गत 12 अगस्त 2026 को कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान वर्ष भर चलने वाले स्मरणोत्सव के तहत राष्ट्रीय गीत ङ्ग्वंदे मातरम्फ का सामूहिक प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में हैदराबाद के सरकारी माध्यमिक विद्यालय, बुदवेल के कक्षा 10वीं में अध्ययनरत स्कूली बच्चों ने भी एनआईपीएचएम के कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपने मनमोहक गायन एवं नृत्य प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में एनआईपीएचएम की महानिदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती ने सभी के जीवन में स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थान की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि एनआईपीएचएम ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 295 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में पादप संरक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों पर लगभग 11,323 हितधारकों को प्रशिक्षित किया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता में भाग लेने वाले स्कूली बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।देशभक्ति, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर इस आयोजन के साथ एनआईपीएचएम में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

श्री जैन श्रावक संघ, कोरा के तत्वावधान में एवं महासती आगमश्रीजी म.सा. तथा धैर्याश्रीजी म.सा. के पावन सान्निध्य में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया।

क्षत्रिय राजपूत सभा, हैदराबाद में स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्षत्रिय राजपूत सभा, हैदराबाद के सभा कार्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। सभा के अध्यक्ष ठाकुर जयवीर सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए योगदान देने का आह्वान किया।

इसके पश्चात सभा का ध्वज ट्रस्टी टी. प्रेम सिंह, सी. संपत सिंह एवं पुष्पराज सिंह ब्यास द्वारा फहराया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष एस. नरेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष टी. नरेंद्र सिंह, सचिव टी. अरुण सिंह, टी. भवानी सिंह एवं मुरली मोहन सिंह सहित अनेक पदाधिकारी, बस्ती शाखा समितियों एवं महिला विभाग की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

अग्रवाल शिक्षा समिति में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति के प्रांगण में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य रूप से मनाया गया। समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने पद संचालन तथा विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट कर सलामी दी।

समिति के मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर एवं अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अनुशासन एवं राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के मेधावी विद्यार्थियों को एल.एन. गुप्ता मेरिट पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर भारती नागरिक संघ के तत्वावधान में वनस्थलीपुरम की शारदा नगर कॉलोनी में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष एन.के. सिंह ने ध्वजारोहण किया और अपने संबोधन में आजादी के लिए अपनी जान की आहुति देने वाले वीर जवानों को सत-सत नमन किया। समारोह में संघ के अध्यक्ष एन.के. सिंह, नंदकिशोर सिंह, डॉ. अप्पा राव, श्रीनिवास, श्री लता, पी. सुरेश, सूर्यांश, गायत्री, लक्ष्जीत, छवि तथा अन्य उपस्थित हुए। आए हुए अतिथियों में मिठाईयां और समोसे वितरित किए गए।

मौजमजाही मार्केट में तिरंगे को सलामी देते हुए जिला परिषद के अध्यक्ष मोथा रोहित, सचिव पृथ्वी गुप्ता तथा साहिल सिंह सहित अन्य।

विधायक भीमराव केराम का जन्मदिन बना जनसेवा का महोत्सव

3,500 लोगों की नेत्र जांच, 1,243 मुफ्त चश्मों का वितरण और 500 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

मोतियाबिंद से पीड़ित 800 मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था, एम्बुलेंस का भी हुआ लोकार्पण

किनवट, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले चालीस वर्षों से एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में जनता के बीच सक्रिय किनवट-माहुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक भीमराव केराम ने कहा कि उन्हें जनता के प्यार, विश्वास और आशीर्वाद ने पाला-पोसा है और वे अपने पूरे जीवन में जनता द्वारा दिए गए इस प्यार का कर्ज कभी नहीं चुका पाएंगे। विधायक केराम अपने जन्मदिन के अवसर पर आयोजित अभिष्टचिंतन समारोह में भावुक होकर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक भीमराव केराम ने कहा कि वे सामाजिक मुद्दे ही मेरी समस्या हैं की भावना के साथ निरंतर जनसेवा कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जन्मदिन केवल शुभकामनाएं और बधाइयां स्वीकार करने का दिन नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे गरीबों और जरूरतमंदों के लिए उपयोगी सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया। विधायक भीमराव केराम के जन्मदिन के अवसर पर नागपुर स्थित डॉ. महात्मे ट्रस्ट और संदेश भाऊ केराम सोशल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर को नागरिकों का भरपूर सहयोग और उत्साहपूर्ण प्रतिसाद प्राप्त हुआ।

विधायक केराम ने शिविर के सफल आयोजन के लिए स्वास्थ्य राजदूत अमन कुंडगीर और संदेश भाऊ केराम सोशल फाउंडेशन की पूरी टीम की विशेष रूप से सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिविर में सेवा देने वाले जनाई जीएनएम कॉलेज, किनवट के विद्यार्थियों के परोपकारी योगदान की भी प्रशंसा की। 14 अगस्त को आयोजित नेत्र जांच शिविर में लगभग 3,500 लोगों की आंखों की जांच की गई। जांच के दौरान 800 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की गई। इन मरीजों को ऑपरेशन के लिए नागपुर ले जाने और ऑपरेशन के बाद वापस उनके स्थान तक पहुंचाने की व्यवस्था वाहन के माध्यम से की जाएगी।

नेत्र जांच के पश्चात 1,243 लोगों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। गौरतलब है कि शिविर के दौरान आदिवासी क्षेत्र के सिकल सेल रोग से पीड़ित 17 मरीजों की भी जांच की गई।

15 अगस्त को विधायक भीमराव केराम के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में 500 से अधिक रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। जन्मदिन को जनसेवा और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की इस पहल की क्षेत्र में व्यापक सराहना की जा रही है। इसके अलावा, माहुर के पार्षद गोपु महामूने द्वारा विधायक भीमराव केराम के जन्मदिन के अवसर पर एक एम्बुलेंस का लोकार्पण किया गया। वहीं, पूर्व नगराध्यक्ष आनंद मच्छेवार की ओर से साईबाबा मंदिर में विधायक केराम का शर्करातुला भी किया गया।

विभिन्न आयोजनों को सफल बनाने में जंगोरायताड़ प्रतिष्ठान के प्रमुख अधिवक्ता प्रतीक केराम और उनकी टीम ने भी सेवाभाव के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अपने जन्मदिन को लेकर विधायक भीमराव केराम ने केवल शुभकामनाएं और बधाइयां स्वीकार करने के बजाय स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से सामाजिक सेवा की अनेक पहल को लागू कर जनसेवा को प्राथमिकता देने का आदर्श प्रस्तुत किया है। उनकी इस स्वास्थ्य सेवा पहल की सभी स्तरों पर सराहना हो रही है, क्योंकि हजारों नागरिकों को नेत्र जांच, निःशुल्क चश्मे, मोतियाबिंद ऑपरेशन तथा रक्तदान शिविर जैसी विभिन्न पहलों का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ है।

चूड़ी बाजार चौरास्ता पर ध्वज वंदन करते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, आकाश यादव, वीरेश सेठ, विष्णु दास, पवन साहू, परम यादव, बाबू यादव, शेखर अन्ना, बब्बू एवं अजय यादव।

आशीर्वाद सेवा टीम द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हैदराबाद चिल्ड्रन्स एड सोसाइटी, शिवरामपल्ली, हैदराबाद में भव्य ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आशीर्वाद सेवा टीम को ध्वजारोहण करने का गौरव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में बच्चों एवं उपस्थित सदस्यों ने राष्ट्रगान के साथ देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं प्रगति के प्रति अपने संकल्प को दो-हराया।

स्वतंत्रता दिवस पर देवनार स्कूल के विद्यार्थियों के साथ मनाया उत्सव

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देवनार स्कूल के विद्यार्थियों के बीच मिठाई वितरित कर राष्ट्रभक्ति एवं उल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रप्रेम, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सुभाष अग्रवाल एवं प्रमोद अग्रवाल ने देवनार स्कूल के संस्थापक श्री साई कुमार गौड़ से आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर सामाजिक सेवा, शिक्षा एवं समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। भेंट के दौरान शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण, समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देने तथा जरूरतमंद वर्गों के सहयोग सहित विभिन्न सामाजिक सरोकारों पर विचार-विमर्श किया गया। यह आत्मीय मुलाकात आपसी सद्भाव, सेवा भावना और सामाजिक दायित्वों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से विद्यार्थियों के बीच मिठाई वितरण का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस की खुशी को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना तथा बच्चों में राष्ट्रप्रेम, संस्कार और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा का मां बनभौरी परिवार, भाग्यनगर हैदराबाद द्वारा रामकोट सर्कल पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्य श्री मांगे राम तायल जी का सम्मान भी किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एनटीए...

बॉम्बे हाईकोर्ट क्लर्क भर्ती परीक्षा में भी तकनीकी गड़बड़ी का आरोप

दूसरी ओर, महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में बॉम्बे हाईकोर्ट की क्लर्क भर्ती के लिए आयोजित टाइपिंग परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ियों और सर्वर की समस्या का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया और दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। उम्मीदवारों ने कंप्यूटर, माउस, कीबोर्ड और सर्वर में खराबी के आरोप लगाए। कुछ अभ्यर्थियों ने दावा किया कि परीक्षा शुरू होने के करीब 10 मिनट के भीतर वे सिस्टम से लॉगआउट हो गए, जिसके बाद उन्हें बिना किसी गलती के असफल घोषित कर दिया गया। हाईकोर्ट प्रशासन ने औरंगाबाद और कल्याण के कुछ केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं की जानकारी मिलने की बात स्वीकार की है। प्रशासन के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जानकारी अभ्यर्थियों को आधिकारिक रूप से दी जाएगी।

स्क्रीन पीली होने और कीबोर्ड बंद होने की शिकायत

अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा के दौरान कुछ कंप्यूटर ठीक से काम नहीं कर रहे थे। कुछ उम्मीदवारों ने स्क्रीन पीली पड़ने की शिकायत की, जबकि कुछ ने बताया कि उनके कीबोर्ड और माउस ने काम करना बंद कर दिया।

कथित गड़बड़ी सुबह 10 बजे से 11.15 बजे के बीच आयोजित सत्र में सामने आई। छत्रपति संभाजीनगर के विभिन्न केंद्रों पर मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्र के करीब 2,900 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। वहीं, महाराष्ट्र में लगभग 13,000 अभ्यर्थी तीन सत्रों में आयोजित परीक्षा के लिए पात्र थे।यह भर्ती बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर और औरंगाबाद पीठों के अंतर्गत क्लर्क के लगभग 1,300 पदों के लिए आयोजित की जा रही है।

अभिजीत दिपके की एंट्री

गड़बड़ी की जानकारी मिलने के बाद सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके छत्रपति संभाजीनगर के सुरानानगर क्षेत्र स्थित परीक्षा केंद्र पहुंचे और अभ्यर्थियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बीड, अंबाजोगाई, अमरावती, लातूर सहित महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे।

अभ्यर्थियों ने दावा किया कि कंप्यूटर, कीबोर्ड और सर्वर में खराबी के कारण वे परीक्षा ठीक से नहीं दे सके। कई उम्मीदवारों ने आरोप लगाया कि तकनीकी खराबी के बावजूद उन्हें असफल घोषित कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने प्रभावित अभ्यर्थियों की परीक्षा दोबारा कराने की मांग की।

हालांकि, बॉम्बे हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार (कार्मिक) की ओर से जारी सूचना में कहा गया कि एजेंसी के माध्यम से क्लर्क पद के लिए टाइपिंग परीक्षा सामान्य रूप से आयोजित की गई। साथ ही यह भी स्वीकार किया गया कि कुछ परीक्षा केंद्रों, विशेष रूप से औरंगाबाद और कल्याण में तकनीकी समस्याओं की जानकारी मिली है।

हाईकोर्ट प्रशासन ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान एजेंसी की ओर से हुई संभावित तकनीकी समस्याओं की जांच की जा रही है और उचित कार्रवाई के संबंध में अभ्यर्थियों को आधिकारिक रूप से सूचित किया जाएगा।

'ऑनलाइन परीक्षा कराना बस की बात नहीं तो परीक्षा क्यों लेते हैं?'

अभिजीत दिपके ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि महाराष्ट्र में हाईकोर्ट की ऑनलाइन परीक्षा के दौरान व्यापक अव्यवस्था फैल गई। उन्होंने कहा कि सर्वर की समस्या के कारण कई अभ्यर्थियों को असफल घोषित कर दिया गया और अनेक परीक्षा केंद्रों पर कंप्यूटर भी ठीक से काम नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब तक प्रभावित अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा कराने की मांग पूरी नहीं होती, तब तक वे उनके प्रदर्शन का समर्थन करते रहेंगे।

दिपके ने दावा किया कि परीक्षा शुरू होने के बाद कुछ कंप्यूटर, माउस और कीबोर्ड ठीक से काम नहीं कर रहे थे, जबकि कुछ स्थानों पर स्क्रीन संबंधी समस्याएं भी सामने आईं। उनके अनुसार, कई अभ्यर्थी परीक्षा शुरू होने के लगभग 10 मिनट के भीतर ही सिस्टम से लॉगआउट हो गए।

उन्होंने इसे अभ्यर्थियों की नहीं, बल्कि परीक्षा व्यवस्था और तकनीकी प्रणाली की नाकामी बताया। दिपके ने आरोप लगाया कि शिकायत करने पर कुछ अधिकारियों ने उम्मीदवारों से कहा कि उन्हें परीक्षा देना नहीं आता।

उन्होंने सवाल उठाया कि यदि अधिकारी और परीक्षा एजेंसी अपनी व्यवस्था को लेकर सक्षम थे तो पहले से ठीक कंप्यूटर, कार्यशील कीबोर्ड और सुचारु सर्वर की व्यवस्था क्यों नहीं की गई।

लिखित रूप में दोबारा परीक्षा की घोषणा की मांग

अभिजीत दिपके ने मांग की कि प्रशासन तत्काल लिखित अधिसूचना जारी कर प्रभावित अभ्यर्थियों की परीक्षा दोबारा कराने की घोषणा करे। उन्होंने यह भी मांग की कि दोबारा परीक्षा उन्हीं खराब कंप्यूटरों पर आयोजित नहीं की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कई उम्मीदवार छह से सात महीनों से परीक्षा की तैयारी कर रहे थे और लंबी दूरी तय कर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे थे। ऐसे में तकनीकी खराबी के कारण उनका भविष्य प्रभावित होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिपके ने ऑनलाइन परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि प्रशासन कार्यशील कंप्यूटर और सुचारु सर्वर सुनिश्चित नहीं कर सकता, तो ऐसी ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित कर अभ्यर्थियों के भविष्य को खतरे में नहीं डालना चाहिए।

फिलहाल, हाईकोर्ट प्रशासन ने तकनीकी समस्याओं की जांच कराने की बात कही है और अभ्यर्थियों को आगे की कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी देने का आश्वासन दिया है। इस बीच, यूजीसी-नेट की तीन विषयों की परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने और बॉम्बे हाईकोर्ट क्लर्क भर्ती परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ियों के आरोपों ने देश की परीक्षा व्यवस्था और परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आशीष बनर्जी की ...

रामपुरहाट थाना पुलिस ने सुसाइड नोट की फोरेंसिक जांच कराने की बात कही है।

आशीष बनर्जी बंगाल की राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहे। वह बीरभूम के रामपुरहाट विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक निर्वाचित हुए थे। ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने विधानसभा के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभाली थी।

इसके अलावा ममता बनर्जी के पहली बार सत्ता में आने के बाद वह शिक्षा और कृषि विभाग के मंत्री भी रहे। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें भाजपा के ध्रुव साहा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

उनके अचानक निधन की खबर से राजनीतिक हलकों में शोक की लहर है। तृणमूल कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

वंदेमातरम्...

इस दौरान उन्होंने चित्तौड़गढ़ समेत 15 जिलों के 5,659 करोड़ रुपये के 944 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। इसके बाद अमित शाह अलवर पहुंचे, जहां उन्होंने सरस डेयरी के नए संयंत्र का शिलान्यास किया। साथ ही जयपुर डेयरी के आधुनिकीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया।

एक दिन में 11,953 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

अमित शाह ने कहा कि राजस्थान में एक ही दिन में 11,953 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है। उन्होंने इसे डबल इंजन की सरकार की उपलब्धि बताया। शाह ने अलवर मेडिकल कॉलेज का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखने की घोषणा भी की।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि वे आपसी झगड़ों में ही लगे हैं। शाह ने कहा, मैं आज कह जाता हूं कि कांग्रेस वालों, आपका सूपड़ा साफ होने वाला है।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक संकल्प के साथ ज्ञान के विजन को पूरा करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने ज्ञान का अर्थ गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी बताया। शाह ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इन चारों वर्गों को सशक्त बनाना आवश्यक है।अलवर में अमित शाह के दौरे को लेकर खैरथल-तिजारा कांग्रेस अध्यक्ष समेत कई नेत-ाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें रातभर होटल में नजरबंद रखा गया। अलवर में शाह की सभा स्थल की ओर जा रहे कांग्रेस नेता दीनबंधु शर्मा को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बताया गया कि दीनबंधु शर्मा ने विरोध स्वरूप काले गुब्बारे आसमान में उड़ाने का प्रयास किया था।

कांग्रेस का ...

'वंदे मातरम्' का नारा लगाने पर लाठियां बरसाई गईं, तब कांग्रेस ने ही इस गीत के जरिए आजादी का बिगुल फूंका था। खेड़ा ने कहा, उस समय संघ से जुड़े लोग या तो दुम दबाकर भाग गए या फिर अपने ब्रिटिश आकाओं को खुश करने में लगे थे। कांग्रेस के कई नेताओं ने इंटरनेट मीडिया पर 10 दिसंबर, 2025 को राज्यसभा में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने पर हुई बहस के दौरान जयराम रमेश के भाषण का वीडियो अंश भी साझा किया है। बहस में हिस्सा लेते हुए रमेश ने सत्तारूढ़ भाजपा पर इतिहास को गलत तरीके से पेश करने और देश के लिए अपनी जान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान करने का आरोप लगाया था। उधर, कोल्लम (केरल) में कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि भाजपा 'वंदे मातरम्' का इस्तेमाल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कर रही है।वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इस विषय पर स्पष्ट रुख है और 'वंदे मातरम्' महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और रवींद्रनाथ ठाकुर के सहयोग से अस्तित्व में आया।

उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह 'वंदे मातरम्' के मुद्दे को विभाजनकारी एजेंडे के तहत उठा रही है। उन्होंने कहा कि असली मुद्दों को किनारे करने और लोगों को सांप्रदायिकता एवं जातिवाद की ओर धकेलने का जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है।

शाहरुख, अजय...

इसके तहत पान मसाला बनाने, रखने, लाने-ले जाने और बेचने पर रोक है।

हाल ही में 13 जुलाई 2026 को प्रतिबंध की अवधि फिर बढ़ाई गई। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे ने 12 जून को अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि संगठित गुटखा और तंबाकू नेटवर्क से जुड़े मामलों में पुलिस के साथ मिलकर ङ्गमकोकाफ अर्थात महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

इस तरह के विज्ञापन को सरोगेट विज्ञापन कहा जाता है। इसका अर्थ है किसी ऐसे उत्पाद का सीधे विज्ञापन न करके उसी ब्रांड के किसी दूसरे उत्पाद का विज्ञापन करना, जैसे पान मसाला ब्रांड के नाम से इलायची का प्रचार।

इस प्रकार का विज्ञापन अपने आप में गलत नहीं माना जाता, लेकिन महाराष्ट्र में पान मसाले पर प्रतिबंध लागू होने के कारण एफडीए का कहना है कि राज्य में प्रतिबंधित पान मसाले का परोक्ष प्रचार भी नहीं किया जा सकता।

दो महीने में 15.11 करोड़ रुपये का प्रतिबंधित माल जब्त

महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाला के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। 25 मई से 31 जुलाई के बीच एफडीए के आंकड़ों के अनुसार 658 ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस दौरान 15.11 करोड़ रुपये का प्रतिबंधित स्टॉक जब्त किया गया। कुल 519 प्राथमिकी दर्ज कर 701 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा प्रतिबंधित माल के परिवहन में इस्तेमाल किए गए 78 वाहन, जिनकी कीमत लगभग 6.6 करोड़ रुपये बताई गई है, भी जब्त किए गए।

पहले भी विवादों में रहा है विमल इलायची अभियान

विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर पहले भी कानूनी और नियामकीय सवाल उठ चुके हैं। वर्ष 2018 में स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 के तहत ङ्गविमल इलायची का प्रचार करने वाली कंपनी विष्णु पाउच पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस भेजा था।

कंपनी ने अदालत में तर्क दिया था कि वह घरेलू बाजार में विमल ब्रांड नाम से तंबाकू उत्पादों का निर्माण नहीं करती है।जनवरी 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें कंपनी को तंबाकू रहित उत्पादों का विज्ञापन करने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने कहा था कि जब तक किसी उत्पाद पर संवैधानिक या कानूनी प्रतिबंध नहीं है, तब तक तंबाकू रहित पान मसाला का व्यापार करना कंपनी का मौलिक अधिकार है।

हसीना...

वर्ष 2024 के आंदोलन के दौरान बनी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के एक नेता ने कहा कि जब तक शेख हसीना के प्रत्यर्पण और भारत-बांग्लादेश संबंधों पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक तारिक रहमान को भारत नहीं जाना चाहिए। एनसीपी ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली में हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस भारत सरकार के प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन से हुई। पार्टी का कहना है कि दिल्ली से हसीना द्वारा दिए गए बयानों को केवल उनकी निजी राय नहीं माना जा सकता और इससे भारत के रुख का भी संकेत मिलता है।

भारत ने पहले ही दिया था दिल्ली आने का निमंत्रण

भारत की ओर से तारिक रहमान को दिल्ली आने का निमंत्रण पहले ही दिया जा चुका है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 17 फरवरी को तारिक रहमान के प्रधानमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में ढाका पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा था कि बंगाल की खाड़ी से जुड़े देशों के अंतरराष्ट्रीय संगठन के अध्यक्ष होने के नाते तारिक रहमान को सितंबर में नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने का भी निमंत्रण मिला है।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने 10 अगस्त को प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। दोनों के बीच कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान ढाका ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जल्द पूरी होने की उम्मीद भी जताई।

मुलाकात के बाद त्रिवेदी ने कहा था कि दोनों देश आगे की ओर देख रहे हैं और द्विपक्षीय संबंधों को लेकर सकारात्मक सोच है।

इसके कुछ ही घंटों बाद वह नई दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान की दिल्ली यात्रा को लेकर उम्मीदें बढ़ गई थीं, लेकिन अब ढाका के ताजा रुख के बाद उनका भारत दौरा फिलहाल टल गया है।

नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में80वें स्वतंत्रता दिवस का गर्वपूर्ण आयोजन किया गया। साथी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा राष्ट्र, एकता और देशभक्ति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

एमएचवी हाई स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित मारवाड़ी हिंदी विद्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के पूर्व छात्र पं. रामकृष्ण पांडेय ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। पं. रामकृष्ण पांडेय ने विद्यार्थियों को संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों एवं अधिकारों की जानकारी देते हुए शिक्षा, पुस्तकालय और परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

महामंत्री डॉ. संदीप साबू, नंदकिशोर व्यास, गोपालराज जैन एवं विश्वनाथ अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को राष्ट्रनिर्माण एवं एक अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर तिरंगा रैली भी निकाली गई, जिसे रंजन पटेल, विनोद ओझा, विमल जैन एवं डॉ. महेश शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समारोह का समापन आभार प्रदर्शन एवं मिठाई वितरण के साथ हुआ।

राष्ट्र चेतना का गान है वंदे मातरम् : अनुराग कृष्ण शास्त्री

रामेश्वरम, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव में कथा व्यास भागवत किंकर अनुराग कृष्ण शास्त्री ने कहा कि वंदे मातरम् केवल राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्र चेतना, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और देशभक्ति की अमर भावना का गान है। उन्होंने युवा पीढ़ी से देश के इतिहास, संस्कृति एवं स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कथा के दौरान गजेंद्र मोक्ष, राजा बलि उद्धार एवं भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्री सत्य साईं विद्या विहार हाई स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सत्य साईं विद्या विहार हाई स्कूल में आयोजित 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-दक्षिण भारत एवं तेलंगाना राज्य अध्यक्ष मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। मेजर जनरल राव ने विद्यार्थियों से विकसित भारत 2047, आत्मनिर्भर भारत एवं एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

विद्यालय परिवार ने उनके जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समारोह का समापन भगवान श्री सत्य साईं बाबा की आरती एवं भारत माता की जय के जयघोष के साथ हुआ।

आर्य कन्या विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से संपन्न

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आर्य कन्या विद्यालय, देवीदीन बाग, सुल्तान बाजार में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि लक्ष्मी रमन सक्सेना एवं विशेष अतिथि भरत मुनि वानप्रस्थी रहे।

छात्राओं ने मार्च पास्ट, ड्रिल डिस्प्ले एवं पिरामिड सहित आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी को प्रभावित किया। जयंत सेलवराज द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों ने कार्यक्रम में राष्ट्रप्रेम का उत्साह भर दिया।

मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि ने विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम और देश की एकता-अखंडता के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र प्रथमराष्ट्र सर्वोपरि के संदेश के साथ हुआ।

एसएसके समाज रहीमपुरा में झंडा वंदन के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य के रहीमपुरा स्थित एसएसके समाज ने 15 अगस्त को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडा वंदना कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष नागरी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, कोषाध्यक्ष शिव रतन, एडवोकेट विश्वनाथ, लक्ष्मीकांत, बीआरएस वरिष्ठ नेता एच. कुमार, नागरी सुरेंद्र, बरडी अशोक, बडेका महावीर, अजय चव्हाण, श्रुति वेंकटेश, श्रीगिरी बाबरू, गंबु नागराज, जित्री वित्तल, दगुड सुरेश, गुडी नरसिंह, डी. नरसिंह तथा महिला सदस्य रतन दीपा, जे.जे. सरस्वती सहित समाज के सदस्यों ने भाग लिया। सभी का स्वागत किया गया तथा बच्चों और समाज सदस्यों में मिठाई का वितरण किया गया।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने वितरित किए 40 राशन किट व उपयोगी वस्तुएं

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा हर माह की भांति अगस्त माह में 40 राशन किटों का वितरण किया गया। संस्था पिछले 14 महीनों से लगातार जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को राशन किट उपलब्ध कराकर सेवा कार्य कर रही है।

एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि हर माह की तरह इस माह भी रविवार को हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर में राशन किटों का वितरण किया गया। राशन के अतिरिक्त परिवारों के उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं भी वितरित की गईं।

इस अवसर पर राशन किटों के साथ अल्पाहार की प्लेटें, स्टील के डिब्बे, चॉकलेट आदि उपयोगी वस्तुएं भी वितरित की गईं।

राशन किट के प्रायोजकों में मंगतराय जी-रामकुमार जी परिवार, श्री राधेश्याम जी गुप्ता, श्री केदारनाथ जी अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार), पुरुषोत्तमदास जी-सुरेश कुमार जी पापड़िया (टंडन) तथा श्री महेंद्र कुमार जी डाबलावाले शामिल रहे।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि पिछले 14 महीनों से जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों में राशन किटों का वितरण किया जा रहा है। सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए नवंबर माह में राशन किटों के साथ कंबल वितरित किए गए थे, जबकि दिसंबर माह में स्वेटर बांटे गए।

जनवरी माह में संक्रांति त्योहार को ध्यान में रखते हुए साड़ियों का वितरण किया गया। फरवरी में चटाइयां तथा अन्य महीनों में प्लास्टिक की चौकी, पानी की बोतलें, रसोई की कड़ाही, प्लास्टिक की बाल्टियां, मग, प्लास्टिक की बुट्टियां आदि उपयोगी सामग्री वितरित की गई।

उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने संस्था द्वारा किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में प्रायोजक श्री राधेश्याम गुप्ता, श्री सुरेश कुमार टंडन, श्री केदारनाथ अग्रवाल, श्री महेंद्र कुमार डाबलावाले तथा श्री बजरंगलाल शर्मा उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, रतन गुप्ता, अशोक कुमार दादरीवाले, श्रीमती यशोदा गुप्ता, शारदा गुप्ता, बबीता अग्रवाल, संतोष अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार द्वारा सेवा प्रदान की गई।

संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने आगे बताया कि ऐसे अग्रबंधु परिवार, जिनकी मासिक आय 20 हजार रुपये से कम है तथा जो 10 हजार रुपये से कम किराए वाले मकान में रहते हैं, वे संस्था से संपर्क कर सकते हैं। ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राशन किट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

महान स्वतंत्रता सेनानी और वीरांगना रानी अवंतबाई लोधी जी की जयंती को गर्व और श्रद्धा के साथ मनाया गया।उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके असाधारण साहस, बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद किया गया। उनकी वीरता, देशभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणादायक विरासत पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती रहेगी।

भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ द्वारा आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा का काचीगुडा में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा सिटी उपाध्यक्ष रमेश यादव, राजस्थानी मित्र मंडल के रमेश कोठारी, मनोज कोठारी, द्वारका काबरा, श्याम डालिया, दिनेश एवं अन्य उपस्थित रहे।

शोभा देवी सांवरिया की पुण्य स्मृति में श्रद्धापूर्वक अन्नदान, सेवा के माध्यम से दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास स्वर्गीय श्रीमती शोभा देवी सांवरिया की पुण्य स्मृति में भावपूर्ण अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज की सेवा रमेश चंद सांवरिया एवं परिवार की ओर से श्रद्धापूर्वक की गई।

स्वर्गीय शोभा देवी सांवरिया की स्मृतियों को नमन करते हुए जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित किया गया। परिजनों ने सेवा और अन्नदान के माध्यम से अपने प्रियजन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह संदेश दिया कि अपनों की स्मृति को केवल शब्दों में नहीं, बल्कि मानव सेवा के पुण्य कार्यों के माध्यम से भी जीवंत रखा जा सकता है।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि किसी दिवंगत आत्मा की पुण्य स्मृति में किया गया अन्नदान जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने के साथ-साथ आत्मिक संतोष भी प्रदान करता है। सेवा का यह भाव समाज में मानवता, करुणा और संवेदनशीलता को मजबूत करता है।कार्यक्रम में नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, जगन गुप्ता, संजय गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष चिंडालिया एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

आजादी वीरों के बलिदान की अमूल्य विरासत है : राजमतीजी म.सा.

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में चल रहे आध्यात्मिक वर्षावास-2026 के दौरान 80वें स्वतंत्रता दिवस पर विशेष धर्मसभा आयोजित हुई। पूज्य साध्वीवृंद के सान्निध्य में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम और आध्यात्मिक स्वतंत्रता पर प्रेरक उद्बोधन दिए गए।

पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. ने कहा कि आजादी केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि अनगिनत वीरों के बलिदान की अमूल्य विरासत है। हमें देश की एकता, अखंडता और सम्मान को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए।

पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. एवं पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने भी देशभक्ति, नैतिकता, प्रेम, शांति, अहिंसा और राष्ट्र के प्रति समर्पण पर विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर श्री जैन महिला मंडल द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 25 बालक-बालिकाओं ने भाग लिया।

निर्णायक के रूप में श्रीमती लताजी पितालिया एवं श्रीमती ममताजी सांखला ने दायित्व निभाया।

धर्मसभा में विभिन्न जैन संघों एवं मंडलों के श्रावक-श्राविकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ।

गीत चाँदनी के 45वें वर्ष में 80वां स्वाधीनता दिवस समारोह एवं कवि गोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 15 अगस्त। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय एवं लोकप्रिय काव्य संस्था गीत चाँदनी के कार्यालय कवि भवन, अशोक मार्केट, सिद्दिअंबर बाज़ार में 80वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर भव्य ध्वजारोहण एवं कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं कवयित्री आशा ठाकुर ने ध्वजारोहण किया।गीत चाँदनी का यह 45वां वर्ष चल रहा है। संस्था के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक एवं कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए स्वाधीनता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कवयित्री विद्या दवे श्रीमाली, संतोष कुमार मिश्र ङ्गमाधुर्यफ एवं डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने राष्ट्र की सुरक्षा में कवियों की भूमिका विषय पर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए।स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्यालय के सहायक महाप्रबंधक श्री विनय कुमार सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर श्री के. एल. श्रीनिवास राव, श्री सुशील अमित एवं नितिन चौहान विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ कवयित्री आशा ठाकुर एवं कवयित्री हर्षलता दुधोड़िया द्वारा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। आयोजित कवि गोष्ठी में कवियों ने राष्ट्र की सुरक्षा में कवियों की भूमिका तथा राष्ट्रीय भावनाओं पर आधारित विशेष कविताओं का पाठ कर उपस्थित श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। काव्य पाठ करने वाले कवियों में संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, सत्यनारायण काकड़ा, गोविंद अक्षय, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, श्रीपूनम जोधपुरी, एस. के. जैन लौंगपुरिया, निधि झा, विद्या दवे श्रीमाली, आशा ठाकुर एवं सुशील अमित सहित अन्य कवियों के नाम सम्मिलित रहे।

ध्वजारोहणकर्ता कवयित्री आशा ठाकुर ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा में कवियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नकली दवाओं-मिलावटी खाने पर सख्ती, अविनाश मोहंती को कमान

नकली दवाओं के कारोबारियों पर अब सीधी कार्रवाई की तैयारी

खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण विभागों का होगा एकीकरण

पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम करेगी अचानक छापेमारी

पहले घनी आबादी वाले केंद्रीय शहरी क्षेत्र में चलेगा अभियान

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में नकली दवाओं, मिलावटी खाद्य पदार्थों और लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले कारोबारियों पर अब शिकंजा कसने की तैयारी है। राज्य सरकार खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण विभागों को एकीकृत कर 'टीजी सेफ' नाम से नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। इसकी कमान 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी अविनाश मोहंती को सौंपी गई है।

नई व्यवस्था के तहत खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण से जुड़े अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की जाएगी। इसमें पुलिस अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा। संयुक्त टीम अचानक छापेमारी, नमूने लेने, जांच और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करेगी।

15 अगस्त 2026 से 'टीजी सेफ' के तहत संयुक्त कार्रवाई शुरू होने की बात कही गई है। पहले चरण में घनी आबादी वाले केंद्रीय शहरी क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके बाद अभियान को पूरे तेलंगाना में विस्तार देने की तैयारी है।

नई व्यवस्था के तहत छह विशेष शाखाएं बनाई जाएंगी। इनमें प्रयोगशाला जांच, निगरानी, प्रवर्तन और कानूनी कार्रवाई जैसी जिम्मेदारियां शामिल होंगी। इससे मिलावटी खाद्य सामग्री और नकली दवाओं का कारोबार करने वालों पर कार्रवाई का दायरा बढ़ने की उम्मीद है।

मिलावटी खाद्य पदार्थ और नकली दवाएं केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सीधे जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मामला हैं। ऐसे में खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण व्यवस्था को पुलिस तंत्र से जोड़ने का फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई व्यवस्था में कागजी कार्रवाई और खानापूर्ति के बजाय अचानक छापेमारी, वैज्ञानिक जांच और कानूनी कार्रवाई पर जोर रहेगा।

अविनाश मोहंती को सख्त और समर्पित अधिकारी के रूप में जाना जाता है। ऐसे में 'टीजी सेफ' की कमान उनके हाथों में आने से अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज होने की उम्मीद है। हालांकि, नई व्यवस्था की वास्तविक प्रभावशीलता छापेमारी से अधिक जांच के बाद दोषियों के खिलाफ होने वाली ठोस और निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई से तय होगी।

धोखाधड़ी के आरोप में युवक गिरफ्तार

60 लाख की मदद का भरोसा, संपत्ति पर 1.50 करोड़ का बैंक ऋण,

बैंक ऋण दिलाने के नाम पर कथित ठगी का मामला,

संपत्ति के दस्तावेज लेकर दूसरे व्यक्ति के नाम बिक्री का आरोप

उसी संपत्ति पर एक्सिस बैंक से 1.50 करोड़ का ऋण

30 से अधिक लोगों से करीब 10 करोड़ की कथित ठगी का पुलिस का दावा

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में धोखाधड़ी का अनोखा मामला सामने आया है ।बैंक ऋण दिलाने और आर्थिक मदद का भरोसा देकर कथित तौर पर लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले में केंद्रीय अपराध स्टेशन पुलिस ने नुनावत युगंधर (34) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक, युगंधर ने एक शिकायतकर्ता को 60 लाख की आर्थिक सहायता दिलाने का भरोसा दिया था। इसके बाद संपत्ति से संबंधित बिक्री विलेख और समझौता ज्ञापन तैयार कराया गया। आरोप है कि समझौते में संपत्ति को आगे नहीं बेचने की शर्त होने के बावजूद आरोपी ने कथित तौर पर वही संपत्ति दूसरे व्यक्ति के नाम कर दी।

इसके बाद उसी संपत्ति को आधार बनाकर एक्सिस बैंक से करीब 1.50 करोड़ का ऋण लिया गया। ऋण की अदायगी नहीं होने पर बैंक की ओर से शिकायतकर्ता को वसूली संबंधी सूचना मिली। इसके बाद कथित धोखाधड़ी का खुलासा हुआ और शिकायत पुलिस तक पहुंची।

जांच में पुलिस ने संपत्ति के दस्तावेजों, बैंक ऋण और संबंधित वित्तीय लेन-देन की जानकारी जुटाई। पुलिस का कहना है कि युगंधर पर इसी तरह कई लोगों को ऋण दिलाने का भरोसा देकर कथित धोखाधड़ी करने के आरोप हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा दीवानी मामलों और परक्राम्य लिखत अधिनियम से जुड़े आठ मामले भी बताए गए हैं। पुलिस का दावा है कि 30 से अधिक लोगों से कथित धोखाधड़ी में कुल रकम करीब 10 करोड़ तक पहुंच सकती है।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस अब अन्य कथित पीड़ितों, संपत्ति के लेन-देन और बैंक ऋण से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है।

वृद्धजनों के साथ तेरापंथ कन्या मंडल का आत्मीय सेवा एवं सद्भावना कार्यक्रम

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल के निर्देशानुसार उपनिषद-2 कार्यक्रम के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल, हैदराबाद द्वारा जैन सेवाश्रम, कुशल दादावाड़ी जैन मंदिर तीर्थ में वृद्धजनों के साथ आत्मीय सेवा एवं सद्भावना कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में 10 कन्याओं एवं 2 प्रभारियों ने आश्रम के 29 वृद्धजनों के साथ प्रेम, आत्मीयता और अपनत्व के भाव से समय बिताया।

कार्यक्रम के दौरान कन्याओं ने वृद्धजनों की जीवन-यात्रा को सुना तथा उनके अनुभवों को आत्मीयता से जाना। कन्याओं ने वृद्धजनों के साथ विभिन्न खेल खेले, गीत गाए एवं उन्हें भोजन भी करवाया।

इस अवसर पर वृद्धजनों को बिस्किट, बादाम मिल्क, फल एवं वस्त्र भेंट कर उनके साथ खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम में जैन सेवा संघ महिला विभाग की सदस्य ने आश्रम की व्यवस्थाओं एवं वहां संचालित सेवा कार्यों की जानकारी भी साझा की।

यह कार्यक्रम केवल सेवा का एक आयोजन नहीं, बल्कि दो पीढ़ियों के बीच स्नेह, अपनत्व और भावनाओं का सुंदर मिलन बन गया।

कन्याओं ने वृद्धजनों को अपने समय के कुछ आत्मीय पल दिए और बदले में जीवनभर याद रहने वाले उनके स्नेहिल आशीर्वाद प्राप्त किए।

कई कन्याएं इस अवसर पर भावुक हो उठीं और वृद्धजनों के प्रेम, स्नेह एवं आशीर्वाद से अभिभूत हो गईं। कार्यक्रम ने सेवा, सद्भावना और मानवीय संवेदनाओं का एक सुंदर संदेश दिया।

पुलिस ने ताले तोड़कर चोरी करने वाले पारधी गिरोह दबोचा

शंकरपल्ली, 16 अगस्त 2026: शंकरपल्ली पुलिस ने ताले बंद मकानों और शटरों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी शंकरपल्ली पुलिस स्टेशन सीमा में एलवर्थी गांव में हुई चोरी की शिकायत के सिलसिले में की गई।

अपराध का तरीका आरोपी एलवर्थी गांव में घूमकर ताले बंद मकानों की पहचान करते थे। आसपास कोई न होने की पुष्टि करने के बाद लोहे की रॉड से घर का ताला तोड़कर अंदर घुस जाते थे। फिर अलमारी का ताला तोड़कर सोने के आभूषण, चांदी के सामान और नकदी चुराकर फरार हो जाते थे। शंकरपल्ली पुलिस ने गांव से बाहर निकलते समय वाहन जांच के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी पारधी गिरोह के सदस्य हैं, जो पिछले छह महीनों से शंकरपल्ली, बीडीएल भानूर, गजवेल और आसपास के क्षेत्रों में ताले बंद मकानों व शटरों को निशाना बना रहे थे। आरोपियों ने अब तक 11 चोरी के मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

पुलिस ने गिरोह के करीब पांच पुरुष सदस्यों की पहचान की है, जिनकी उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच है। ये महाराष्ट्र के सोलापुर और जालना जिलों के आसपास के क्षेत्रों से ट्रेन से महिलाओं और बच्चों के साथ आते थे तथा शंकरपल्ली, लिंगमपल्ली और टोलीचौकी में निर्माणाधीन इमारतों के पास छोटे टेंट में अस्थायी रूप से रहते थे।

दिन के समय महिलाएं और बच्चे गांवों व आसपास घूमकर भीख मांगते तथा ताले बंद मकानों, शटरों और एकांत जगहों की पहचान करते थे। रात में पुरुष पैदल खेतों, झाड़ियों और एकांत रास्तों से तथा कभी-कभी मोटरसाइकिल पर गांव के बाहरी इलाकों के मकानों को निशाना बनाते थे।

चोरी से पहले आरोपी मास्क और दस्ताने पहनकर क्षेत्र का सर्वेक्षण करते थे। एक-दो सदस्य पहरा देते तो बाकी लोहे की रॉड से ताले तोड़कर सोना-चांदी के आभूषण, नकदी व अन्य कीमती सामान चुरा लेते थे। जांच में पता चला कि वे किसी को रोकने वाले पर हमला करने के लिए हंसिया जैसे हथियार भी रखते थे।

चोरी का माल शिवामणि और गिरोह की महिलाओं के जरिए बेचा जाता था।

11 चोरी के मामले कबूल पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने पिछले छह महीनों में शंकरपल्ली, बीडीएल भानूर, गजवेल और आसपास के क्षेत्रों में 11 चोरियों में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस चोरी का माल, अपराध में प्रयुक्त सामग्री और अन्य सबूत बरामद करने के लिए जांच जारी रखे हुए है।

तेरापंथ भवन में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं ज्ञानशाला शिविर का शुभारंभ

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि स्वतंत्रता का वास्तविक स्वरूप अनुशासन एवं संयम से ही सार्थक होता है। वहीं मुनिश्री काव्य कुमारजी ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर बलिदानियों को स्मरण करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर दो दिवसीय ज्ञानशाला ज्ञानार्थी आवासीय शिविर का भी शुभारंभ हुआ, जिसमें लगभग 105 बच्चों ने पंजीकरण कराया। शिविर में धार्मिक एवं संस्कारपरक प्रशिक्षण, प्रेरक प्रवचन, खेल-खेल में प्रशिक्षण तथा कला एवं शिल्प की विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।कार्यक्रम में तेरापंथी सभा, जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी, ज्ञानशाला से जुड़े पदाधिकारी, प्रशिक्षिकाएं एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

फैशन डिजाइनर वंदना मिश्रा को डॉ. दिनेश गुरुजी ने दिल्ली में दिया आशीर्वाद

नई दिल्ली, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तृतीय ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन के विद्वान पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी रविवार को राजधानी दिल्ली पहुंचे। यहां आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर अतिथि शामिल हुए डॉ. दिनेश गुरुजी का कोलकाता की मशहूर फैशन डिजाइनर एवं बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान की अनन्य भक्त वंदना मिश्रा ने स्वागत किया। इस दौरान पूज्य डॉ. दिनेश गुरुजी ने वंदना मिश्रा को श्रावण मास के विशेष अवसर पर बाबा महाकाल की भस्म आरती की भभूति, हरि ॐ जल एवं प्रसाद प्रदान किया। साथ ही उन्हें विशेष दुपट्टा ओढ़ाकर अपना आशीर्वाद भी दिया।

इस आत्मीय एवं धार्मिक अवसर पर वंदना मिश्रा ने डॉ. दिनेश गुरुजी से आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को धन्य महसूस किया।

तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद ने किया ध्वजारोहण

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के दिशा-निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बोलाराम स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल में महिला मंडल द्वारा निर्मित कन्या सुरक्षा स्तंभ पर ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ।

विद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला मंडल की सदस्यों ने बच्चों को बिस्किट आदि वितरित कर राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

विद्यालय की प्रिंसिपल बबीता जी ने मंडल की बहनों का स्वागत करते हुए उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर श्रीमती शकुंतला जी बुच्चा, अनिल जी कातरेला तथा तेरापंथ महिला मंडल बोलाराम से लता जी लुणावत उपस्थित रहीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.